खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 | गुरुवार, 21 मई, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 12 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-8 | अंक-138

भक्तों की 'अग्निपरीक्षा'

सालाना 337 करोड़ चढ़ावा, फिर भी सांवलिया सेठ मंदिर व्यवस्था बेहाल

चित्तौड़गढ़, 20 मई (एजेंसियां)। एक तरफ जहां चित्तौड़गढ़ के प्रसिद्ध कृष्ण धाम श्री सांवलिया जी मंदिर में इस साल 337 करोड़ रुपए का रिकॉर्ड चढ़ावा आने के बाद मंदिर प्रशासन ने 16 गांवों को गोद लेकर विकास कार्य करवाने के बड़े-बड़े दावे किए हैं, वहीं दूसरी ओर सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो ने इन तमाम दावों की जमीनी हकीकत उजागर कर दी है। भीषण गर्मी के इस मौसम में मंदिर आए श्रद्धालुओं को आस्था के नाम पर जो भुगतना पड़ रहा है, उसने मंदिर प्रबंधन की व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कॉरिडोर में प्रवेश करने से ठीक पहले ही श्रद्धालुओं के जूते-चप्पल बाहर खुलवा दिए गए। राजस्थान की इस झुलसा देने वाली भीषण गर्मी में मंदिर परिसर का फर्श कोयले की तरह तप रहा है। वीडियो के दृश्य विचलित करने वाले हैं। छोटे-छोटे बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग पैर जलने के कारण बेहाल हो रहे हैं। दर्शन करने आए लोग इस तपन से बचने के लिए नंगे पैर ही अंधाधुंध दौड़ लगा रहे हैं। कुछ लोग छांव की तलाश में इधर-उधर दुबक रहे हैं तो कुछ लोग धधकते फर्श की तपन से बचने के लिए छांव की तलाश में दुकानों के नीचे शरण ढूंढ रहे हैं। कहीं-कहीं दरी पट्टी बिछी है, श्रद्धालु उसी ओर दौड़ लगाते दिख रहे हैं।

मंदिर के पास करोड़ों रुपए का फंड मौजूद है। इसके बावजूद भीषण गर्मी में श्रद्धालुओं की ऐसी हालत हो रही है। यहां हर महीने लाखों-करोड़ों का दान गिनने के लिए 200 लोगों का स्टाफ लगाया जाता है। लेकिन मंदिर आने वाले इन भक्तों के पैरों को छाले पड़ने से बचाने के लिए प्रबंधन टाट-पट्टी, ग्रीन नेट या नियमित पानी के छिड़काव जैसी बुनियादी व्यवस्था तक नहीं कर पा रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि जहां 180 कमरों की हाइटेक धर्मशाला और आधुनिक टॉयलेट कॉम्प्लेक्स बनाने के बड़े-बड़े प्लान चल रहे हैं, फिर इस भीषण गर्मी से निपटने के लिए कोई तात्कालिक इंतजाम क्यों नहीं किए गए?

बता दें कि हाल ही में मंदिर की मुख्य कार्यपालक अधिकारी रहीं प्रभा गौतम का उदयपुर अतिरिक्त आबकारी आयुक्त पद पर तबादला हो गया है। सोमवार को उन्हें रिलीव भी कर दिया गया। ऐसे में उनके कार्यकाल के दौरान किए गए बड़े-बड़े दावों और व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति पर भी सवाल उठने लगे हैं। अब लोगों की नजर नए सीईओ पर है कि क्या वह श्रद्धालुओं की बुनियादी सुविधाओं और व्यवस्थाओं में कोई ठोस सुधार कर पाएंगे या नहीं।

सोशल मीडिया पर फूटा गुस्सा

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद लोग मंदिर प्रशासन और स्थानीय प्रशासन को जमकर आड़े हाथों ले रहे हैं। लोगों का कहना है कि जब मंदिर के पास अरबों का चढ़ावा आ रहा है तो भक्तों के लिए बुनियादी सुविधाएं क्यों नहीं हैं? गांवों को गोद लेना और बड़ी-बड़ी बातें करना तब तक बेकार है, जब तक मंदिर आए भक्तों का हाल ऐसा हो।

भक्त ने चढ़ाया 'चांदी का दिल'

मेवाड़ की आस्था के प्रमुख केंद्र श्री सांवलिया सेठ मंदिर में भक्तों की अनूठी भेंटें हमेशा ▶10 पर

मेलोनी को पीएम मोदी की मेलोडी

6 घंटे में 10 करोड़ से ज्यादा व्यूज

नयी दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी एक बार फिर इंटरनेट पर छा गए हैं। इस बार वजह बनी है एक छोटी सी मेलोडी टॉफी। इटली दौरे के दौरान पीएम मोदी ने मेलोनी को भारतीय टॉफी मेलोडी गिफ्ट की, जिसके बाद दोनों नेताओं का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया।

6 घंटे के अंदर इस वीडियो को 10 करोड़ से ज्यादा बार देखा गया। वीडियो में देखा जा सकता है कि पीएम मोदी मेलोनी को मेलोडी टॉफी का पैकेट देते हैं। इसके बाद मेलोनी हंसते हुए उसे वेरी वेरी गुड टॉफी कहती हैं। ये वीडियो पीएम मोदी और मेलोनी दोनों ने ही अपने-अपने अकाउंट से कैप्शन के साथ शेयर किया है। यानी दोनों का इंस्टा कोलैब भी हुआ है। ये भी एक वजह है कि ये वीडियो इतनी तेजी से वायरल हो रहा है। ▶10 पर

59 साल बाद सरकार में कांग्रेस

तमिलनाडु में विजय कैबिनेट का विस्तार आज

नयी दिल्ली, 20 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु की सियासत में बुधवार को एक ऐसा ऐतिहासिक फैसला हुआ जिसने पिछले करीब छह दशकों का इतिहास बदल कर रख दिया। विजय सरकार के आगामी कैबिनेट विस्तार में कांग्रेस शामिल होने जा रही है। राज्य में पूरे 59 साल के लंबे अंतराल के बाद यह पहली बार होगा जब कांग्रेस सरकार का हिस्सा बनेगी। कांग्रेस आलाकमान ने घोषणा की कि उसके दो विधायक एडवोकेट एस राजेश कुमार और पी. विश्वनाथन गुरुवार (21 मई) को सुबह 10 बजे राजभवन में मंत्री पद की शपथ लेंगे। इस फैसले की जानकारी कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी। उन्होंने इसे कांग्रेस के लिए ऐतिहासिक अवसर बताया। वेणुगोपाल ने कहा कि 59 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद कांग्रेस तमिलनाडु कैबिनेट में शामिल हो रही है। दरअसल, राजेश कुमार कन्याकुमारी जिले के किल्लियूर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव जीते हैं, जबकि पी विश्वनाथन मदुरै जिले की मेलूर सीट से चुने गए हैं। एक्स पर वेणुगोपाल ने लिखा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मुख्यमंत्री विजय के नेतृत्व वाली तमिलनाडु कैबिनेट में कांग्रेस विधायकों एडवोकेट राजेश कुमार और थिरू पी. विश्वनाथन को शामिल करने की मंजूरी दे दी है। वे कल (गुरुवार) मंत्री पद की शपथ लेंगे। यह हमारे लिए एक ऐतिहासिक अवसर है, क्योंकि कांग्रेस 59 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद तमिलनाडु कैबिनेट में शामिल हो रही है। वेणुगोपाल ने आगे कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि ▶10 पर

सीक्रेट खुलासा : कश्मीर के मुद्दे पर पाक को कोई भाव नहीं देता अमेरिका

वाशिंगटन

अमेरिका और पाकिस्तान दुनिया को ऊपर-ऊपर से भले ही अच्छे रिश्ते दिखा रहे हों, लेकिन हाल ही में हुए डिप्लोमैटिक केबल लीक्स बताती हैं कि इन दोनों देशों में कभी एकमत रही ही नहीं।

साल 2022 के एक सीक्रेट दस्तावेज में सामने आया है कि अमेरिका-पाकिस्तान के बीच मतभेद इतने ज्यादा थे कि पाकिस्तान को हमेशा इसकी शिकायत रही कि अमेरिका पाकिस्तान को कश्मीर के मामले पर पूरा समर्थन नहीं देता है। ये सीक्रेट लीक्स मीडिया हाऊस की ओर से की गई, जिसमें ये बात सामने आई है।

इन सीक्रेट खुलासे में कहा गया है कि दोनों देशों के बीच कश्मीर, यूक्रेन युद्ध और चीन जैसे मुद्दों पर गहरे मतभेद हैं। ये लीक 7 मार्च, 2022 को पाकिस्तान के तत्कालीन अमेरिकी राजदूत आसद मजीद खान ने अमेरिकी सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू से हुई मुलाकात की। इस बैठक में पाकिस्तान ने अमेरिका पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। खान ने कहा कि वाशिंगटन पाकिस्तान से हर मुद्दे पर समर्थन की उम्मीद करता है, लेकिन कश्मीर जैसे मुद्दों पर पाकिस्तान को समर्थन नहीं देता।

बता दें कि भारत हमेशा से कहता रहा है कि कश्मीर उसका आंतरिक मामला है और किसी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप की कोई गुंजाइश नहीं है। पाकिस्तान ने शिकायत की कि भारत के यूक्रेन युद्ध में तटस्थ रहने और रूस से संबंध बनाए रखने पर अमेरिका का रुख काफी नरम रहा, जबकि इस मामले में पाकिस्तान पर दबाव ज्यादा था। पाकिस्तान के तत्कालीन अमेरिकी राजदूत खान ने लू से कहा कि अमेरिकी सीनेट सब-कमिटी की सुनवाई में भारत के रुख का बचाव करते हुए लू का बयान पाकिस्तान को दोहरे मापदंड का एहसास कराता है। पाकिस्तान के मुताबिक अमेरिका भारत और पाकिस्तान के लिए अलग-अलग मापदंड रखता है। लू ने जवाब में कहा कि अमेरिका भारत को मुख्य रूप से चीन के साथ रणनीतिक प्रतिस्पर्धा के नजरिए से देखता है।

बता दें कि साल 2022 का दस्तावेज फिर से चर्चा में आया है जब ट्रंप प्रशासन में पाकिस्तान के साथ अमेरिका के संबंधों को लेकर आंतरिक बहस चल रही है। पेंटागन और सीआईए पाकिस्तान के साथ व्यावहारिक सहयोग बढ़ाने के पक्ष में हैं, जबकि कुछ अधिकारी भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी को प्राथमिकता देते हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह केवल दिखाता है कि अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों में गहरी अविश्वास की दीवार बनी हुई है। पाकिस्तान लगातार अमेरिका से कश्मीर और क्षेत्रीय मुद्दों पर समर्थन मांगता रहा है, लेकिन वाशिंगटन की प्राथमिकता हमेशा चीन को काउंटर करने वाली भारत-केंद्रित रणनीति रही है।

न्यूज ब्रीफ

वैज्ञानिकों ने किए उल्कापिंड के कारण धरती पर मची तबाही से जुड़े खुलासे

वाशिंगटन। वैज्ञानिकों ने करीब 6.6 करोड़ साल पहले उल्कापिंड के कारण धरती पर मची भीषण तबाही से

जुड़े कई नए और डरावने खुलासे किए हैं। करोड़ों साल पहले पृथ्वी पर ऐसा विनाशकारी हादसा हुआ था जिसने पूरी दुनिया की तस्वीर बदल दी। वैज्ञानिकों के अनुसार, इसी घटना ने डायनासोरों के युग का अंत कर दिया और पृथ्वी पर मौजूद अधिकांश जीवों को खत्म कर दिया। शोधकर्ताओं के अनुसार लगभग 10 किलोमीटर चौड़ा एक विशाल उल्कापिंड मेक्सिको के चिक्सुलुब इलाके से टकराया था। इस टक्कर की ताकत इतनी भयानक थी कि पूरी पृथ्वी पर तबाही फैल गई। वैज्ञानिकों के मुताबिक उल्कापिंड के टकराते ही आसमान आग के गोले बरसाने लगा। पृथ्वी का तापमान अचानक इतना बढ़ गया कि जंगलों में खुद-ब-खुद आग लग गई। लाखों डायनासोर और दूसरे जीव जलकर मर गए, जबकि जो जीव बच गए वे भूख, प्यास और गंभीर चोटों के कारण धीरे-धीरे खत्म होने लगे। कुछ ही समय में धरती पर करोड़ों जानवरों की लाशें फैल गईं और सड़न की भयानक बदबू पूरी दुनिया में फैलने लगी। शोधकर्ताओं का कहना है कि उस समय पृथ्वी का वातावरण सड़ती लाशों और सड़ी हुई वनस्पतियों जैसी दुर्गंध से भर गया था। हवा में सल्फर और जहरीली गैसों की मात्रा इतनी बढ़ गई थी कि सांस लेना भी मुश्किल हो गया था। इसके बाद एसिड वर्षा शुरू हुई, जिससे नदियां, झीलें और समुद्र तक जहरीले हो गए। पेड़-पौधे नष्ट होने लगे और पूरी खाद्य श्रृंखला टूट गई। इस टक्कर का असर केवल आग और जहरीली बारिश तक सीमित नहीं था। वैज्ञानिकों के अनुसार पृथ्वी पर सुपरसोनिक गति वाली हवाएं चलने लगीं, जो जंगलों को जड़ से उखाड़ देती थीं। टक्कर से उठी धूल और मलबे की मोटी परत ने कई वर्षों तक सूरज की रोशनी को रोक दिया। इससे पृथ्वी पर ग्लोबल विंटर जैसी स्थिति बन गई और तापमान तेजी से गिरने लगा।

अमेरिका ने ईरान पर कसे शिकंजे, विदेशी मुद्रा कंपनी और 19 जहाजों पर लगाए प्रतिबंध

वाशिंगटन। अमेरिका ने ईरान पर आर्थिक दबाव बढ़ाते हुए नए प्रतिबंधों की घोषणा की है। ताजा

कार्रवाई में एक विदेशी मुद्रा विनिमय कंपनी, उससे जुड़े कारोबारी नेटवर्क और कई जहाजों को निशाना बनाया गया है। अमेरिकी प्रशासन का आरोप है कि इन माध्यमों का इस्तेमाल ईरान अंतरराष्ट्रीय वित्तीय और तेल कारोबार को जारी रखने के लिए कर रहा था। अमेरिकी वित्त मंत्रालय के अनुसार अमीन एक्सचेंज नामक कंपनी ईरानी बैंकों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धन हस्तांतरण और विदेशी मुद्रा लेन-देन में मदद कर रही थी। वाशिंगटन का दावा है कि यह नेटवर्क संयुक्त अरब अमीरात, तुर्किये और हांगकांग सहित कई देशों तक फैला हुआ था और प्रतिबंधों से बचने के लिए जटिल कारोबारी ढांचे का उपयोग कर रहा था। अमेरिका का कहना है कि इस नेटवर्क के जरिए ईरानी संस्थानों को वैश्विक वित्तीय प्रणाली तक पहुंच उपलब्ध कराई जा रही थी। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, इस तरह की गतिविधियां ईरान के खिलाफ पहले से लागू आर्थिक प्रतिबंधों को कमजोर करती हैं।

पीएम से सवाल पूछने वाली पत्रकार के सोशल मीडिया अकाउंट्स सस्पेंडए अब चीनी जासूस होने के लग रहे आरोप

ओस्लो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नार्वे दौरे के दौरान सवाल पूछकर चर्चा में आई वहां की महिला पत्रकार

हेली लेंग को अब भारी विवाद और आनलाइन ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है। ओस्लो में एक साझा मीडिया ब्रीफिंग के दौरान पीएम मोदी से तीखे सवाल पूछने और भारतीय राजनयिकों से बहस के बाद पत्रकार ने दावा किया है कि उनके फेसबुक और इंस्टाग्राम अकाउंट को सस्पेंड कर दिया गया है। यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब ओस्लो में भारत और नार्वे के प्रधानमंत्रियों की एक साझा प्रेस वार्ता खत्म हो रही थी। जैसे ही पीएम मोदी कमरे से बाहर निकलने लगे, हेली लेंग ने पीछे से चिल्लाते हुए भारत में प्रेस की स्वतंत्रता और मानवाधिकारों को लेकर सवाल उठाने की कोशिश की। बाद में भारतीय अधिकारियों ने इस पर कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्ट किया कि जिन लोगों को भारत की सही समझ नहीं है, उन्हें इस तरह के निराधार सवाल नहीं उठाने चाहिए। इस घटना के बाद इंटरनेट यूजर्स ने पत्रकार हेली लेंग को सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल करना शुरू कर दिया। यूजर्स ने उनके पुराने लेखों और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग पर लिखी गई कुछ पुरानी रिपोर्ट्स को ढूंढ निकाला। कई यूजर्स ने उन पर पक्षपातपूर्ण होने का आरोप लगाया और सोशल मीडिया पर उन्हें विदेशी प्लांट, जासूस और चाइनीज प्राक्सी (चीनी एजेंट) तक कहना शुरू कर दिया। भारत में मानवाधिकारों को लेकर पूछे गए उनके सवाल की भी सोशल मीडिया पर तीखी आलोचना हो रही है।

रूस-चीन का डालर पर सीधा प्रहार : पुतिन-जिनपिंग ने बदला वैश्विक गेम, खत्म हो रहा अमेरिका का वर्चस्व

मास्को

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की बीजिंग यात्रा ने वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था में एक नए अध्याय की शुरुआत की है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ उनकी मुलाकात को मास्को-बीजिंग एक्सिस के रूप में दिखाया जा रहा है, जो अमेरिका के प्रभुत्व को सीधी चुनौती दे रहा है। दोनों देशों ने डालर-मुक्त आर्थिक गठबंधन की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए हैं, इसके तहत अब तेल और गैस का कारोबार अमेरिकी डालर के बजाय रूसी रूबल और चीनी युआन में करने का ऐलान किया है। यह कदम वैश्विक अर्थव्यवस्था में डालर की दशकों पुरानी पकड़ को कमजोर करने की एक बड़ी रणनीति का हिस्सा है। रूस और चीन के बीच व्यापारिक लेनदेन पहले ही काफी हद तक डी-डालराइज़्ड हो चुका है। दोनों देशों के बीच 200 अरब डालर से अधिक का व्यापार अब अधिकतर रूबल और युआन में हो रहा है, जो उनकी बढ़ती आर्थिक आत्मनिर्भरता को दिखाता है। इस रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करते हुए, दोनों नेता आर्थिक सहयोग, ऊर्जा सुरक्षा, ब्रिक्स और शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) जैसे बहुपक्षीय मंचों की भूमिका पर भी चर्चा कर सकते है। यह यात्रा चीन-रूस मैत्री संधि की 25वीं वर्षगांठ के मौके पर हो रही है, जो उनके गहरे संबंधों का प्रतीक है। कटूनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि चीन एक ओर अमेरिका के साथ अपने संबंधों को स्थिर रखना चाहता है, वहीं दूसरी ओर रूस के साथ अपनी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत कर रहा है।

वह खुद को एक ऐसी बड़ी शक्ति के रूप में प्रस्तुत करना चाहता है जो पश्चिम और रूस दोनों के बीच संतुलन स्थापित कर सके। हालांकि, रूस और चीन की यह बढ़ती नजदीकी अमेरिका और यूरोपीय देशों के लिए एक गंभीर रणनीतिक चुनौती बनती जा रही है। दोनों देश बिक्स को नए बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था का आधार बनाने की कोशिश में हैं। राष्ट्रपति पुतिन ने कहा है कि यह गठबंधन किसी के खिलाफ नहीं, बल्कि वैश्विक स्थिरता के लिए है। लेकिन पश्चिमी देश इस गठबंधन को अमेरिकी प्रभाव को कम करने की रणनीति के तौर पर देख रहे हैं। वैश्विक भुगतान प्रणाली और ऊर्जा बाजारों में ये बदलाव दुनिया को नए आर्थिक गुटों की ओर धकेल रहे हैं।

तुर्की का शिकारी कोरकुट, दुश्मन की मिसाइलों व ड्रोन को पल भर करता है राख

अंकारा। युद्ध के मैदान में सन्नाटा पसरा है। अचानक रडार की स्क्रीन पर एक लाल बिंदी चमकती। दुश्मन की एक घातक क्रूज मिसाइल और ड्रोनों का झुंड बहुत ही कम ऊंचाई पर, रडार को चकमा देते हुए रफ्तार से आगे बढ़ रहा है। पलक झपकते ही सामने आता है तुर्की का एक बख्तरबंद शिकारी, नाम है कोरकुट। जैसे ही ये हवाई खतरे इसके 4 किलोमीटर के चक्रव्यूह में कदम रखते हैं, इसका आधुनिक 3डी रडार उन्हें सेकंड के सौवें हिस्से में लाक कर देता है। इसके बाद जो होता है, वह आसमान में तबाही का खूंखार मंजर है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोरकुट की जुड़वां 35एकएम बैरल गरज उठती हैं और प्रति मिनट 1100 राउंड की खौफनाक रफ्तार से मौत का ऐसा जाल बुनती हैं कि दुश्मन की मिसाइलें हवा में ही बिखर जाती हैं। यह महज एक गन नहीं बल्कि आधुनिक ड्रोन युग का वह कसाई है जो दुश्मन के घमंड को पल भर में राख के ढेर में बदल देता है। तुर्की की प्रसिद्ध रक्षा कंपनी एसेलसन द्वारा विकसित कोरकुट एक अत्याधुनिक सेल्फ-प्रोपेल गन एयर डिफेंस सिस्टम है। इसे विशेष रूप से युद्ध के मैदान में सेना की मोबाइल टुकड़ियों को हवाई हमलों से सुरक्षा देने के लिए डिजाइन किया है। आज के दौर में जब ड्रोन, कम ऊंचाई पर उड़ने वाले हेलीकाप्टर और क्रूज मिसाइलें सबसे बड़ा खतरा हैं तब कोरकुट जैसा सिस्टम रक्षा कवच का काम करती हैं। यह सिस्टम हर मौसम में समान रूप से काम करने में सक्षम है। गन सिस्टम (पेलोड) कोरकुट में 35एमएम की डबल-बैरल आटोमैटिक गन लगी हुई है। यह गन तुर्की के मैकेनिकल और केमिकल इंडस्ट्री कारपोरेशन द्वारा बनाई गई है। फायरिंग रेट यह गन प्रति मिनट 1100 राउंड दागने की अद्भुत क्षमता रखती है जो आसमान में गोलियों की एक अभेद्य दीवार खड़ी कर देती है। इसकी प्रभावी मारक क्षमता 4 किलोमीटर तक है, जहां यह कम ऊंचाई पर उड़ने वाले किसी भी टारगेट को पल झपकते ही राख कर देती है। यह सिस्टम एसेलसन द्वारा विकसित एयर बर्स्ट एमुनिशन यानी स्मार्ट गोला-बारूद का उपयोग करता है। यह गोला टारगेट के पास पहुंचकर हवा में ही फट जाता है, जिससे निकलने वाले सैकड़ों टुकड़े छोटे ड्रोनों और मिसाइलों को आसानी से नष्ट कर देते हैं।

इजराइल का दक्षिणी लेबनान पर हमला, कम से कम 15 लोगों की मौत, 12 गांवों को खाली करने की चेतावनी

बेरुत (लेबनान)

इजराइल के दक्षिणी लेबनान पर किए गए ताजा हवाई हमले में कम से कम 15 लोग मारे गए। इजराइल ने दक्षिणी लेबनान के 12 गांवों को तत्काल खाली करने का आदेश दिया है। 16 अप्रैल को लेबनान और इजराइल के बीच हुए सैन्य विराम (सीज फायर) के बावजूद दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह और लेबनान के बीच घमासान थमने का नाम नहीं ले रहा। कुछ मीडिया संस्थानों में अपुष्ट सूत्रों से मरने वालों की संख्या 19 बताई जा रही है।

लेबनान के समाचार पत्र लोरिएंट टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल ने मंगलवार को खूनखराबा करने के साथ दक्षिणी लेबनान और बेका घाटी के 12 गांवों को खाली करने का आदेश दिया है। इनमें दक्षिणी क्षेत्र का अहम गांव नबातीह ताहता भी शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को इजराइल के हमले में कफर सिर में चार लोग मारे गए। इनमें दो महिलाएं शामिल हैं। मारे गए लोगों की पहचान सफिया बद्र अल-दीन, अली नाजिह कामिहा, नाजिहा कामिहा और अहमद अल-सब्लिनी के रूप में हुई है।

बताया गया है कि देइर कानन अल-नहर में इजराइल ने टाउन हाल के पास स्थित एक घर को निशाना बनाया। इस हमले में सात लोगों की मौत हो गई। इनमें चार बच्चे शामिल हैं। नगर परिषद के अध्यक्ष अली क़ुस्सैर के अनुसार, जिस घर को निशाना बनाया गया वह एक बड़े परिवार का घर था। मलबे के नीचे दबे तीन लोगों को खोजने के लिए तलाशी अभियान अभी भी जारी है। इसके अलावा हारौफ (नबातीह) पर हुए इजराइली ड्रोन हमले में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई। यह हमला नगरपालिका मुख्यालय के पास हुआ। इसमें गांव की नगरपालिका परिषद के सदस्य नासिर नासर की मौत हो गई। फ्रौन (बिंत जुबैल) पर हुए हमले में भी एक व्यक्ति की मौत हो गई। एक और ड्रोन हमले में एक मोटरसाइकिल चालक की मौत हो गई।

नबातीह में हमले में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई। इसके अलावा दोपहर दो बजे इजराइली सैनिकों ने कफर हम्माम और कफर शुबा (हसबया) के बाहरी इलाके से सात लोगों को अगवा कर लिया। सिविल डिफेंस के अनुसार, उनमें से चार लोग सीरियाई मजदूर है। इन्हें बाद में रिहा कर दिया गया।

नेपाल के हुम्ला जिले में बाढ़ और भूस्खलन, कई मकान क्षतिग्रस्त

काठमांडू। नेपाल के हिमाली जिला हुम्ला के चंखेली स्थित नेप्का गांव में अचानक बरसात के बाद आई बाढ़ और उसके बाद हुए भूस्खलन से चंखेली डांफे स्थित विद्यालय भवन सहित आसपास के कई घर क्षतिग्रस्त हो गए। चंखेली के निवासी छक्क बहादुर तमांग के अनुसार, तेज बहाव ने विद्यालय भवन के साथ-साथ खेतीयोग्य जमीन और मवेशी भी बहा दिया। भूस्खलन में चंखेली के वडाध्यक्ष हर्कधन तमांग और धनसिंह तामाङ के घर और मवेशी भी दब गए हैं। वहां मौजूद भेड़-बकरियों को भी नुकसान पहुंचा है। जिला प्रहरी कार्यालय के प्रमुख डीएसपी शंकर खड्का ने बताया कि इस बाढ़ और भूस्खलन से हुई कुल क्षति का विस्तृत विवरण अभी प्राप्त नहीं हो सका है। उन्होंने जानकारी दी कि पुलिस टोली भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र की ओर रवाना हो चुकी है। हुम्ला सदरमुकाम सिमकोट के उत्तर-पूर्व में स्थित चंखेली गांवपालिका में तल्लो पाली, माथिल्लो पाली, पिप्लाङ और नेप्का समेत चार गांव हैं।

पृथ्वी को शक्तिशाली सुपर अलनीनो का करना पड़ सकता है सामना

लंदन

अमेरिका, इजराइल एवं ईरान युद्ध और होर्मुज संकट के बीच जलवायु वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि आने वाले महीनों में पृथ्वी को एक शक्तिशाली सुपर अलनीनो का सामना करना पड़ सकता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यदि मौजूदा परिस्थितियां इसी तरह बनी रहीं, तो साल के अंत तक वैश्विक मौसम प्रणाली में भारी बदलाव देखने को मिल सकते हैं। प्रशांत महासागर में तेजी से बढ़ते तापमान और समुद्र के भीतर बन रही असामान्य गर्म जलधाराओं ने विशेषज्ञों की चिंता बढ़ा दी है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में केल्विन वेव्स नाम की गर्म जलधाराएं तेजी से पूर्व दिशा की ओर बढ़ रही हैं। आमतौर पर यह स्थिति अल नीनो के मजबूत होने का संकेत मानी जाती है।

समुद्र की सतह के नीचे तापमान में लगातार वृद्धि, व्यापारिक हवाओं का कमजोर पड़ना और महासागर की सतह का असामान्य रूप से गर्म होना ऐसे संकेत हैं, जिन पर वैज्ञानिक लगातार नजर बनाए हुए हैं। अल नीनो एक प्राकृतिक जलवायु प्रक्रिया है, जिसमें मध्य और पूर्वी प्रशांत महासागर का पानी सामान्य से ज्यादा गर्म हो जाता है। इसका प्रभाव पूरी दुनिया के मौसम पर पड़ता है। जब यह प्रक्रिया अत्यधिक शक्तिशाली हो जाती है, तो उसे सुपर अल नीनो कहा जाता है। इससे पहले 1982-83, 1997-98 और 2015-16 में आए सुपर अल नीनो ने कई देशों में भीषण बाढ़, सूखा, जंगलों में आग, अत्यधिक गर्मी और कृषि संकट जैसी गंभीर स्थितियां पैदा की थीं। विशेषज्ञों की सबसे बड़ी चिंता यह है कि इस बार जलवायु परिवर्तन भी इस प्रक्रिया को और ज्यादा खतरनाक बना सकता है।

वैज्ञानिकों का कहना है कि ग्रीनहाउस गैसों के लगातार बढ़ते उत्सर्जन के कारण महासागर पहले ही अतिरिक्त गर्मी जमा कर चुके हैं। ऐसे में यदि सुपर अल नीनो विकसित होता है, तो वैश्विक तापमान नए रिकार्ड स्तर तक पहुंच सकता है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक इसका असर कई देशों में अलग-अलग रूप में दिखाई दे सकता है। दक्षिण अमेरिका और एशिया के कुछ हिस्सों में भारी बारिश और बाढ़ का खतरा बढ़ सकता है, जबकि आस्ट्रेलिया और अफ्रीका के कई क्षेत्रों में गंभीर सूखे की स्थिति बन सकती है। भारत में भी मानसून के पैटर्न पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। खासतौर पर तमिलनाडु और चेन्नई जैसे तटीय इलाकों में उत्तर-पूर्वी मानसून के दौरान अत्यधिक बारिश और बाढ़ की संभावना बढ़ सकती है।

पीएम मोदी की इटली यात्रा, रोम से साझा किए फोटो, भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा रहेगा चर्चा के केंद्र में

रोम (इटली)

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को पांच देशों की यात्रा के अंतिम पड़ाव पर इटली की राजधानी रोम पहुंचे। स्वदेश रवाना होने से पहले प्रधानमंत्री मोदी इतालवी राष्ट्रपति सर्जियो मैटारेला से शिष्टाचार भेंट करेंगे और इटली की प्रधानमंत्री जार्जिया मेलोनी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। इसके अलावा अन्य उच्चस्तरीय राजनयिक कार्यक्रमों में भी उनकी भागीदारी रहेगी। प्रधानमंत्री मोदी के अनुसार, इटली यात्रा का अहम मकसद भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा पर चर्चा करना भी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने करीब सात घंटे पहले अपने एक्स हैंडल पर रोम पहुंचने की जानकारी और चार यादगार फोटो साझा किए हैं। उन्होंने लिखा है, मैं इटली के रोम शहर में पहुंच गया हूं। मैं राष्ट्रपति सर्जियो मैटरेला और प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी से मिलूंगा और उनके साथ चर्चा करूंगा। इस दौरे का मुख्य जोर भारत और इटली के बीच सहयोग को मजबूत करने पर होगा, जिसमें भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। संयुक्त रणनीतिक कार्य योजना 2025-2029 की भी समीक्षा की जाएगी। मैं संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) के मुख्यालय का भी दौरा करूंगा। इससे बहुपक्षवाद और वैश्विक खाद्य सुरक्षा के प्रति भारत की प्रतिबद्धता और मजबूत होगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इटली की राजधानी पहुंचने पर प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने एक्स पर लिखा, रोम में आपका स्वागत है, मेरे दोस्त! उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी का यह दौरा दोनों देशों के बीच तेजी से मजबूत हो रहे रणनीतिक साझेदारी के बीच हो रहा है। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी जून 2024 में जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने इटली गए थे।

इसलिए खास है भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा

प्रधानमंत्री मोदी की इटली के शीर्ष नेतृत्व से इस गलियारे पर चर्चा होनी है। यह गलियारा कई मायनों से बहुत खास है। पहली बात यह एक महत्वाकांक्षी मल्टी-माडल कनेक्टिविटी परियोजना है। इसका उद्देश्य समुद्री, रेल और सड़क नेटवर्क के माध्यम से भारत, मध्य पूर्व और यूरोप के बीच व्यापार और आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा देना है। इसकी घोषणा सितंबर 2023 में नई दिल्ली में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन में की गई थी। इस गलियारे को दो मुख्य भागों में विभाजित किया गया है। पहला है पूर्वी गलियारा। यह भारत के बंदरगाहों को समुद्री मार्ग से मध्य पूर्व के देशों (जैसे संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब) से जोड़ता है। उत्तरी गलियारा यह रेल नेटवर्क के माध्यम से सऊदी अरब और जार्डन होते हुए इजराइल के हाइफा बंदरगाह तक जाएगा, जहां से समुद्र के रास्ते इसे यूरोपीय बंदरगाहों तक पहुंचाया जाएगा। इस पहल में भारत, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, इटली और इजराइल शामिल हैं। यह गलियारा केवल माल ढुलाई तक सीमित नहीं रहेगा। इसमें इंटरनेट और डेटा कनेक्टिविटी के लिए हाईस्पीड सबमरीन केबल भी शामिल है। परिवहन के इस नए माध्यम से भारत और यूरोप के बीच व्यापार में लगने वाले समय में काफी कमी आने की उम्मीद है।

सौंदर्य

त्वचा के लिए खूबसूरती प्रदान करता है आयुर्वेद

आजकल अधिकांश लोग खुद को खूबसूरत बनाने के लिए ढेरों कॉस्मेटिक प्रोडक्ट का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में कई बार उन्हें इन प्रोडक्ट के रिएक्शन भी झेलने पड़ते हैं। साथ ही, त्वचा पर कई दूरगामी नकारात्मक प्रभाव भी पड़ते हैं। इन समस्याओं से बचने के लिए हमें अब अपनी जड़ों तक जाना होगा, यानी सदियों से चला आ रहा परंपरागत आयुर्वेदिक ज्ञान अपनाना होगा। आज हम कुछ चुनिंदा आयुर्वेदिक नुस्खों का जिक्र करेंगे, जिनका उपयोग करके सालों से महिलाएं अपना सौंदर्य निखारती आई हैं।

आयुर्वेद मानव जीवन के लिए वरदान है।

आलू भगाए चेहरे से दाग-धब्बे

आलू सिर्फ खाने के लिए नहीं, त्वचा पर लगाने के भी काम आता है। यदि आपके चेहरे पर काले धब्बे हैं तो आलू की स्लाइस लेकर हल्के-हल्के से मसाज करें। आलू का जूस चेहरे पर लगाएं। रोज इसे चेहरे पर लगाने से चेहरा निखर जाता है।

ग्लोइंग स्किन के लिए खीरा

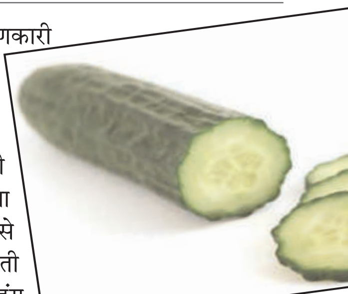

खीरा एक ऐसी गुणकारी चीज़ है, जिसका सेवन सप्ताह में एक बार जरूर करना चाहिए। साथ ही, खीरा स्किन के लिए भी बहुत लाभदायक माना जाता है। इसे खाने से शरीर की गर्मी छंट जाती है। स्किन को ग्लोइंग बनाने के लिए चेहरे पर खीरे का जूस बनाकर या खीरे का पेस्ट बनाकर लगाएं।

ज़ुबान ही नहीं त्वचा को भी भाए नारियल पानी

नारियल पानी बहुत ही गुणकारी होता है। इसीलिए रोजाना नारियल पानी पीने से चेहरा चमकने लगता है। नारियल पानी से चेहरा धोने से दाग-धब्बे दूर हो जाते हैं। नारियल का पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाने से रंग निखरने लगता है। आयुर्वेद का ये असरदार नुस्खा आप जरूर आजमाएं।

टमाटर चमकाए चेहरा

टमाटर सिर्फ आपकी सब्जी का ही स्वाद नहीं बढ़ाते बल्कि आपकी त्वचा को भी एक नया रंग देते हैं। दो चम्मच टमाटर का रस और आधा चम्मच शहद मिलाएं। इस मिश्रण को चेहरे पर लगाएं और 20 मिनट के बाद धो लें। चेहरा कांतिवान दिखेगा। साथ ही, आपके चेहरे से दाग-धब्बे भी धीरे-धीरे खत्म हो जाएंगे। ऑयली स्किन वालों के लिए ये बहुत खास आयुर्वेदिक नुस्खा है।

त्वचा के लिए शहद का नुस्खा

कई इलाकों में पारंपरिक हर्बल वैद्य शहद के साथ फेस पैक तैयार करते हैं। इन जानकारों के अनुसार, बेसन, शहद, जैतून, दूध मलाई को मिलाकर चेहरे पर लगाएं। इस मिश्रण में 3 चम्मच बेसन, शहद, दूध मलाई और जैतून के तेल का 1-1 चम्मच मिलाएं। चेहरे पर लगाएं और करीब 20 मिनट बाद इसे साफ पानी से धो लें।

पके केले से त्वचा पर निखार

केला त्वचा के लिए बहुत अच्छा होता है। पके हुए केले को अच्छी तरह से मैश कर लें। उसे चेहरे पर फेस पैक की तरह लगाएं। करीब 15 मिनट बाद इसे धो लें। चेहरा धुल जाने के बाद रक्त चंदन का लेप करें। माना जाता है कि ऐसा करने से चेहरे की त्वचा में जबरदस्त निखार आता है।

नींबू से त्वचा की अंदरूनी सफाई

नींबू स्किन के लिए एक चमत्कारी दवा की तरह काम करता हैं। रंग निखारने के लिए नींबू का रस चेहरे पर लगाएं। कुछ देर बाद चेहरा धो लें। नींबू के रस में टमाटर का रस मिलाकर लगाने से भी त्वचा की सफाई हो जाती है और रंग गोरा होने लगता है।

घर के आगे इन चीजों का होना होता है अशुभ

वास्तु

हम सभी चाहते हैं कि हमारा घर सुख-समृद्धि से भरा रहे, हर किसी की जरूरतें पूरी हों और किसी भी तरह की आर्थिक तंगी से जूझना ना पड़ा। इसके लिए हम कड़ी मेहनत तो करते ही हैं, साथ वास्तु में यकीन करने वाले उसके अनुसार अपने घर को भी रखते हैं ताकि सिर्फ सकारात्मक उर्जा का संचार हो। मगर आपको बता दें कि सिर्फ घर के अंदर मौजूद चीजें ही नहीं बल्कि घर के आगे या आस-पास मौजूद चीजें भी वास्तु दोष उत्पन्न करती हैं और ये घर में रहने वालों की शारीरिक, मानसिक व आर्थिक परेशानी बढ़ाती हैं। इसलिए चलिए आपको ऐसी चीजों के बारे में बताते हैं, जो अगर आपके घर के आगे या आस-पास हैं तो तुरंत उन्हें हटा दीजिए-

- घर के आगे गंदे पानी का जमाव वास्तु दोष उत्पन्न करता है। अगर यह जमाव पश्चिम की ओर हो तब धन का नुकसान तो होता ही है बदनामी भी होती है।
- घर के आगे पत्थरों का जमा होना भी वास्तु के अनुसार अनुकूल नहीं होता है। इससे जीवन में तरक्की की रफ्तार कम हो जाती है। व्यक्ति को जीवन के हर क्षेत्र में बाधाओं का सामना करना पड़ता है।
- कांटेदार पौधे घर के आगे होने का मतलब आपके विरोधियों की संख्या बढ़ रही है। यह पारिवारिक जीवन में मतभेद बढ़ाने का काम करता है, साथ ही स्वास्थ्य संबंधी नुकसान भी झेलना पड़ता है।
- वास्तु के अनुसार घर के आगे दूध निकलने वाले पौधे का होना भी कष्टकारी होता है।
- घर के आगे कूड़ेदान का होना वास्तु के अनुसार कष्टकारी होता है।
- बिजली का खंभा मुख्य द्वार के सामने उन्नति में बाधक माना जाता है।
- घर के आगे घना वृक्ष का होना वास्तु दोष उत्पन्न करता है।
- घर के आगे से बेल का ऊपर चढ़ना भी शुभ नहीं माना जाता है। वास्तु के अनुसार इससे विरोधियों और शत्रुओं की संख्या बढ़ती है और उन्नति में बाधा आती है।
- वास्तु के अनुसार घर की दहलीज यानी मुख्य द्वार से ऊंची सड़क का होना भी कष्टकारी होता है। इससे घर में रहने वालों की सेहत में उतार-चढ़ाव बना रहता है। घर की महिलाओं को कई तरह की परेशानियों का सामना करना होता है और रिश्तों में तालमेल की कमी होती है।

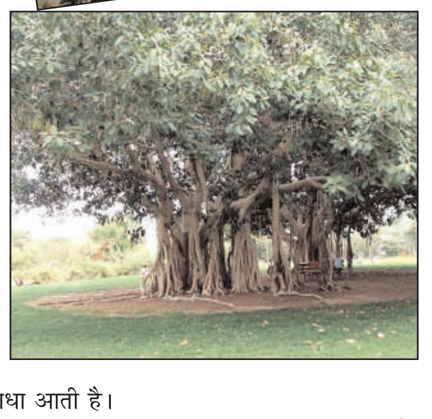

गले में खाना अटके तो हो जाएं सावधान

गले में खाना अटकने और दर्द होने पर नजरअन्दाज न करें। यह गले की नली में होने वाले कैंसर का मुख्य लक्षण हो सकता है। कुछ भी खाने पर अटकना, गले से कड़वा पानी निकलना, बार-बार उल्टी का अहसास होना, दर्द, सूजन और धीरे-धीरे इस समस्या के बढ़ने पर एक समय बाद पानी पीना भी बेहद मुश्किल हो जाता है। ये सारे लक्षण कार्सिनोमा ईसोफेगोस्टोम यानी ग्रासनली के कैंसर के हैं। यह जानकारी शुक्रवार को मुंबई से आए टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल के डॉ. सीएस प्रमेश ने दी। वह केजीएमयू सर्जरी विभाग में हुए लेक्चर में मेडिकोज को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि भारत में पुरुषों में होने वाला चौथा कॉमन कैंसर हैं। वहीं महिलाओं में छठा है। नली में गांठ का हो जाना, तम्बाकू, ऐल्कॉहॉल लेने और बैलेंस डाइट के न लेने के कारण यह बिमारी होती है।

बड़ी बीमारियों के कारण भी हो सकता पीलिया-केजीएमयू के डॉ. विशाल गुप्ता ने बताया कि पेट दर्द, भूख कम लगना, अनीमिया, कमजोरी होने पर विशेषज्ञ से सम्पर्क करना चाहिए। ऐसे लक्षण द्वारा पैनक्रियाज का कैंसर होने की संभावना रहती है। बड़ी बीमारियों के होने का एक मुख्य कारण पीलिया भी होता है। पीलिया होने पर अल्ट्रासाउन्ड और खून की जांच करवाना चाहिए। वहीं सीटी स्कैन द्वारा कैंसर की पकड़ की जाती है। ड्रिकिंग, स्मोकिंग, पुश्तों या घर में यह बिमारी किसी को होने पर पैनक्रियाज कैंसर तेजी से पनपता है।

कैंसर सेल्स छूटने पर होता है दोबारा कैंसर-मेदान्ता अस्पताल के डॉ. आदर्श चौधरी ने बताया कि पेट के कैंसर की पुष्टि हो जाने पर सर्जरी कर प्रभावित भाग को निकालने के बाद मरीज को कीमोथेरपी दी जाती है। कीमोथेरपी देने के बावजूद भी 10 से 15 प्रतिशत मरीजों में दोबारा कैंसर होने की संभावना रहती है। उन्होंने बताया कि एचबी का कम होना, भूख न लगना, कमजोरी महीने में दस बार से अधिक पेट दर्द होना इस बिमारी का कारण होता है।

वो चमत्कारी कुंड, जहां स्नान करने से मिलता है संतान का सुख

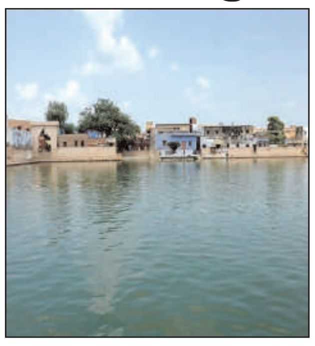

हम आपको घूमने की जगहों के बारे में तो बताते रहते हैं, इस बार आपको उस जगह ले चलते हैं जहां मान्यता है कि वहां स्नान कर संतान सुख प्राप्त किया जा सकता है। बड़े-बुजुर्ग कहते हैं वो घर ही क्या, जहां बच्चे की किलकारियां ना गूंजती हों। मगर कई ऐसे लोग हैं जो शादी के सालों बाद भी संतान सुख से वंचित हैं। ऐसे लोगों को जरूर इस चमत्कारी कुंड में स्नान करने जाना चाहिए, जहां स्नान करने से घर में किलकारियां गूंजने लगती हैं। ऐसी प्राचीन मान्यता है और कहते हैं इस कुंड को खुद कृष्ण और राधा ने बनवाया था।

जी हां, और अब तक तो आप समझ ही गए होंगे कि हम यहां मथुरा की बात कर रहे हैं जिसे भगवान कृष्ण का ही एक रूप माना जाता है। यह पूरा शहर ही उनकी भक्ति और कृपा से भरा हुआ है और यहीं गोवर्धन गिरिधारी की परिक्रमा मार्ग में एक चमत्कारी कुंड पड़ता है राधा कुंड जिसके बारे में मान्यता है कि अगर नि:संतान दंपति अहोई अष्टमी (कार्तिक कृष्ण पक्ष की अष्टमी) की मध्य रात्रि को यहां एक साथ स्नान करें तो उनके घर बच्चे की किलकारी गूंज सकती है। ऐसा कहा जाता है की यहां महिलाएं अपने केश खोलकर राधा जी से संतान का वरदान मांगती हैं। यहां स्नान करने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो सकती हैं।

ये कथा है प्रचलित

कुंड से संबंधित एक कथा के अनुसार कंस ने भगवान श्रीकृष्ण का वध करने के लिए अरिष्टासुर नामक दैत्य को भेजा था। अरिष्टासुर बछड़े का रुप लेकर श्रीकृष्ण की गायों में शामिल हो गया और ग्वालों को मारने लगा था। भगवान श्रीकृष्ण ने बछड़े के रुप में छिपे दैत्य को पहचान लिया। श्रीकृष्ण ने उसको पकड़कर जमी पर पटक पटककर उसका वध कर दिया। यह देखकर राधा ने श्रीकृष्ण से कहा कि उन्हें गौ हत्या का पाप लग गया है। इस पाप से मुक्ति हेतु उन्हें सभी तीर्थों के दर्शन करने चाहिए। राधा की बात सुनकर श्रीकृष्ण ने देवर्षि नारद से इसका उपाय पूछा। देवर्षि नारद ने उन्हें उपाय बताया कि वह सभी तीर्थों का आह्वान करके उन्हें जल रूप में बुलाएं और उन तीर्थों के जल को एकसाथ मिलाकर स्नान करें, जिससे उन्हें गौ हत्या के पाप से मुक्ति मिल जाएगी। देवर्षि के कहने पर श्रीकृष्ण ने एक कुंड में सभी तीर्थों के जल को आमंत्रित किया और कुंड में स्नान करके पापमुक्त हो गए। उस कुंड को कृष्ण कुंड कहा जाता है, जिसमें स्नान करके श्रीकृष्ण गौहत्या के पाप से मुक्त हुए थे। माना जाता है कि इस कुंड का निर्माण श्रीकृष्ण ने अपनी बांसुरी से किया था। देवर्षि नारद के कहने पर श्रीकृष्ण ने अपनी बांसुरी से एक छोटा सा कुंड खोदा और सभी तीर्थों के जल से उस कुंड में आने की प्रार्नाथ की। श्रीकृष्ण के आवाह्न पर सभी तीर्थ वहां जल रुप में आ गए। माना जाता है कि तभी से सभी तीर्थों का अंश जल रूप में यहां है। श्रीकृष्ण द्वारा बने कुंड को देख राधा ने भी उस कुंड के पास ही अपने कंगन से एक और छोटा सा कुंड खोदा। भगवान श्रीकृष्ण ने जब उस कुंड को देखा तो उन्होंने प्रतिदिन उसमें स्नान करने व उनके द्वारा बनाए कुंड से भी अधिक प्रसिद्ध होने का वरदान दिया। देवी राधा द्वारा बनाए कुंड राधा कुंड के नाम से प्रसिद्ध हुआ। माना जाता है कि अहोई अष्टमी तिथि को इन कुंडों का निर्माण हुआ था, जिसके कारण अहोई अष्टमी को यहां स्नान करने का विशेष महत्व है। प्रति वर्ष यहां बड़ी संख्या में भक्त स्नान हेतु आते हैं। कृष्ण कुंड और राधा कुंड की अपनी एक विशेषता है कि दूर से देखने पर कृष्ण कुंड का जल काला और राधा कुंड का जल सफेद दिखाई देता है जो कि श्रीकृष्ण के काले वर्ण के होने का और देवी राधा के सफेद वर्ण के होने का प्रतीक है।

यूं बनाएं अंडे की मजेदार डिश

रेसिपी

एग्ज फ्लॉरेंटाइन स्वास्थ्य खाद्य पदार्थों का एक बेहतर मिश्रण है। अंडे और पालक से बनी यह डिश बेहतर ब्रेक फस्ट हो सकती है। आइये जानते हैं, इसको कैसे तैयार करें...

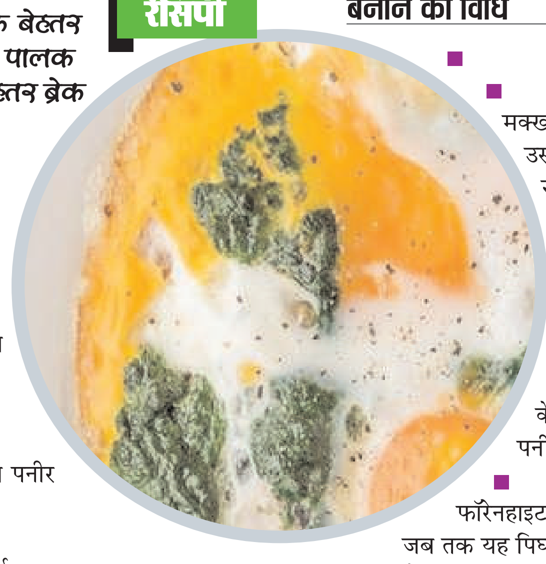

जरूरी सामग्री

- 10 औंस कटा हुआ पालक
- 2 चम्मच आटा
- 1 चुटकी नमक
- 2 चम्मच पिसा हुआ पनीर
- 1/4 कप मक्खन
- 8 अंडे
- थोड़ी सी काली मिर्च

बनाने की विधि

- पालक को पकाएं।
- सफेद चटनी तैयार करने के लिए मक्खन को एक छोटी सॉसपैन में पिघलाएं। उसके बाद आटा डालें और अच्छी तरह से मिलाएं। जब तक मिश्रण गाढ़ा न हो जाए और बुलबुले न आने लगें, इसे हिलाते रहें।
- अब पालक को एक हल्की उथली हुई बेकिंग डिश में डालें। उसके बाद अंडे को पालक के ऊपर रख दें और सफेद चटनी अंडों के ऊपर डालें। नमक, काली मिर्च और पनीर का छिड़काव करें।
- दो से तीन मिनट तक 400 फॉरेनहाइट पर अंडों को उस समय तक पकाएं जब तक यह पिघल न जाएं और हल्का भूरा न हो जाए।

अब इसे टोस्टेड ब्रेड के साथ सर्व करें।

ऐनिसथीजिया देते समय अनीमिक बच्चों का रखें ध्यान

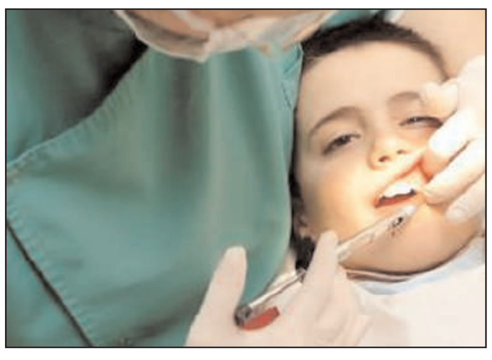

तीन दिवसीय बाल ऐनिस्थीजिया पर शुक्रवार को कन्वेशन सेंटर में सेमिनार हुआ। केजीएमयू में पहली बार हुई नैशनल कान्फ्रेंस के पहले दिन डॉ. अनीता मलिक ने बताया कि बच्चों की सर्जरी के दौरान बेहोशी की दवाओं को निर्धारित मात्रा में ही देना चाहिए। सही तरह से और सही मात्रा में दिया जाने वाले ऐनिस्थीजिया से बच्चों को सर्जरी के बाद दर्द कम होता है और जल्दी डिस्चार्ज होगा। आईसीयू स्टे कम होगा और चोट के निशान भी जल्द ठीक होंगे। बच्चों की सर्जरी के समय देने वाले ऐनिस्थीजिया पर बच्चों को पहले पूरी तरह से एग्जामिन करना चाहिए। उनमें पैदाइशी कोई बीमारी हो तो ऐसे में विशेषज्ञ ऐनिस्थेटिस्ट की मौजूदगी जरूरी है।

डॉ. संजय ने बताया कि बेंगलुरु की अपेक्षा यूपी में ऐनिस्थेटिस्ट की कमी है, जिसके लिए जाएरूकता कार्यशालाओं का आयोजन कर नए-नए कोर्स खुलवाने चाहिए, जिससे इनकी संख्या में इजाफा होगा।

पीडियाट्रिक ऐनिस्थीजिया ट्रेनिंग के लिए खुलेगा नया विभाग

केजीएमयू में बाल विभाग ऐनिस्थीजिया के लिए ऐनिस्थेटिस्ट को पीएम कोर्स की ट्रेनिंग जल्द ही दी जाएगी। इसके लिए अलग से एक नया विभाग खोलने की बात की जा रही हैं, जिसमें केजीएमयू में काम कर रहे ऐनिस्थेटिस्ट को इस विशेष कोर्स का डिप्लोमा भी मिलेगा। केजीएमयू के वीसी ने इस प्रस्ताव को मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया को भेजा गया है, जिसकी मंजूरी मिलते ही नए विभाग को खोला जाएगा। पीएम का यह कोर्स तीन वर्ष का होगा। अभी तक केवल मुम्बई में ही इस कोर्स को कराया जा रहा है।

वर्कशॉप में डेलिगेट्स ने सीखीं नई तकनीकें

वर्कशॉप में अल्ट्रासाउंड गाइडेड नर्व ब्लॉक, सिमुलेशन, काड्रियोपल्मोनरी रिसर्च और डिसिकल्ट एअरवे ऐनिस्थीजिया के बारे में डेलिगेटस मौजूद रहे, जिन्होंने क्रिटिकल केस, सर्जरी के पहले और बाद में आने वाली कठिनाइयों के बारे में जानकारी ली।

जानिये राशि के अनुसार आपको किस देवी-देवता की पूजा करनी चाहिये

मेष

मेष राशि का मालिक मंगल है। इसलिए अपने मंगल गृह को मजबूत करने के लिए मेष राशि वालों को भगवान शिव की आराधना करनी चाहिए।

वृष

वृष राशि का गृह शुक्र है इसलिए वृष राशि वालों को लक्ष्मी के पूजा करनी चाहिए।

मिथुन

मिथुन राशि का मालिक गृह बुध है। बुध के देवता 'श्रीमननारायण' हैं। इसलिए बुध राशि वालों को अच्छे भाग्य के लिए भगवान 'श्रीमननारायण' की आराधना करनी चाहिए।

कर्क

कर्क राशि का मालिक गृह चंद्रमा है। देवी गौरी चंद्रमा की देवी हैं। गौरी शांति और दया की देवी हैं इसलिए यदि आपकी राशि कर्क है तो आपको अपनी इच्छाओं की पूर्ति के लिए देवी गौरी की पूजा करनी चाहिए।

सिंह

सिंह राशि का मालिक गृह सूर्य है और इस गृह के मालिक देवता भगवान शिव हैं। भगवान शिव को प्रसन्न करना आसान है, अत: सिंह राशि वाले अपने भजनों और पूजा से भगवान शिव को रिझाएँ।

कन्या

कन्या राशि का गृह बुध है। विष्णु के अवतार भगवान 'श्रीमननारायण' बुध गृह के मालिक हैं, इसलिए कन्या राशि वालों को अच्छे भाग्य के लिए भगवान 'श्रीमननारायण' की पूजा करनी चाहिए।

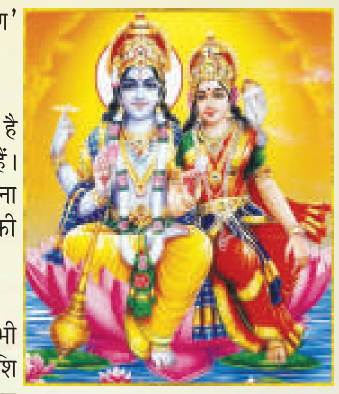

तुला

तुला राशि का मालिक शुक्र गृह है और शुक्र गृह की स्वामी देवी लक्ष्मी हैं। इसलिए आप देवी लक्ष्मी की आराधना करें, इससे सौभाग्य और धन-धान्य की प्राप्ति होगी।

वृश्चिक

वृश्चिक राशि का मालिक गृह भी मंगल है। इसलिए वृश्चिक राशि वालों को अपना मंगल मजबूत करने के लिए भगवान शिव की पूजा करनी चाहिए।

धनु

धनु राशि का स्वामी वृहस्पति गृह है। वृहस्पति के स्वामी 'श्री दक्षिणमूर्ती' हैं जो कि भगवान शिव के अवतार हैं, ये ज्ञान और बुद्धि के देवता है। इसलिए इनका प्रभाव प्राप्त करने के लिए धनु राशि वालों को 'श्री दक्षिणमूर्ती' की पूजा अर्चना करनी चाहिए।

मकर

इस राशि का स्वामी मंगल है। इसलिए मकर राशि वालों को भी सुख-समृद्धि के लिए भगवान शिव की पूजा करनी चाहिए।

कुंभ

कुंभ राशि का स्वामी भी मंगल है। भगवान शिव मंगल के मालिक हैं, इसलिए कुंभ राशि वालों को पवित्र मन से भगवान शिव की आराधना करनी चाहिए।

मीन

धनु राशि का मालिक गृह वृहस्पति है। वृहस्पति के स्वामी 'श्री दक्षिणमूर्ती' हैं इसलिए मीन राशि वालों को 'श्री दक्षिणमूर्ती' की पूजा अर्चना करनी चाहिए।

रविवार को ना खाएं ये 5 वस्तुएं, वरना सूर्य देव का प्रकोप होगा आप पर

मसूर

मसूर में बहुत अधिक मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है जो मांस में पाए जाने वाले प्रोटीन की तुलना में भी बहुत अधिक होता है। अत: इसे 'देव भोग' अर्थात भगवान के प्रसाद के रूप में नहीं खाया जा सकता।

लाल साग

रविवार के दिन लाल साग खाना अशुभ माना गया है क्योंकि इस तरह के मिश्रित अल्पकालिक बारहमासी पौधे को वैष्णव धर्म में मृत्यु का प्रतीक माना गया है।

लहसुन

हालाँकि लहसुन ब्लडप्रेशर को नियंत्रित रखने के लिए अच्छा माना गया है परन्तु इसे रविवार के दिन नहीं खाना चाहिए क्योंकि इसे मृत व्यक्ति के पसीने के प्रतीक के रूप में देखा जाता है।

मछली

यद्यपि मछली प्रोटीन का अच्छा स्त्रोत मानी जाती है परन्तु रविवार के दिन इसे न खाने की सलाह दी जाती है क्योंकि यह मांस है।

प्याज

प्याज एक प्रमुख सब्जी है तथा लगभग प्रत्येक घर में पाई जाती है। रविवार के दिन प्याज का सेवन करना अशुभ माना जाता है तथा इसे भगवान सूर्य को भी नहीं चढाया जा सकता।

कारण

जानिये कि रविवार के दिन इन 5 वस्तुओं का सेवन करना क्यों अशुभ माना जाता है। आजकल के समय में गौ हत्या को बहुत ही अधार्मिक माना जाता है परन्तु प्राचीन काल में इस पर कोई प्रतिबंध नहीं था।

गौमेद यज्ञ (1)- ऐसा माना जाता है कि हिंदू कथाओं में गौमेद यज्ञ का उल्लेख मिलता है जिसमें गाय की बलि को एक अनुष्ठान माना जाता था। इसे बलवर्धक माना जाता था। एक बार एक साधु गौमेद यज्ञ करने का विचार करता है जिसमें सुबह गाय की बलि चढाकर उसे शाम तक पुनर्जीवित करने का प्रावधान होता है।

गौमेद यज्ञ (2)-साधु के पत्नी बहुत अधिक कमजोर थी। वह भूख सहन नहीं कर पाई। बहुत दिनों से वे फल और कंदमूल खाकर जीवन यापन कर रहे थे अत: उसने मारी हुई गाय के शरीर से एक टुकडा निकालकर उसे पकाने का निश्चय किया। परन्तु साधु की पत्नी को मांस की गंध सहन नहीं हुई अत: उसने मांस के टुकडे को जंगल में फेंक दिया जो बाद में दो टुकडों में विभक्त हो गया।

गौमेद यज्ञ (3)-बाद में जब शाम को साधु ने गाय को पुनर्जीवित किया तो जंगल में पडे हुए टुकडे भी पुनर्जीवित हो गए। पहला टुकडा जो जमीन पर गिरा था वह लहसुन बन गया और दूसरा टुकडा जो पास के तालाब में गिरा था वह मछली बन गया। जमीन पर पडी हुई रक्त की बूँदें मसूर की दाल में परिवर्तित हो गया और त्वचा प्याज के रूप में बदल गयी और हड्डियां लाल साग बन गयी।

हनुमान कवच में है अपार शक्ति

श्री हनुमान कवच अपने आप में भगवान की शक्ति रखता है जिसके प्रभाव से बुराइयों पर जीत पाई जा सकती है। हनुमान भक्त इस कवच की असीम शक्ति को जानते है। इस कवच की शक्ति को मन को एकाग्र: करके असीम साधना से जगाया जा सकता है। यह कहा जाता है की यह महावीर हनुमान का शक्तिग्रह है।

हनुमान कवच से लाभ :

इस कवच से भूत, प्रेत , चांडाल , राक्षश व अन्य बुरी आत्माओं से बचाव किया जा सकता है । यह कवच आपको टोनो टोटको से बचाता है और आपकी रक्षा करता है। काला जादू इस पर पूरी तरह पराजित हो जाता है। इस कवच का पूर्ण लाभ से जीवन के शोक मिट जाते है अत: इसे शोकनाशं भी पुकारा जाता है।

श्री हनुमान कवच यह कवच स्वं भगवान श्री रामचन्द्र द्वारा रचा और पढा गया है । इस हनुमत कवच का पाठ प्रभु श्रीराम ने स्वयं रावण से युद्ध करते समय किया था।

मूल मंत्र :

इस कवच का मूल मंत्र है : ऊँ श्री हनुमंते नम:

इस मंत्र का उच्चारण 108 बार रुद्राक्ष की माला के साथ सच्चे मन से करे और यह उपासना संपन्न होने के बाद अपने शोक निवारण के लिए हनुमानजी से विनती करे। इसके बाद हनुमानजी को चमेली का तेल और सिंदूर चढावे। साथ में यदि हनुमानजी को चोला और जनेऊ पहना सके तो और भी उत्तम है

इसे घर में रखने से कामयाबी के साथ ही पैसा और खुशहाली भी आती है

फेंगशुई का शाब्दिक अर्थ है हवा और पानी। यानी हवा और पानी का सही संतुलन करना ही इस विद्या का आधार है। हवा से सुख की अनुभूति होती है और पानी से तृप्ति। फेंगशुई चीन की वास्तुकला मानी जाती है। फेंगशुई का शाब्दिक अर्थ है हवा और पानी। यानी हवा और पानी का सही संतुलन करना ही इस विद्या का आधार है। हवा से सुख की अनुभूति होती है और पानी से तृप्ति। जिस प्रकार भारतीय वास्तु शास्त्र में प्रकृति के पांच तत्वों-अग्नि, पृथ्वी, वायु, जल और आकाश को महत्व दिया गया है, उसी प्रकार फेंगशुई में पांच तत्वों-अग्नि, पृथ्वी, धातु, जल और लकडी को महत्व दिया गया है। दोनों में मूलभूत अंतर यह है कि फेंगशुई में भारतीय वास्तु शास्त्र के तत्व वायु और आकाश की जगह लकडी और धातु को लिया गया है।

1.यदि आपको लग रहा है कि आपकी कमाई के सारे स्त्रोत बंद हो गए हैं तो तीन रंगों वाले फेंगशुई मेंढक (जिसके मुंह में सिक्के लगे हों) अपने घर में रखें। उसे इस तरह रखें कि उसकी पूरी दृष्टि आपके घर की ओर हो। ऐसा करने से भाग्य में वृद्धि होगी और आपकी आय के नए दरवाजे खुलेंगे।

2.घर के मुख्य दरवाजे पर लाल रिबन में बंधे हुए फेंगशुई के 3 सिक्के लटकाने चाहिए। इससे घर में धन और समृद्धि आती है। सिर्फ तीन ही सिक्के लटकाएं और उन्हें दरवाजे के भीतर की ओर रखें। बाहर की ओर सिक्के लगाने से लक्ष्मी द्वार के बाहर ही ठिठक जाती है। सिक्के हमेशा मुख्य दरवाजे पर ही लगाएं।

3.फेंगशुई में कछुए को भी बहुत शुभ माना जाता है। इसे घर में रखने से कामयाबी के साथ ही पैसा और खुशहाली भी आती है। ध्यान रहे कि कछुए को ऑफिस या घर की उत्तर दिशा में रखना चाहिए। कछुए को रखते समय उसका चेहरा अंदर की ओर होना चाहिए। कछुए को कभी जोडे में नहीं रखना चाहिए।

4.फेंगशुई के नियम के अनुसार कछुआ कभी भी शयन कक्ष में नहीं रखना चाहिए। इसे रखने के लिए सबसे बेहतर स्थान घर का ड्राइंग रूम है।

5.कछुए को सूखे स्थान पर रखने के बजाय किसी बर्तन में पानी भर कर रखना चाहिए।

6.आर्थिक सफलता और कामयाबी के लिए घर में लाफिंग बुद्ध भी रखना चाहिए। इन्हें अपने घर में मुख्य द्वार से तिरछी तरफ रखें। बुद्ध समृद्धि के देव हैं। इनकी मुस्कान से घर में सुख और समृद्धि आती है।

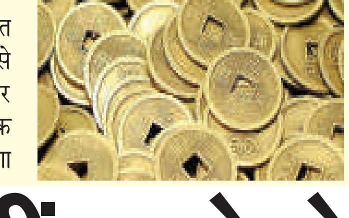

मनचाही वस्तु प्राप्ति और इच्छा पूर्ति के लिए मंत्र जप से अधिक अच्छा साधन कोई और नहीं है। सभी मंत्रों में गायत्री मंत्र सबसे दिव्य और चमत्कारी है। कुछ मंत्र जप एक ऐसा उपाय है जिससे माना जाता है कि कई समस्याओं को दूर किया जा सकता है। मंत्रों की शक्ति से सभी भलीभांति परिचित हैं। मनचाही वस्तु प्राप्ति और इच्छा पूर्ति के लिए मंत्र जप से अधिक अच्छा साधन कोई और नहीं है।

क्यों है सभी मंत्रों में ये मंत्र इतना दिव्य और चमत्कारी

गायत्री मंत्रः- ऊँ भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात्त।

मंत्र का अर्थः सृष्टिकर्ता प्रकाशमान परामात्मा के तेज का हम ध्यान करते है, वह परमात्मा का तेज हमारी बुद्धि को सझार्ग की ओर चलने के लिए प्रेरित करें।

सभी मंत्रों में गायत्री मंत्र सबसे दिव्य और चमत्कारी है। इस जप से बहुत जल्द परिणाम प्राप्त हो जाते हैं। गायत्री मंत्र विद्या का प्रयोग भगवान की भक्ति, ब्रह्मज्ञान प्राप्ति, दैवीय कृपा प्राप्त करने के साथ ही सांसारिक एवं भौतिक सुख-सुविधाओं, धन प्राप्त करने की इच्छा के लिए भी किया जा सकता है। शास्त्रों के अनुसार गायत्री मंत्र को वेदों को सर्वश्रेष्ठ मंत्र बताया गया है। इस मंत्र जप के लिए तीन समय बताए गए हैं। पहला सुबह सुर्योदय, मंत्र जप के लिए दूसरा समय है दोपहर मध्यान्ह का। तीसरा समय है शाम को सूर्यास्त के कुछ देर पहले मंत्र जप शुरू करके सूर्यास्त के कुछ देर बाद तक जप करना चाहिए। इन तीन समय के अतिरिक्त यदि गायत्री मंत्र का जप करना हो तो मौन रहकर या मानसिक रूप से जप करना चाहिए। शास्त्रों में इसके जाप की विधि विस्तृत रूप से दी गई हैं। इस मंत्र को जाप करने के लिए रुद्राक्ष की माला का प्रयोग करना श्रेष्ठ होता है। इस के जप से उत्साह एवं सकारात्मकता, त्वचा में चमक आती है, तामसिकता से घृणा होती है, परमार्थ में रूचि जागती है, पूर्वाभास होने लगता है, आर्शीवाद देने की शक्ति बढती है, नेत्रों में तेज आता है, स्वप्न सिद्धि प्राप्त होती है, क्रोध शांत होता है, ज्ञान की वृद्धि होती है।

विद्यार्थीयों के लिए-

गायत्री मंत्र का जप सभी के लिए उपयोगी है किंतु विद्यार्थियों के लिए तो यह मंत्र बहुत लाभदायक है। रोजाना इस मंत्र का एक सौ आठ बार जप करने से विद्यार्थी को सभी प्रकार की विद्या प्राप्त करने में आसानी होती है। विद्यार्थियों को पढने में मन नहीं लगना, याद किया हुआ भूल जाना, शीघ्रता से याद न होना आदि समस्याओं से निजात मिल जाती है।

दरिद्रता के नाश के लिए-

यदि किसी व्यक्ति के व्यापार, नौकरी में हानि हो रही है या कार्य में सफलता नहीं मिलती, आमदनी कम है तथा व्यय अधिक है तो उन्हें गायत्री मंत्र का जप काफी फायदा पहुंचाता है। शुक्रवार को पीले वस्त्र पहनकर हाथी पर विराजमान गायत्री माता का ध्यान कर गायत्री मंत्र के आगे और पीछे श्रीं सम्पुट लगाकर जप करने से दरिद्रता का नाश होता है।

संतान संबंधी परेशानियां

किसी दंपत्ति को संतान प्राप्त करने में कठिनाई आ रही हो या संतान से दुखी हो अथवा संतान रोगग्रस्त हो तो प्रात: पति-पत्नी एक साथ सफेद वस्त्र धारण कर यौं बीज मंत्र का सम्पुट लगाकर गायत्री मंत्र का जप करें। संतान संबंधी किसी भी समस्या से शीघ्र मुक्ति मिलती है।

शत्रुओं पर विजय

यदि कोई व्यक्ति शत्रुओं के कारण परेशानियां झेल रहा हो तो उसे प्रतिदिन या विशेषकर मंगलवार, अमावस्या अथवा रविवार को लाल वस्त्र पहनकर माता दुर्गा का ध्यान करते हुए गायत्री मंत्र के आगे एवं पीछे क्लीं बीज मंत्र का तीन बार सम्पुट लगाकार एक सौ आठ बार जाप करने से शत्रुओं पर विजय प्राप्त होती है। मित्रों में सद्भाव, परिवार में एकता होती है तथा न्यायालयों आदि कार्यों में भी विजय प्राप्त होती है।

विवाह कार्य में देरी

यदि किसी भी जातक के विवाह में अनावश्यक देरी हो रही हो तो सोमवार को सुबह के समय पीले वस्त्र धारण कर माता पार्वती का ध्यान करते हुए ह्रीं बीज मंत्र का सम्पुट लगाकर एक सौ आठ बार जाप करने से विवाह कार्य में आने वाली समस्त बाधाएं दूर होती हैं। यह साधना स्त्री पुरुष दोनों कर सकते हैं।

नियम का पालन नहीं करने से व्यक्ति अनुशासन खो देता है

विवेकानंद ने मनुष्य के चरित्र को उसका वास्तविक धन बताया है। विवेकानंद कहते हैं सत्यवादी बनिए। किसी से डरे बगैर व्यक्ति को सत्य बोलना चाहिए। व्यवस्थित जीवन जीने के लिए मनुष्य के जीवन में नियमों का पालन करना बहुत जरूरी है। नियम के बगैर मनुष्य का जीवन पशु से भी बदतर माना जाता है।

नियम पालन और कुछ नहीं, बल्कि अनुशासन में रहना है। जिस व्यक्ति के जीवन में अनुशासन है, वे अपने सभी काम सही समय पर और सही तरीके से करते हैं, जिससे सफलता उनके कदम चूमती है। इसके विपरीत अनुशासन के बगैर व्यक्ति कभी खुशहाल जीवन नहीं जी सकता।

ऐसा इसलिए, क्योंकि नियम का पालन नहीं करने से व्यक्ति अनुशासन खो देता है। इस कराण उसका जीवन कई तरह के संकटों से घिर जाता है। प्रकृति के सारे कार्य नियमबद्ध तरीके से होते हैं। जिस तरह सूर्य नित्य उदित होता है और चंद्रमा अपनी चांदनी बिखेरता है, उसी तरह मनुष्य को भी आलस्य को त्यागकर अपने जीवन में नियमों का पालन करना चाहिए। जीवन को नियम के अधीन कर देना आलस्य पर विजय पाना ही है। जब प्रकृति नियमों के प्रति इतनी सजग व अडिग है, तो मनुष्य को इससे छूट कैसे मिल सकती है। कभी-कभी प्रकृति जब अपने नियम से हटती है। हालांकि ज्यादातर बार इसकी वजह मनुष्य द्वारा किया गया खिलवाड ही होता है-तब विकराल घटनाएं घटित होती हैं। इसी तरह जो व्यक्ति नियमों का पालन नहीं करता, उसका जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है और ऐसा मनुष्य मुसीबतों से घिर जाता है। मनुष्य द्वारा किए जाने वाले प्रत्येक कार्य के लिए नियम हैं और जो व्यक्ति अपने कर्म में इन नियमों का पालन करता है, उसका जीवन सुखी व्यतीत होता है।

विवेकानंद ने मनुष्य के चरित्र को उसका वास्तविक धन बताया है। विवेकानंद कहते हैं कि सत्यवादी बनिए। इसका आशय है किसी से डरे बगैर व्यक्ति को सत्य बोलना चाहिए। चाहे यह किसी को अच्छा लगे या न लगे। सत्य के लिए सब कुछ छोडा जा सकता है, लेकिन सच को किसी भी चीज के लिए नहीं छोडा जा सकता। इसी तरह पवित्रता और परमार्थ के बारे में उन्होंने कहा था, ये जहां कहीं भी उपस्थित होंगे, ऐसी कोई ताकत नहीं है, जो उस व्यक्ति को हिला सके। इनसे युक्त होने पर व्यक्ति संपूर्ण ब्रहमांड के विरोध का सामना करने में सक्षम हो जाता है। शास्त्रों में कहा गया है कि मनुष्य को नियम पालन को अपना धर्म मानना चाहिए।

बच्चों को सुलाने के आसान तरीके

आमतौर पर बच्चों को जब नींद नहीं आती है तो वो चिड़चिड़े हो जाते हैं। फिर उन्हें किसी भी तरह बहलाने फुसलाने की कोशिशें बेकार साबित होती हैं। उस समय उन्हें जरूरत होती हैं प्यारी सी लोरी के साथ शांत माहौल और मां के गोद की। लोरी सुनाकर बच्चों को सुलाने का चलन बरसों से चला आ रहा है। आज भी मां अपने बच्चों को लोरी सुनाकर ही सुलाती हैं। धीरे-धीरे और मीठे स्वर में गाई गई लोरी का बच्चे के दिमाग पर काफी असर होता है इसको सुनते-सुनते वे धीरे-धीरे मीठी नींद की ओर बढ़ने लगते हैं।

लोरी ही जरूरी नहीं: लोरी बच्चे को सुलाने का सबसे प्यारा तरीका समझा जाता है। लेकिन सिर्फ लोरी ही जरूरी नहीं है इसके साथ बच्चे के शरीर पर हल्की-हल्की थपकी और गोद में उसे धीरे-धीरे झुलाना भी काफी मददगार साबित होते हैं। और यह प्रक्रिया आपको तब तक करनी चाहिए जब तक बच्चा गहरी नींद में ना सो जाए।

लोरी सुनते ही क्यों सो जाते हैं बच्चे: लोरी की मीठी आवाज से बच्चे का ध्यान आस-पास की आवाजों से हटने लगता है। बच्चों को लगातार गोद में झुलाते रहने से उसकी नजर किसी भी चीज पर नहीं टिक पाती। और थोड़ी ही देर में उसकी आखों में नींद आने लगती है। और वह धीरे-धीरे अपनी आंखों को बंद करने लगता है।

स्तनपान करते हुए: आमतौर पर देखा जाता है कि बच्चें मां की गोद में स्तनपान करते हुए भी सो जाते हैं। ऐसे में उनके सिर पर धीरे-धीरे हाथ से सहलाएं जिससे उनकी आंखों में नींद आने लगे। और जब वह पूरी नींद में सो जाए तो उसे धीरे से बिस्तर पर लेटा दें।

गोद में लेकर झुलाएं: बच्चो को जब नींद आती है तो वो आपकी गोद में झुलना चाहते हैं। ऐसे में बच्चे को अपनी गोद में लेकर दाएं से बाएं झुलाएं। धीरे-धीरे उसकी आंखे भारी होने लगती है और वह थकवाट के कारण अपनी आंखे बंद करने पर मजबूर हो जाता है। ध्यान रहे कि ज्यादा से जोर से झुलाने पर बच्चा डर भी सकता है।

मौजूद है टिंबकटू शहर...

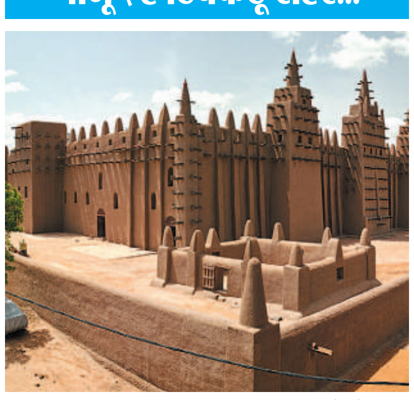

आपने अक्सर किस्से कहानियों में टिंबकटू जैसी चीजों का नाम सुना होगा। आज हम आपको एक ऐसे शहर के बारे में बताने जा रहे हैं जिसका नाम टिंबकटू है। यह शहर अफ्रीका के माली देश में बसा हुआ है। यह शहर किसी समय एजुकेशन के लिहाज से यह बहुत आगे हुआ करता था। इसे 333 संतो का नगर भी कहा जाता था।अफ्रीका इस्लाम की पढ़ाई के लिए यह शहर एक केन्द्र हुआ करता था। आज भी इसका विश्वविद्यालय इस्लामिक पढ़ाई के लिए लोगों को अपनी ओर एटरेक्ट करता है। टिंबकटू माली के समृद्ध सांस्कृतिक और अध्यात्मिक विरासत वाला शहर है। इस शहर की अमूल्य विरासत के कारण संयुक्त राष्ट्र की सांस्कृतिक इकाई यूनेस्को ने इसे विश्व विरासत की सूची में दर्ज रखा है। यह शहर 5वीं सदी में बना था और लगभग 15वीं सदी तक व्यापारिक नगर से जाना जाने लगा था। यहां पर ऊंटो के सहारे सोने का बिजनेस चलता था। मुस्लिम व्यापारी इसी शहर से पश्चिमी अफ्रीका और यूरोप से सोने की मार्केटिंग करते थे। बदले में उन्हें अपनी जरूरतों की चीजें मिलती थी। कहा जाता है कि उस समय सोने की कीमत नमक के बराबर थी। लगभग 17वीं सदी के आसपास अंटलानटिक महासागर के व्यापारिक नगर बनने के साथ ही यह अमीर विरासत वाला शहर पतन की ओर चल पड़ा।इस शहर में आवाजाही के साधन आसानी से नही मिलते लेकिन फिर भी यह आकर्षण का केन्द्र है। यहां 350 साल पुरानी जिंगरेबर मस्जिद आज भी यहां मौजूद है। लेकिन यह शहर आतंकी हमले की वजह से तबाही की कगार पर पहुंच गया। आतंक के साए से जूझ रहे टिंबकटू निवासी आज भी इसे बचाने की हर कोशिश कर रहे हैं।

स्किन की रंगत पर भारी आदतें...

जहां स्किन का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है वहीं कहीं ऐसा तो नहीं है कि आपकी आदतें ही स्किन को बेजान कर रही हों। स्किन रूखी होने पर अपनी सुंदरता खो देती है, सनलाइट के अलावा और भी ऐसी चीजें है जो आपकी स्किन को नुकसान पहुंचा सकती हैं। कुछ आदतों में बदलाव करकेअपनी स्किन को बेजान होने से बचा सकते हैं। घंटों एसी में बैठे रहने से भी त्वचा की नमी कम हो जाती है। इस कारण त्वचा रूखी होने लगती है। लगातार गर्मी से ठंडक और ठंडक से गर्मी में आने से भी त्वचा खराब होती है।अगर इस्तेमाल करते भी हैं तो तापमान बहुत कम न रखें। गर्मियों में गाड़ी के शीशे खोल कर या बाइक पर रफ्तार में, तेज हवा में ड्राइव पर जाने से मूड फ्रेश हो जाएगा तो हां, ऐसा हो सकता है लेकिन इससे आपकी त्वचा का क्या हाल होगा आप सोच भी नहीं सकते। यह तेज हवा त्वचा के सेल्स को बर्बाद कर सकती है।

सोच से जुदा है ईरान की जिंदगी...

वास्तव में ईरान हमारी और आपकी कल्पना से एकदम अलग देश है। जैसा दिखाया जाता है वैसा नहीं है ईरान। वहां भी आजादी है, हंसी है, खुशी है और जिंदगी जीने वाले जिंदादिल लोग हैं। ईरान में रह रहे लोगों की लाइफस्टाइल उस धारणा से बिल्कुल दूर है, जो यहां के कट्टरपंथियों ने दुनिया को दिखाने की कोशिश की है। बाकी देशों की तरह जुर्म और हिंसा यहां रोजाना की जिंदगी का सच है, लेकिन कुल मिलाकर ईरान एक ऐसा देश है, जो कट्टर परंपरा और आधुनिक संवेदनशीलता के बीच का रास्ता निकालने की कोशिश में लगा है।

अफगानिस्तान के लिए पाकिस्तान को छोड़कर एक नया मार्ग खोलने के प्रयासों के तहत प्रधानमंत्री ईरान यात्रा के दौरान चाबहार बंदरगाह के पहले चरण के विकास के लिए उसके साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर करेंगे। मोदी की शिया मुसलमानों के देश ईरान की यह पहली यात्रा है। ईरान का नाम जेहन में आते ही एक ऐसे इस्लामिक देश की छवि उभरती है, जहां नियम-कायदे बहुत सख्त हैं। हालांकि, इस छवि के पीछे काफी हद तक ईरान और अमेरिका के कट्टरपंथी हैं।

इन्होंने ईरान की ऐसी छवि दिखाने की कोशिश की, जो पश्चिमी सभ्यता और आधुनिकता का विरोध करती है। इस्लामिक क्रांति के बाद ईरान में काफी बदलाव आया है, लेकिन फिर भी इस देश की असल तस्वीर इस राजनीतिक दिखावे से काफी अलग है। ईरान में रह रहे लोगों की लाइफस्टाइल उस धारणा से बिल्कुल दूर है, जो यहां के कट्टरपंथियों ने दुनिया को दिखाने की कोशिश की है। बाकी देशों की तरह जुर्म और हिंसा यहां रोजाना की जिंदगी का सच है, लेकिन कुल मिलाकर ईरान एक ऐसा देश है, जो कट्टर परंपरा और आधुनिक संवेदनशीलता के बीच का रास्ता निकालने की कोशिश में लगा है। इस कोशिश का सबसे ज्यादा असर ईरान की सांस्कृतिक और औद्योगिक राजधानी तेहरान में देखने को मिलता है। यहां के लोगों की जिंदगी अन्य देशों के लोगों की ही तरह एकदम सामान्य है, बात चाहे पहनावे की हो या फिर अपने शौक पूरे करने की। महिलाएं और लड़कियां बराबरी में यहां बाहर काम करती दिखाई दे जाएंगी। महिलाओं को जिम से लेकर हुक्का बार और पार्टीज में आसानी से देखा जा सकता है। जाहिर है किसी भी देश के बारे में कोई भी राय वहां की सरकार और वहां के राजनीतिक परिदृश्य को देखकर नहीं बनानी चाहिए।

उतनी बंदिशें नहीं

ईरान के राजनेताओं और मौलाना मौलवियों को टीवी या इंटरनेट पर बोलते देख लगता है कि ईरान में भी और इस्लामिक देशों की तरह हर चीज बैन होगी लेकिन ऐसा नहीं है। यहां हर वो चीज है जो किसी और देश में होती है। शराब, नाईट क्लब, हसीनाएं और आजादी। ईरान में इस्लामिक क्रांति के बाद हालात काफी बदले हैं लेकिन फिर भी ईरान में उतनी बंदिशें नहीं हैं। ईरान की राजधानी तेहरान किसी पश्चिमी देश से कम नहीं है। नाईट क्लब, शराब, जगमगाती लाइट्स सब कुछ है तेहरान में। कभी तेहरान में जाकर देखिये वहां के निगह क्लब,वहां का संगीत और वहां की हसीनाएं देखकर आप पेरिस और लास वेगास को भी भूल जाएंगे। फैशन की दुनिया में भी ईरानी मॉडल्स का काफी नाम है। यह मत सोचिये कि ये मॉडल्स हिजाब पहन कर रैंप पर आती हैं। रैंप पर इनके जलवे ही कुछ और होते हैं।

महिलाओं की लड़ाई

ईरान की महिलाएं न सिर्फ खूबसूरती में सबसे आगे हैं अपितु अपने अधिकारों के लिए लड़ने में भी आगे हैं। क्रांति के बाद महिला राजनीतिज्ञों की संख्या में कमी तो आई है पर आज भी इनका राजनीति में पूरा दखल है। ईरान में महिलाओं को वोट देने का अधिकार भी है और विरोध प्रदर्शन का भी। समय समय पर सरकार के ऊल जुलूल फैसलों पर यहां की महिलाएं अपने अपने तरीके से विरोध प्रदर्शन करती हैं। मिसीह एलीनेजाद ईरानी महिला पत्रकार और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। महिलाओं के अधिकार को ले कर ईरान में इन्होंने एक अलग ही तरह का विद्रोह छेड़ रखा है। 1979 से ईरान में महिलाओं के लिए पब्लिक में हिजाब पहनना अनिवार्य है। इसको न पहनने पर यहां कानूनी कार्रवाई की जाती है। 2009 में ईरान की लगभग 30 लाख महिलाओं पर या तो मुकदमे चलाए गए या जुर्माना लगा। इसे ले कर एक तरह से लोगों में विद्रोह की आग धीरे-धीरे सुलग रही है। लेकिन रूढ़िवादी लोगों की सोच भी इसमें आड़े आ रही है। ईरान में बिना हिजाब के महिलाओं का घूमना एक तरह से अपवाद ही है, लेकिन मिसीह एलीनेजाद जैसी कुछ बहादुर महिलाओं ने इस अपवाद को नकार के रख दिया।

युवाओं में हुक्का

हुक्का वैसे तो बहुत समय से ईरान और अन्य एशियाई देशों में इस्तेमाल किया जाता है। आजकल ईरान में हुक्का यहां के युवा वर्ग की पहली पसंद बन गया है। तेहरान सहित कई अन्य शहरों में आप हुक्का बार में यहां के युवाओं को हुक्के का लुत्फ उठाते देख सकते हैं। ईरान की खूबसूरती किसी के भी दिल को जीत सकती है। इराक, तुर्कमेनिस्तान, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से घिरा हुआ ये देश इरान आए-दिन सुर्खियों में बना रहता है। पर अगर आप इस बड़े से देश की सुंदरता पर गौर करें, तो ये आपका दिल जीतने के लिए काफी है। टूरिज्म की नजर से इरान किसी के लिए भी एक मस्ट-विजिट नेशन के तौर पर देखा जा सकता है। यहां की प्राचीन इमारतें, मॉडर्न लाइफस्टाइल के बीच भी पुराना-सा अहसास और यहां की संस्कृति, सभी कुछ सुंदर है। इरान युनेस्को के 19 रेजिस्टर्ड साइटों में से एक है। इस देश में 1300 प्रोजेक्ट्स का इंवेस्टमेंट पैकेज हो रखा है। स्कीइंग के लिए इरान का नाम आपके जेहन में नहीं आता होगा।

मधुर संबंधों का इतिहास

ईरान के साथ भारत के संबंध सदैव मधुर रहे हैं। ईरान और भारत का अपना साझा इतिहास भी रहा है। भारत और ईरान दोनों की प्राचीन सभ्यताएं हैं। संयुक्त भारत के विभाजन से पूर्व दोनों पड़ोसी मुल्क थे। ईरान में कई भारतीय परिवार रहते थे जो 1920 से ईरान में बस रहे थे उनमें सबसे बड़ी संख्या सिख और गुजरातियों की थी। वे 1950 से ईरान की राजधानी में आकर बसने लगे। ईरान प्राचीन सिल्क रूट का मार्ग भी है जो योरोप तक जाता है। गुरु नानक देव इसी मार्ग से मक्का गए थे। सिख इस स्थान का बहुत सम्मान करते हैं कहते हैं जब संयुक्त भारत का बंटवारा हुआ सन 1947 में जाह्दान के आसपास रहने वाले पंजाब के बाशिंदे यह नहीं जानते थे हिन्दोस्तान किधर है ईरान की सीमा उनके क्षेत्र से जुडी थी इसलिए वे वहीं बस गए और वहीं के हो गए। कहते हैं ईरान और पाकिस्तान की सीमावर्ती शहर जाह्दान का नाम एक सिख के नाम पर रखा गया था पहले इस शहर का नाम दूजद आब था। जाह्दान एक सूखा क्षेत्र है। एक बार ईरान के शाह दुजद आब प्रदेश गए वहां उन्हें एक नेक दिल सिख को सबके साथ रहते देख कर हैरानी हुई उन्होंने इस प्रदेश का नाम उस सिख के नाम पर रख दिया जिन्हें वहां के बाशिंदे जहेदस पायस कह कर पुकारते थे। अत: प्रदेश का नाम ही जाह्दान हो गया।

हिजाब की पाबंदी

ईरान के शाह मोहम्मद रजा पहलवी, पहलवी डायनेस्टी के आखिरी शाह थे उन्होंने आर्य मिहिर की उपाधि धारण की थी। वे प्रगति शील थे और धार्मिक सम भाव में विश्वास करते थे लेकिन शाह के खिलाफ क्रांति का माहौल बना। काफी खून खराबे के बाद इस्लामिक सरकार सत्ता में आई। अब ईरान में डाक्टरों की जरूरत थी ईराक के साथ युद्ध भी हो रहा था। अत: मुख्यतया भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश से डाक्टर ईरान में काम करने आए। यह नए सिरे से बदलाव का समय था। अचानक वहां सब कुछ बदल गया। सबसे अधिक महिलाओं के अधिकारों का हनन हुआ। वहां की महिलाएं प्रगतिशील थीं उन पर किसी भी तरह की पाबंदी नहीं थी। वे योरोपियन लिबास पहनती थीं अब उनको चादर में अपने आप को लपेटना पड़ा। हिजाब की पाबंदी को विदेशियों पर भी लागू किया गया। ईरानी स्वभाव से मेहमान नवाज हैं। उन्होंने कभी सोचा नहीं था उन्हें ऐसी आजादी मिलेगी सब कुछ बदल जाएगा।

तेहरान में गुरुद्वारा

तेहरान में सिखों का गुरुद्वारा है। यहीं एम्बेसी का स्कूल है। यहां भारतीय बच्चे पढ़ते हैं। ईरान में सात वर्ष का बच्चा स्कूल जाता है। भारतीयों के बच्चों के लिए एम्बेसी के स्कूल के साथ गुरूद्वारे में भी क्लासेस लगती हैं। स्कूल में सीबीएसई का कोर्स पढ़ाया जाता है और परीक्षा रे पेपर भारत से जाते हैं। सिख समुदाय के लोग वहां अपने देश की तरह रहते हैं। इस समय प्रवासियों की चौथी और पांचवी पीढ़ी रहती है लेकिन अभी तक वे भारतीय नागरिक हैं। इससे ईरानियों को मिलने वाले अधिकारों से वे वंचित हैं। वे ईरान की नागरिकता चाहते हैं। वहां प्रवासियों को सम्पत्ति खरीदने का अधिकार नहीं है। व्यापार में भी निवेश करने के लिए ईरानी पार्टनर चाहिए। भारतीय कंपनियां ईरान में कोल, गैस, रेल की पटरियां बिछाने, शिपिंग और खेती बाड़ी के काम में निवेश की इच्छुक हैं जिसके अवसर भी कम नहीं हैं। तेल की कीमतें घटने के बाद ईरान अन्य क्षेत्रों में विकास के अवसर खोज रहा है।

बालों को लहराने के लिए

फिलहाल मिसीह एलीनेजाद अमेरिका में रहती हैं अपने आस-पास महिलाओं को बिना हिजाब के, बिना किसी शिकंजे के और एक आजाद सोच के साथ जीते देखना उन्हें रोमांचित करता है। मिसीह एलीनेजाद ने अपनी बिना हिजाब वाली तस्वीरें फेसबुक पर पोस्ट करनी शुरू कीं। लोग देखते, कमेंट करते। कुछ अच्छे कमेंट करते, तो कुछ अपनी गंदी सोच को भी लिख कर जाहिर करते, लेकिन उन्होंने जवाब देना बंद नहीं किया। एक महिला का ईरान में बाल खुले रखना कानूनी जुर्म है। आज भी कई महिलाएं अपनी आजादी के लिए एक दूसरे का हाथ थामे खड़ी हैं। हिजाब से लोगों को नफरत नहीं लेकिन उसकी अनिवार्यता एक तरह से बंधन बन जाती है। मिसीह एलीनेजाद ने उन लोगों के साथ काफी तस्वीरें खिंचवाई हैं, जो महिलाओं के लिए आजादी के इस आंदोलन को समर्थन कर रहे हैं। इस फेसबुक ग्रुप को कई महिलाओं ने अपना औपचारिक समर्थन भी दिया है। खुली हवा में अपने बालों को लहराते देखना उन्हें काफी अच्छा लगता है।

फिल्म देखने का जुदा अंदाज...

दुनिया के किसी भी कोने में चले जाएं हमें थिएटर यानी की सिनेमा हॉल तो देखने को मिल ही जाएंगे। सिनेमा हॉल में लोग मूवीज देखने जाते हैं लेकिन जिन थिएटर की बात हम कर रहे हैं वहां मूवीज के साथ-साथ लोगों के कंफर्ट का भी खास ध्यान रखा गया है। इन थिएटर के अंदर लोग बोट पर, कार पर, बाथ टब या आरामदायक सोफे पर बैठकर फिल्में देखते हैं।

ग्रीस का ओलिंपिया थिएटर

ग्रीस के ओलिंपिया थिएटर की खास बात यह है कि यहां पर लोग बैठ कर नहीं बल्कि लेटकर फिल्म का लुत्फ उठा सकते हैं। इसकी सीट को आरामदायक बिस्तर का आकार दिया गया है। इस पर लेट कर लोग मूवी का लुत्फ उठा सकते हैं। ओलिंपिया थिएटर का डिजाइन आर्किटेक्ट स्टैवरोस क्रिस्टिडिस ने किया था।

साई-फाई डाइन-इन थिएटर

अमेरिका के ओरलैंडो के साई-फाई डाइन-इन थिएटर में जो कुर्सीयां लगी हैं,वे कार के आकार की हैं। इसमें बैठकर आप न सिर्फ मूवी देख सकते हैं, बल्कि सीट पर ही लंच या डिनर भी ऑर्डर कर सकते हैं।

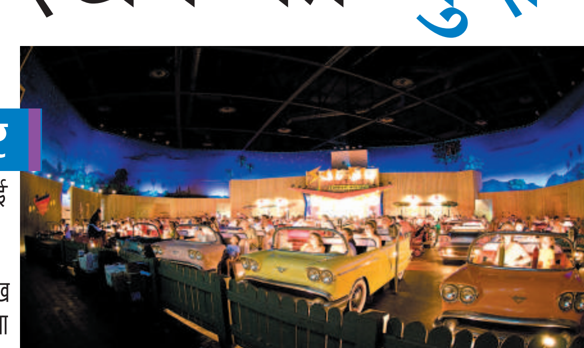

आइनॉक्स थिएटर

वडोदरा का आइनॉक्स थिएटर दर्शकों को आलीशान बिस्तर पर लेटकर फिल्में देखने का मौका मिलता है। इसकी प्रत्येक बिस्तरनुमा सीट पर दो लोग लेटकर फिल्में देख सकते हैं। यह थिएटर गुजरात के वड़ोदरा स्थित रिलायंस मॉल में हैं।

पेरिस का मूवी थिएटर

यह मूवी थिएटर सबसे अलग है। इसमें सिटिंग अरेंजमेंट सबसे अनोखा है क्योंकि इसमें नाव के आकार की सीटें है। मूवी देखने से पहले सभी को चश्मा पहनना होता है।

इलेक्ट्रिक सिनेमा

लंदन के नॉटिंग हिल का इलेक्ट्रिक सिनेमा हॉल अपनी खूबसूरती के कारण दुनिया भर में मशहूर है। इसमें महरून रंग के सोफे लगे हुए है। इनके सामने बहुत ही एटरेक्टीव लैंप लगे हुए हैं।

न्यूपोर्ट अल्ट्रा सिनेमा

न्यूपोर्ट सिटी का न्यूपोर्ट अल्ट्रा सिनेमा 3डी टेक्नोलॉजी पर पूरी तरह आधारित है। इसमें प्राइवेसी का भी पूरा ख्याल रखा जाता है। इस सिनेमा हाल में ज्यादातर कपल्स जाते हैं।

हॉट ट्यूब सिनेमा

लंदन का हॉट ट्यूब सिनेमा घर अपने अनोखें अंदाज के कारण दुनियाभर में मशहूर है। इसमें आरामदायक टब लगे हुए हैं, जो पानी से भरे हुए हैं। यहां आप अपने परिवार या दोस्तों के साथ मूवी देख सकते हैं। यहां मूवी देखते वक्त ड्रिंक्स पर भी कोई पाबंदी नहीं है।

संपादकीय

'रुपए' से ढहती आर्थिकी

भारत में एक डॉलर की कीमत 96.35 रुपए तक पहुंच चुकी है। यह घट-बढ़ भी सकती है, लेकिन व्यापक परिवर्तन संभव नहीं है। यह भारतीय मुद्रा 'रुपए' का सबसे निचले स्तर का अवमूल्यन है। रुपए और डॉलर के इस समीकरण के बाद विश्व में सबसे कमजोर मुद्रा 'रुपया' ही है। यह बेहद चिंताजनक स्थिति है, बेशक भारत विश्व की एक बड़ी अर्थव्यवस्था है। नतीजा यह है कि हमने मार्च, 2026 में जो कच्चा तेल 1.17 लाख करोड़ रुपए में खरीदा था, वही अप्रैल में 1.79 लाख करोड़ रुपए में खरीदना पड़ा है। कच्चे तेल के अलावा, गैस, खाद, इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, खाद्य तेल, दालें, सोना और अन्य आयातित वस्तुएं, सेवाएं हमें महंगी खरीदनी पड़ेंगी। अंततः महंगाई बढ़ती जाएगी और आम आदमी कराहता रहेगा। सिर्फ एक ही बुनियादी कारण है-रुपए का अवमूल्यन। यह स्थिति मोदी सरकार के 12 सालों में लगातार खराब होती गई है। हालांकि 2023 में भारतीय रिजर्व बैंक ने रुपए के कृत्रिम नियंत्रण की कोशिश की थी, लेकिन आज अवमूल्यन का यथार्थ सामने है। लिहाजा 'मूडीज' की ताजा रपट भी चर्चा में है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी ने निष्कर्ष दिया है कि भारत के जीडीपी की विकास दर 0.8 फीसदी कम हो गई है। वित्त वर्ष के अंत में विकास दर करीब 6 फीसदी ही रहने वाली है। सरकार 7-7.5 फीसदी की विकास दर का दावा करती रही है। रिजर्व बैंक ने भी 6.5 फीसदी तक का आकलन देना शुरू कर दिया है। एक आर्थिक बज्रपात यह भी हुआ है कि 2026 के पहले पांच महीनों में ही विदेशी निवेशकों ने 2.2 लाख करोड़ रुपए के शेयर बेच दिए हैं और भारतीय बाजार को अलविदा कह दिया है। हालांकि कुछ नई और छोटी कंपनियों में विदेशियों ने निवेश अब भी मौजूद है, लेकिन वे अर्थव्यवस्था को अपेक्षित प्रभावित नहीं करते। ऐसे निवेशकों ने जापान, दक्षिण कोरिया और अमरीका की कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की कंपनियों में निवेश करना बेहतर समझा है। अप्रैल में 60,900 करोड़ रुपए और मई में अभी तक 1.22 लाख करोड़ रुपए विदेशी निवेशक हमारे बाजार से निकाल चुके हैं। नतीजतन भारत को विदेशी मुद्रा का भी नुकसान झेलना पड़ेगा। जो आर्थिक उथल-पुथल हम देख रहे हैं, वह पूर्णतः ईरान युद्ध के नतीजतन नहीं है। युद्ध ने तेल, गैस, खाद समेत विश्व की बुनियादी सप्लाई चेन को तोड़ कर रख दिया है। इसी दौरान भारत-संयुक्त अरब अमीरात में समझौता हुआ है कि अरब देश हमारे यहां 5 अरब डॉलर का निवेश करेगा और 3 करोड़ बैरल कच्चे तेल का भंडारण तैयार करेगा, जिसका इस्तेमाल भारत भी आपातस्थिति में कर सकेगा। इसमें समय लगेगा, क्योंकि अभी खुद अरब देश ईरान के मिसाइल-ड्रोन हमले झेलने को विवश है। बहरहाल भारत के संदर्भ में 'रुपए' का अवमूल्यन बहुत बड़ा प्रभाव है, क्योंकि भारत 147 करोड़ से अधिक की आबादी और घोर आर्थिक, सामाजिक असमानताओं का देश है, लिहाजा यह तेल-गैस का ही नहीं, बल्कि आम भारतीय की आजीविका का भी 'आपातकाल' है। भारतीय अर्थव्यवस्था में चालू खाता घाटा वित्त वर्ष 2026-27 में जीडीपी के 2.3 फीसदी तक पहुंच सकता है, जबकि बीते 2025-26 में यह 0.9 फीसदी बताया जा रहा है। यह संकट प्रधानमंत्री मोदी की अपील, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों के मेट्रो में सफर करने या ई-रिक्शा, विद्युत बस में दफ्तर जाने अथवा पैदल चलने और अंततः बचत करने से ही दूर नहीं होगा। यदि 'रुपए' के अवमूल्यन से भारत चौथी अर्थव्यवस्था से फिसल कर छठी अर्थव्यवस्था पर आ सकता है, तो 7-8वां स्थान बहुत दूर नहीं है। फ्रांस जैसे विकसित देश की चुनौती सामने है। अर्थशास्त्रियों का सवाल है कि हम डॉलर में तेल क्यों खरीद रहे हैं? यदि सरकार के पास पैसा है, तो सबसिडी दे दें और तेल-गैस सस्ते में बेचें। बहरहाल यह भी विचार हो सकता है, लेकिन एक और आयाम सामने आया है। भारत में रेलवे, रक्षा, पोर्ट ट्रस्ट, सार्वजनिक उपक्रमों के पास 20-25 हजार वर्ग किलोमीटर जमीनें हैं। उन्हें आंशिक तौर पर बेचा या दीर्घकालिक लीज पर दिया जा सकता है। जमीन का यथोचित हिस्सा सुरक्षा और आपातस्थिति के लिए छोडने के बाद भी करीब 16-17 लाख करोड़ रुपए आ सकते हैं।

> रुपए और डॉलर के इस समीकरण के बाद विश्व में सबसे कमजोर मुद्रा 'रुपया' ही है। यह बेहद चिंताजनक स्थिति है, बेशक भारत विश्व की एक बड़ी अर्थव्यवस्था है। नतीजा यह है कि हमने मार्च, 2026 में जो कच्चा तेल 1.17 लाख करोड़ रुपए में खरीदा था, वही अप्रैल में 1.79 लाख करोड़ रुपए में खरीदना पड़ा है। कच्चे तेल के अलावा, गैस, खाद, इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, खाद्य तेल, दालें, सोना और अन्य आयातित वस्तुएं, सेवाएं हमें महंगी खरीदनी पड़ेंगी। अंततः महंगाई बढ़ती जाएगी और आम आदमी कराहता रहेगा। सिर्फ एक ही बुनियादी कारण है-रुपए का अवमूल्यन। यह स्थिति मोदी सरकार के 12 सालों में लगातार खराब होती गई है। हालांकि 2023 में भारतीय रिजर्व बैंक ने रुपए के कृत्रिम नियंत्रण की कोशिश की थी, लेकिन आज अवमूल्यन का यथार्थ सामने है। लिहाजा 'मूडीज' की ताजा रपट भी चर्चा में है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी ने निष्कर्ष दिया है कि भारत के जीडीपी की विकास दर 0.8 फीसदी कम हो गई है। वित्त वर्ष के अंत में विकास दर करीब 6 फीसदी ही रहने वाली है।

पश्चिम बंगाल में बीजेपी की बढ़त के लिए ममता को खुलेआम जिम्मेदार ठहराना एक तरह से तृणमूल की ताबूत का कील ही साबित हुआ

फिर कैसे मिले सुर मेरा-तुम्हारा

उमेश चतुर्वेदी

> बंगाल की शेरनी कही जाने वाली ममता बनर्जी की हार ने विपक्षी खेमे के उन दलों के माथे पर पसीने की बूंदें उभर आई हैं, जो इन चुनावों से बेपरवाह थे। केरल की गठबंधन सरकार में वापसी की वजह से कांग्रेस थोड़ी राहत में भले ही हो, लेकिन ज्यादातर क्षेत्रीय दलों को अपने अस्तित्व पर खतरा नजर आने लगा है। तमिलनाडु में सत्ता की चाहत में विपक्षी गठबंधन टूट भी चुका है। कांग्रेस के हाथ ने डीएमके का बरसों पुराना साथ छोड़ नवेली टीवीके का दामन थाम लिया है। दूसरी तरफ धांधली का आरोप लगाने के साथ ही ममता बनर्जी को विपक्षी एकता, खासकर इंडिया ब्लॉक की याद आने लगी है। अब उन्हें विपक्षी एकता मजबूत करने की याद भी आने लगी है। दिलचस्प यह है कि अतीत में इंडिया ब्लॉक की एकता से बेपरवाह रहीं ममता को अब उसी की बहुत याद आने लगी है। वैसे विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस की ओर से भी कम गलतियां नहीं हुई हैं।

विधानसभा चुनावों में बड़े विपक्षी चेहरों की बड़ी नाकामी से विपक्षी खेमे में खलबली मच गई है। बंगाल की शेरनी कही जाने वाली ममता बनर्जी की हार ने विपक्षी खेमे के उन दलों के माथे पर पसीने की बूंदें उभर आई हैं, जो इन चुनावों से बेपरवाह थे। केरल की गठबंधन सरकार में वापसी की वजह से कांग्रेस थोड़ी राहत में भले ही हो, लेकिन ज्यादातर क्षेत्रीय दलों को अपने अस्तित्व पर खतरा नजर आने लगा है। तमिलनाडु में सत्ता की चाहत में विपक्षी गठबंधन टूट भी चुका है। कांग्रेस के हाथ ने डीएमके का बरसों पुराना साथ छोड़ नवेली टीवीके का दामन थाम लिया है। दूसरी तरफ धांधली का आरोप लगाने के साथ ही ममता बनर्जी को विपक्षी एकता, खासकर इंडिया ब्लॉक की याद आने लगी है। अब उन्हें विपक्षी एकता मजबूत करने की याद भी आने लगी हैं। दिलचस्प यह है कि अतीत में इंडिया ब्लॉक की एकता से बेपरवाह रहीं ममता को अब उसी की बहुत याद आने लगी है। वैसे विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस की ओर से भी कम गलतियां नहीं हुई हैं। राहुल गांधी का पश्चिम बंगाल में बीजेपी की बढ़त के लिए ममता को खुलेआम जिम्मेदार ठहराना एक तरह से तृणमूल की ताबूत का कील ही साबित हुआ। ऐसे में यह सवाल उठना लाजमी है कि विपक्षी एकता का विचार सिरे से परवान चढ़ सकता है ? अतीत में एकता को लेकर जिस तरह विपक्षी खेमे में एक-दूसरे को शह और मात देने का खेल चला है, उससे क्या मुकम्मल एकता की उम्मीद बचती है? 2024 के आम चुनावों के पहले विपक्षी राजनीति को एक मंच पर लाने और भाजपा विरोधी मोर्चा बनाने की कोशिश तो हुई, लेकिन आपसी टकराव और वर्चस्व के चलते यह हकीकत नहीं बन पाया। 23 जून 2023 को पटना में बिहार के तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अगुआई में विपक्षी क्षत्रपों की बैठक में इंडिया ब्लॉक बनाने का फैसला तो हुआ, लेकिन नेतृत्व के मुद्दे पर एक राय नहीं बन पाई। नीतीश कुमार ने खुलकर भले ही कभी नहीं कहा, लेकिन उनकी चाहत थी कि विपक्षी गठबंधन का संयोजक उन्हें बनाया जाय। लेकिन कांग्रेसी आलाकमान की वजह से ऐसा नहीं हो पाया। दरअसल कांग्रेस विपक्षी राजनीति की लगाम खुद के हाथ में ही रखना चाहती है। नीतीश कुमार, ममता बनर्जी, अखिलेश यादव और एमके स्टालिन का साथ तो उसे चाहिए, लेकिन इनमें से किसी का भी नेतृत्व उसे गवारा नहीं। अपने पहले परिवार की पूरी स्वीकार्यता भले ही ना हो, लेकिन अगुआई कांग्रेस को ही चाहिए। यही वजह है कि विपक्षी राजनीति के सबसे ज्यादा स्वीकार्य चेहरा रहे नीतीश कुमार ने निराशा में उसी मोदी का हाथ थाम लिया, जिनसे वे दूर हो चुके थे। इसके बाद का इतिहास सबको पता है। ममता को राजनीति में पहला बड़ा ब्रेक बेशक राजीव गांधी ने दिया, लेकिन वाममोर्चा के साथ राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेसी सहयोग ने उन्हें बाद के दिनों में गांधी-नेहरू परिवार से दूर कर दिया। हालिया हार के

बावजूद अपनी संघर्षशीलता के चलते ममता विपक्षी राजनीति का अब भी बड़ा चेहरा हैं। उनकी अपनी छवि अक्सर राहुल गांधी पर भी भारी पड़ती है। इंडिया ब्लॉक के विचार के वक्त पूर्व कांग्रेसी होने के नाते ममता को पता था कि कांग्रेस अपने हाथ में नेतृत्व बनाए रखने के लिए हर मुमकिन कोशिश करेगी, इसीलिए उन्होंने ही नीतीश कुमार और लालू यादव को पहली बैठक पटना में कराने का सुझाव दिया था। बाद के दिनों में कांग्रेस ने जैसी चाल चली, उससे विपक्षी एकता का राग बेसुरा हो गया। जिसका नतीजा लोकसभा चुनाव नतीजों में दिखा भी। विपक्ष को उसी वक्त चेतना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। असर यह हुआ कि हरियाणा, महाराष्ट्र और बिहार के चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने बाजी मार ली। बाकी कसर बीते विधानसभा चुनावों ने पूरी कर दी है। गौर करने की बात है कि जब भी सत्ता पक्ष के उफान में विपक्ष बह जाता है, उसकी एकता की छटपटाहट बढ़ जाती है। ज्यादातर यह अस्त्तित्व संकट टालने का यह फौरी उपाय होता है। तब वह हार के बाद वोटों के गुणा-गणित में जुट जाता है। फिर उसे इलहाम होता है कि अगर वह एक रहता तो वह भारी पड़ता। 1962 के आम चुनावों में नेहरू को फूलपुर की सीट पर सीधी चुनौती में हार मिलने के बाद लोहिया को भी कुछ ऐसा ही लगा। तब भारी उत्सुकता और उत्साह के बावजूद लोहिया हार गए थे। इसके बाद उन्होंने गैर कांग्रेसवाद का विचार दिया। तब कांग्रेस को 44 प्रतिशत से कुछ ज्यादा वोट मिले थे। लोहिया को लगा कि विरोध में पड़े 56 प्रतिशत वोटों को अगर एक किया जाता तो नतीजे कुछ और होते। गैर कांग्रेसवाद के बैनर के तले उन्होंने 1963 के उपचुनावों और 1967 के आम चुनावों में इसे आजमाया। इसका असर यह हुआ कि आठ राज्यों से कांग्रेस की विदाई हो गई। तब से सत्ता में आने वाली पार्टी के खिलाफ बाकी विपक्ष की एकता के सुर उठने की परंपरा बन गई है। कभी यह कांग्रेस के खिलाफ होता था, जिसमें वाममोर्चा और जनसंघ- बीजेपी भी शामिल रहते थे, अब यह भाजपा के खिलाफ हो रहा है। प. बगाल के बीते विधानसभा चुनाव में ममता को जहां करीब 42 प्रतिशत वोट मिला है, वहीं बीजेपी को करीब 46 प्रतिशत। कांग्रेस को 2.97 और वाममोर्चे को 4.45 प्रतिशत वोट मिले हैं। गैर बीजेपी वोटों को मिला दें तो यह आंकड़ा 49 प्रतिशत से ज्यादा हो जाता है। चुनावी राजनीति में सात प्रतिशत का अंतर बड़ा होता है। अब विपक्षी खेमे को लग रहा है कि अगर वे एक होते तो बीजेपी को ऐसी जीत नहीं मिलती। वैसे चुनावी गणित सामान्य गणित की तरह नहीं होता। 2018 के विधानसभा चुनाव में मध्य प्रदेश में कांग्रेस से बीजेपी को पांच लाख से ज्यादा वोट मिले थे, लेकिन सीटों के मामले में वह पिछड़ गई थी। चुनावी मैदान में जब सिर्फ दो खेमे होते हैं, तब मतदाताओं के बीच लंबवत ध्रुवीकरण हो जाता है। तब बिखराव वाले आंकड़े भी बदल जाते हैं। 2014 के संसदीय चुनाव में उत्तर प्रदेश में ऐसा साफ दिखा, जब बीजेपी सब पर भारी रही। संसदीय चुनाव में सफलता के लिहाज से देखें तो कांग्रेस की 99 सीटों के बाद 37 सीटों के साथ समाजवादी पार्टी विपक्ष का दूसरा बड़ा दल है। तीसरे नंबर पर 29 सीटों के साथ ममता ही हैं। इंडिया ब्लॉक की पहली बैठक के पीछे ममता का भी विचार था, फिर भी ना तो लोकसभा और ना ही विधानसभा चुनाव में उन्होंने कांग्रेस या ब्लॉक के दूसरे दलों को तवज्जो दिया। तमिलनाडु में डीएमके के साथ कांग्रेस की खींचतान जारी रही। विपक्ष के किसी भी दल ने एकता की कीमत पर त्याग स्वीकार नहीं किया। विपक्षी खेमे का संकट यह है कि वह अपने प्रभाव वाले क्षेत्रों में सहयोगियों से हिस्सेदारी बांटना ही नहीं चाहता। मजबूत एकता के लिए विपक्ष के पास राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य साफ छवि वाला चेहरा होना जरूरी है। लेकिन विपक्ष के पास ऐसा चेहरा है भी नहीं। ममता बड़ी नेता तो हैं, लेकिन उनकी तुनकमिजाजी उन्हें सर्वमान्य चेहरा मानने के राह की बड़ी बाधा है। राहुल मोदी-शाह की जोड़ी को चाहे जिस अंदाज में चुनौती दें, मोदी विरोधी बौद्धिकों को उनका यह अंदाज चाहे जितना भी पसंद हो, लेकिन आमजन को उनमें कई बार बचकानापन नजर आता है तो कई मर्तबा प्रहसन। स्टालिन चाहे जितनी अच्छी तमिल बोलें, लेकिन राष्ट्रीय स्तर स्वीकार्यता के लिए वे अयोग्य हैं। इसी तरह केजरीवाल के पास बड़ा आधार नहीं है। रही बात अखिलेश यादव की तो, वे भी जमीनी राजनीति के बजाय बयानों के गुब्बारे उड़ाने के उस्ताद होते गए हैं। आपसी अहं के टकराव के चलते नीतीश विपक्षी खेमा छोड़ चुके हैं। दूसरी बड़ी नेता ममता को चुनावी मैदान में करारी शिकस्त मिल गई है। अखिलेश को भी अगले साल उत्तर प्रदेश के सियासी मैदान में बीजेपी से दो-दो हाथ करना है। बीजेपी की कोशिश उन्हें तीसरी बार शिकस्त देने की होगी। अगर वह ऐसा करने में कामयाब रही तो उसके सामने दूर-दूर तक कोई चुनौती नहीं होगी। ऐसे में विपक्षी खेमा का संकट बड़ा है। अतीत के विपक्षी व्यवहार से नहीं लगता कि शायद ही भविष्य में कोई मजबूत मोर्चा बन सके। खुलकर विपक्षी खेमा भले ही ना कहे, लेकिन अंदर ही अंदर वह जरूर गुनगुना रहा है।

समय बोध

भारत नॉर्डिक समिट से वैश्विक साझेदारी के नए युग की शुरुआत

नरेंद्र मोदी की नॉर्वे यात्रा और तीसरे भारत-नॉर्डिक समिट ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत अब केवल दक्षिण एशिया की शक्ति नहीं बल्कि वैश्विक राजनीति अर्थव्यवस्था और तकनीकी सहयोग का एक महत्वपूर्ण केंद्र बन चुका है। नॉर्वे डेनमार्क फिनलैंड आइसलैंड और स्वीडन जैसे विकसित तथा तकनीकी रूप से अग्रणी देशों के साथ भारत की बढ़ती निकटता आने वाले समय में विश्व राजनीति और वैश्विक अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे सकती है। यह समिट केवल औपचारिक बैठक नहीं थी बल्कि बदलती विश्व व्यवस्था में समान विचारधारा वाले लोकतांत्रिक देशों के बीच रणनीतिक सहयोग का मजबूत संकेत भी था। भारत और नॉर्डिक देशों के संबंध पिछले कुछ वर्षों में तेजी से मजबूत हुए हैं। इन देशों की पहचान स्वच्छ ऊर्जा आधुनिक तकनीक मानव विकास नवाचार और सामाजिक कल्याण के मॉडल के रूप में होती है। दूसरी ओर भारत विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक शक्ति तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था विशाल बाजार और युवा जनसंख्या वाला देश है। ऐसे में दोनों पक्षों के हित एक दूसरे के पूरक बनते दिखाई देते हैं। यही कारण है कि इस समिट में व्यापार डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर कृत्रिम बुद्धिमत्ता अंतरिक्ष विज्ञान ब्लू इकॉनमी और क्लीन एनर्जी जैसे क्षेत्रों में व्यापक सहयोग पर सहमति बनी। प्रधानमंत्री मोदी ने समिट के दौरान लोकतंत्र कानून के शासन और बहुपक्षवाद को भारत और नॉर्डिक देशों की साझी ताकत बताया।

देश दुनिया से

नीट परीक्षा : छात्रों का क्या कसूर?

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने 3 मई 2026 को आयोजित हुई नीट यूजी परीक्षा को कथित पेपर लीक और परीक्षा में गड़बड़ी के कारण पूरी तरह रद्द कर दिया है। यूं तो इस कांड ने पूरे देश के शिक्षा जगत को हिला दिया है, इस पूरे मामले को केंद्र सरकार ने भी गंभीरता से लिया है। इसलिए अब इस गड़बड़ी की पूरी जांच सीबीआई को सौंपी गई है। इस जांच में रोज नए तथ्य उजागर हो रहे हैं। नीट-यूजी भारत की एकमात्र एकीकृत मेडिकल प्रवेश परीक्षा है, जो देशभर में स्नातक मेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश तय करती है। पहले होने वाली कई राज्य स्तरीय मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं की जगह इस मानकीकृत परीक्षा ने ले ली थी, जो सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मान्य है। साल 2024 में भी यह परीक्षा पेपर लीक और ग्रेस मार्क्स देने में अनियमितताओं के आरोपों में घिरी रही थी, जिसके बाद हजारों अभ्यर्थियों को असामान्य रूप से अधिक नंबर मिलने पर देशभर में विरोध प्रदर्शन हुए थे। एनटीए से पहले केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) मेडिकल के लिए नीट और इंजीनियरिंग के लिए जेईई जैसी परीक्षाएं आयोजित करता था, जबकि राज्य बोर्ड और विश्वविद्यालय अपनी अलग प्रवेश परीक्षाएं कराते थे। एनटीए की स्थापना नवंबर 2017 में भारत की उच्च शिक्षा प्रवेश परीक्षा व्यवस्था में सख्ती, मानकीकरण और विश्वसनीयता लाने और स्टूडेंट्स को कई परीक्षाओं के बोझ से राहत देने के उद्देश्य से की गई थी। यह एजेंसी 15 से अधिक परीक्षाएं आयोजित कराती है। लेकिन एनटीए लगातार समस्याओं से घिरी रही है और उस पर पारदर्शिता और सार्वजनिक जवाबदेही की कमी के आरोप लगे हैं। इस पर एक बड़े मंथन की जरूरत है। साल 2024 में प्रशासन को 'परीक्षा की शुद्धता प्रभावित होने' का हवाला देते हुए यूजीसी-नेट परीक्षा भी पूरी तरह रद्द करनी पड़ी थी। इसी दौरान पेपर लीक के आरोप भी सामने आए। शिक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि प्रवेश परीक्षा के आयोजन में सबसे बड़ी समस्या परीक्षा केंद्रों, निरीक्षकों और कर्मचारियों के लिए आउटसोर्सिंग पर

एजेंसी की भारी निर्भरता है, क्योंकि प्रवेश परीक्षा का आयोजन करने वाली एजेंसी अपने परीक्षा ढांचे के बड़े हिस्से पर सीधे नियंत्रण नहीं रखती, जिससे कमजोरियां पैदा होती हैं। इसमें सुधार किया जाना चाहिए। आज तो इंजीनियरिंग की जेईई जैसी परीक्षाएं अब ऑनलाइन हो चुकी हैं और कई शिफ्टों में आयोजित होती हैं, जबकि इसके उलट नीट अब भी पारंपरिक पेन-और- पेपर परीक्षा है। इससे भारी लॉजिस्टिक चुनौती पैदा होती है। हजारों प्रश्नपत्र सुरक्षित वाहनों से देशभर के लगभग सैंकड़ों परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने पड़ते हैं, जिससे पूरी परिवहन श्रृंखला सुरक्षा उल्लंघन के लिए संवेदनशील हो जाती है। एनटीए के सामने तो आज भी लॉजिस्टिक चुनौतियां बनी हुई हैं। इस सिस्टम को सुधारना होगा। दुनिया में शायद ही कहीं और लाखों स्टूडेंट्स की पेन और पेपर से परीक्षा एक ही दिन, एक ही शिफ्ट में कराई जाती है। सुनते हैं कि नीट जैसी परीक्षा के लिए करीब 5500 केंद्रों और 550 शहरों में दो लाख से अधिक वॉलंटियर्स, वेंडर्स और अधिकारी शामिल होते हैं। इतने बड़े पैमाने पर परीक्षा कराने से खामियों की संभावना बढ़ जाती है। विशेषज्ञों का कहना है कि नीट अब भी पेन और पेपर से इसलिए होता है ताकि सभी आर्थिक और भौगोलिक पृष्ठभूमि के छात्रों को समान अवसर मिले, क्योंकि कंप्यूटर गरीब या ग्रामीण छात्रों के लिए आसानी से उपलब्ध नहीं हो सकते। लेकिन इस तर्क पर अब सवाल उठ रहे हैं। पूर्व इसरो अध्यक्ष के. राधाकृष्णन की अध्यक्षता वाले सात सदस्यीय पैनल ने पेन और पेपर से होने वाली परीक्षा से कंप्यूटर आधारित परीक्षा की ओर धीरे-धीरे बढने की सिफारिश की थी। इस परीक्षा की प्रक्रिया में सुधार सुझाने के लिए बनी इस कमेटी ने एनटीए के पुनर्गठन और एक सुरक्षित परीक्षा प्रशासन तंत्र निर्मित करने के लिए राज्य और जिला प्राधिकारियों के साथ एक मजबूत संस्थागत जुड़ाव बनाने की सिफारिश की थी। इनके अलावा उसने बहु-चरणीय परीक्षा, कागज और कंप्यूटर के हाइब्रिड इस्तेमाल और सेंध व कदाचार रोकने के उपायों की श्रृंखला की भी सिफारिश की, इस पर काम किया जाना जरूरी है। सवाल यह भी है कि क्या कंप्यूटर आधारित परीक्षा ग्रामीण छात्रों के साथ अन्याय करेगी। कुछ शिक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि केंद्रीकृत परीक्षा प्रणाली एक त्रुटिपूर्ण मॉडल है। यह सत्य है कि एक इज्जत के सवाल वाली नीट जैसी परीक्षा भारत के विशाल और महंगे कोचिंग उद्योग के पक्ष में माहौल बना देती है और उन छात्रों को नुकसान पहुंचाती है जो इसका खर्च नहीं उठा सकते। ऐसी प्रवेश परीक्षा उन छात्रों के खिलाफ काम करती है जो कोचिंग का खर्च नहीं उठा सकते। आज सबसे बड़ा सवाल अब सिर्फ प्रवेश परीक्षा पर नहीं, बल्कि इसको संचालित करने वाले सिस्टम की विश्वसनीयता पर खड़ा हो गया है। क्यों न छात्रों के भविष्य को एक ही प्रवेश परीक्षा पर निर्भर रहने से दूर किया जाए? स्कूल परीक्षाओं के प्रदर्शन का भी क्या महत्व नहीं है? केंद्रीकृत परीक्षाएं उन बच्चों को फायदा देती हैं जो कोचिंग का खर्च उठा सकते हैं और हजारों गरीब और मेधावी छात्र संसाधनों की कमी के कारण डाक्टर बनने से रह जाते हैं। हमें इस बात पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। वैसे तो एनटीए का अस्तित्व सार्थक है, लेकिन उसकी परीक्षा प्रक्रियाओं में तत्काल सुधार की जरूरत है।

आप का नज़रिया

शहरों को क्या मिलेगा

हिमाचल की राजनीति में नगर निगम चुनाव एक इबारत की तरह दर्ज हुए हैं, जहां पार्टियों ने शक्ति का प्रदर्शन किया। आश्चर्य यह कि जब स्थानीय मुद्दे ढीले पड़े तो सत्ता बनाम विपक्ष हो गया। सारी तोहमतें अगर नगर निगमों के सिंहासन पर फूटीं, तो अगले साल विधानसभा चुनाव के मुद्दे क्या होंगे। नगर निगम चुनावों की जेब में हालांकि कुछ बेहतरीन संकल्प पत्र आए, लेकिन सबसे अहम रहा इनके विस्तार और इनके डिकंजेशन को लेकर अगर कहीं सोचा गया। ताज्जुब यह भी कि यह चुनाव या तो निगम क्षेत्रों में शामिल किए गए गांवों को बाहर निकालने तक पहुंच गया या कहीं टीसीपी कानून को न्यस्त करने का बन गया। यानी दिल से हम कुछ और हैं और नजर हम कुछ और आना चाहते हैं। मंडी नगर निगम के वार्ड नंबर 14 यानी बैहना ने पूरी चुनाव प्रक्रिया का बहिष्कार करके यह साबित कर दिया कि नागरिक समाज 'घोषित शहरी' नहीं होना चाहता। भले ही गांव का कूड़ेदान भर कर परेशान कर रहा है, लेकिन शहरी जीवन की मर्यादा खंडित रहे। यहां व्याख्या गांव की करके 'शहरी लोग' निरंकुश बने रहना चाहते हैं या राजनीति इसकी मदद करती है। पूरे हिमाचल में हजारों एकड़ जमीन पर खेतीबाड़ी नहीं हो रही। गांव की अर्थव्यवस्था चौपट है और लोग किसी भी तरह की नौकरी के लिए दौड़ रहे हैं, फिर भी यह ताना-बाना यही चाहता है कि या तो बीपीएल में दिन गुजर जाए या गांव की रूपरेखा में लाभ की फसल कट जाए। हिमाचल का शहरीकरण उस मानसिकता में है जो हर सडक़ के किनारे व्यापारी परिसर खड़ा करना चाहती है या घर को आलीशान सुविधाओं के तरीके से चलाना चाहती है। एक और पैटर्न बढ़ते कचरे में देखा जा सकता है, जो गांव की खड्ड तक को परेशान कर रहा। ऐसे में शहर अब ऐसी आर्थिकी का निवेश कर रहे हैं, जो आसपास के दर्जनों गांवों को जोडक़र एक सेतु बना रही है। टीसीपी कानून की मूल आत्मा भी यही कहती है कि शहरी परिदृश्य से जुड़े गांव भी शहरी योजना-परियोजना के दायरे में विकसित हों। अगर नगर निगमों के मर्ज एरिया बाहर करने का आश्वासन चुनाव करते रहे हैं, तो यह शहरी उत्थान के अनेकों दावों का चीरहरण ही करेगा। आज की तारीख में परवाणू से सोलन तक शहरीकरण के कई पड़ाव दिखाई देते हैं, तो इनको संबोधित करने के लिए विकास प्राधिकरण की स्वतंत्र इकाई चाहिए। भुंतर-कुल्लू से मनाली, मंडी-नेरचौक से सुंदरनगर, नादौन-हमीरपुर-भोटा, धर्मशाला-गगल-कांगड़ा या धर्मशाला-चामुंडा-पालमपुर के लिए विकास प्राधिकरण गठित करके गांव और शहर के विकासात्मक रिश्ते सुदृढ़ होंगे। हिमाचल की शहरी तस्वीर को ट्रैफिक जाम या पार्किंग की मजबूरियां खराब कर रही हैं। वाहन पंजीकरण की ऐसी पॉलिसी होनी चाहिए ताकि वही गाड़ी शहर में दौड़े, जिसके मालिक के पास माकूल पार्किंग सुविधा हो। इसके लिए यह भी जरूरी है कि शहर में सार्वजनिक परिवहन की व्यवस्था को नए सिरे से पढ़ा जाए। हिमाचल में दो या दो से अधिक शहरों के क्लस्टर बना कर स्थानीय परिवहन के मायने बदलने होंगे। स्मार्ट सिटी परियोजनाओं के तहत इलेक्ट्रिक वाहन खरीदे तो गए, लेकिन एचआरटीसी ने इनके संचालन में अपने रूट ही बचाए, जबकि इन बसों से शहरी परिवहन का संचालन निजी वाहनों से निजात दिला सकता था। कहना न होगा कि चुनाव गुजरने के बावजूद हमारे राजनीतिक दल यह आश्वासन नहीं दे पाए कि उन्होंने शहरों में बेहतर जीवन देने के लिए लड़े। राजनीति बनाम राजनीति में शहर को क्या मिला, यह आने वाले वक्त में पता चलेगा।

> आश्चर्य यह कि जब स्थानीय मुद्दे ढीले पड़े तो सत्ता बनाम विपक्ष हो गया। सारी तोहमतें अगर नगर निगमों के सिंहासन पर फूटीं, तो अगले साल विधानसभा चुनाव के मुद्दे क्या होंगे। नगर निगम चुनावों की जेब में हालांकि कुछ बेहतरीन संकल्प पत्र आए, लेकिन सबसे अहम रहा इनके विस्तार और इनके डिकंजेशन को लेकर अगर कहीं सोचा गया। ताज्जुब यह भी कि यह चुनाव या तो निगम क्षेत्रों में शामिल किए गए गांवों को बाहर निकालने तक पहुंच गया या कहीं टीसीपी कानून को न्यस्त करने का बन गया। यानी दिल से हम कुछ और हैं और नजर हम कुछ और आना चाहते हैं। मंडी नगर निगम के वार्ड नंबर 14 यानी बैहना ने पूरी चुनाव प्रक्रिया का बहिष्कार करके यह साबित कर दिया कि नागरिक समाज 'घोषित शहरी' नहीं होना चाहता। भले ही गांव का कूड़ेदान भर कर परेशान कर रहा है, लेकिन शहरी जीवन की मर्यादा खंडित रहे। यहां व्याख्या गांव की करके 'शहरी लोग' निरंकुश बने रहना चाहते हैं या राजनीति इसकी मदद करती है। पूरे हिमाचल में हजारों एकड़ जमीन पर खेतीबाड़ी नहीं हो रही। गांव की अर्थव्यवस्था चौपट है और लोग किसी भी तरह की नौकरी के लिए दौड़ रहे हैं, फिर भी यह ताना-बाना यही चाहता है कि या तो बीपीएल में दिन गुजर जाए या गांव की रूपरेखा में लाभ की फसल कट जाए। हिमाचल का शहरीकरण उस मानसिकता में है जो हर सडक़ के किनारे व्यापारी परिसर खड़ा करना चाहती है या घर को आलीशान सुविधाओं के तरीके से चलाना चाहती है।

दृष्टि कोण

आवारा कुत्तों की भयावह समस्या पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला- लेकिन जिम्मेदारी तय किए बिना कैसे बनेगी बात?

देश की सर्वोच्च अदालत ने आवारा कुत्तों की नसबंदी और दूसरी जगह भेजने के अपने पहले के आदेश को वापस लेने के लिए दायर की गई सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने डॉग लवर्स की याचिकाओं को खारिज करते हुए कहा कि यह अदालत देश भर में कुत्ता काटने की घटनाओं की अनदेखी नहीं कर सकती है। इसका सबसे ज्यादा शिकार बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सख्त शब्दों में अपने पहले के आदेश की फिर से याद दिलाते हुए कहा कि सड़क के कुत्तों पर 7 नवंबर, 2025 को दिया गया उनका आदेश ही लागू होगा। इन आदेशों को लागू करने वाले अधिकारियों को कानूनी सुरक्षा दी जाए और जो अधिकारी इनका पालन न करे, उन पर विभागीय और अवमानना की कार्यवाही की जा सकती है। लेकिन क्या इससे देश के आम नागरिकों को खुश होना चाहिए? क्या इससे देश में आवारा कुत्तों से परेशान लोगों - खासकर बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को राहत मिल पाएगी? यह इतना भी आसान नहीं है। जब तक किसी खास अधिकारी की जिम्मेदारी तय नहीं की जाएगी तब तक इस समस्या का निदान नहीं हो सकता है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बावजूद व्यवहारिक स्थिति तो यही है कि ज्यादातर राज्य सरकारें और जिला प्रशासन इसे गंभीरता से लेती नज़र नहीं आ रही है। इसलिए इस आदेश को लागू करने के लिए हर जिले में जिलाधिकारी यानी सीधे DM को ही जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के नवंबर में दिए गए आदेश के 6 महीने बीत जाने के बावजूद हालत यह है कि देश की राजधानी दिल्ली का नगर निगम - MCD कुत्तों को रखने के लिए एक डॉग सेंटर तक तैयार नहीं कर पाई है। देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश की सरकार ने यह आदेश जारी कर दिया है कि जो कुत्ता एक से अधिक बार लोगों को काट चुका हो, उसे सार्वजनिक स्थानों पर नहीं छोड़ा जाएगा लेकिन दिल्ली से सटे गाजियाबाद समेत राज्य के कई जिलों में भी अभी भी जरूरी डॉग सेंटर का निर्माण फाइल्स में ही अटका पड़ा है। क्या इस तरह की लापरवाही और लेट-लतीफी

के लिए जिलों के DM को जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए? समय आ गया है कि हर जिले, हर राज्य और सबसे ऊपर सीधे सुप्रीम कोर्ट को अपनी निगरानी में एक टोल फ्री नंबर जारी करना चाहिए जिस पर कॉल करने वाले हर व्यक्ति को तुरंत उनकी शिकायत का एक नंबर भी अलॉट कर देना चाहिए। अगर सुप्रीम कोर्ट चाहे तो टोल फ्री नंबर पर बैठने वाले अदालत के स्टॉफ का खर्चा भी लोगों से ले सकता है और इसके लिए प्रति कॉल 3 से 5 रुपए की राशि भी फिक्स की जा सकती है लेकिन हर कॉल का उचित फॉलोअप सुनिश्चित करना बहुत जरूरी है। इस काम को युद्धस्तर पर करने की जरूरत है क्योंकि भारत में आवारा कुत्तों के काटने की समस्या दिन-प्रतिदिन भयावह होती जा रही है। वैसे तो देश में कुत्तों द्वारा काटने के सारे आंकड़े दर्ज नहीं करवाए जाते हैं लेकिन जो भी आंकड़े दर्ज होते हैं, उसके मुताबिक वर्ष 2024 में हर मिनट पर डॉग बाइट के 7, हर घंटे में 430, रोजाना 10,321 , हर महीने 3,09,643 और वर्ष भर में 37,15,713 मामले दर्ज किए गए हैं। यानी सरकार भी यह मान रही है कि एक साल में 37 लाख से भी ज्यादा लोग कुत्तों के काटने का शिकार बनते हैं। वहीं वर्ष 2025 में कुत्तों के काटने की संख्या 47 लाख से भी ज्यादा बताई जा रही है। सरकारी रिपोर्ट की मानें तो, भारत में हर साल रेबीज के कारण 300 लोगों की मौत होती है। लेकिन WHO के अनुसार भारत में हर साल रेबीज के कारण 18 से 20 हज़ार लोगों की मौत हो जाती है। यहां इस बात का ध्यान रखना भी जरूरी है कि इस तरह के ज्यादातर मामले आंकड़ों में दर्ज ही नहीं किए जाते हैं।

अब ओलंपिक खेलों पर है महिला मुक्केबाज निखत जरीन की नजरें

साई और बाक्सिंग फेडरेशन विवाद से भी खिलाड़ियों की तैयारी प्रभावित हुई

नई दिल्ली

महिला मुक्केबाज निखत जरीन की नजरें अब 2028 लास एंजिल्स ओलंपिक खेलों पर लग गयी हैं। निखत को हाल ही में एशियाई और राष्ट्रमण्डल खेलों के ट्रायल्स में हार का सामना करना पड़ा था जिससे वह निराश हैं। निखन ने इसका एक कारण भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) और बाक्सिंग फेडरेशन के प्रशासनिक विवाद को भी बताया और कहा कि इन दोनों संस्थाओं के बीच तनाव का सीधा असर खिलाड़ियों की तैयारी पर पड़ा और मुक्केबाज बीच में फंसकर रह गए हैं। ट्रायल मुकाबले में हार के कारणों को लेकर इस मुक्केबाज ने कहा कि वह मानसिक और शारीरिक रूप से पूरी तरह थक चुकी थीं। वह जनवरी 2025 से लगातार टूर्नामेंट खेल रही हैं और घर पर पर्याप्त समय भी नहीं बिता पा रही थीं। निखत जरीन को भारतीय मुक्केबाजी की सबसे मजबूत पदक दावेदारों में गिना जाता है। ऐसे में उनका ट्रायल से बाहर होना खेल जगत के लिए बड़ा झटका माना जा रहा हैं।निखत ने कहा कि अब वह अपनी गलतियों पर काम करेंगी और मजबूत वापसी के प्रयास करेगी। उन्होंने साफ किया कि उनका अगला लक्ष्य लास एंजिलिस ओलंपिक के क्वालीफायर होंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय मुक्केबाजी महासंघ जब भी राष्ट्रीय प्रतियोगिता की घोषणा करेगा, वह पूरी तैयारी के साथ वापसी करेंगी। निखत के अनुसार राष्ट्रीय शिविर 26 मई से शुरू होना था, लेकिन मंजूरी नहीं मिलने के कारण खिलाड़ी संशय में रहे। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में उनके पास उचित प्रशिक्षण केंद्र नहीं है, जिससे उनकी चिंता और बढ़ गई थीं। उन्होंने यह भी कहा कि खिलाड़ियों को रोजाना वजन कम करने के सख्त लक्ष्य दिए गए थे। मुक्केबाजों को शारीरिक परीक्षण, ताकत परीक्षण और बीप टेस्ट से गुजरना पड़ा, लेकिन बाद में बताया गया कि इन अंकों को अंतिम चयन में शामिल ही नहीं किया जाएगा। इससे खिलाड़ियों पर अतिरिक्त मानसिक दबाव बन गया था। वहीं महिला टीम के मुख्य कोच सैंटियागो नीवा ने भी निखत का समर्थन किया।

न्यूज ब्रीफ

कलाई की चोट के कारण विंबलडन 2026 से बाहर हुए कार्लोस अल्कराज

नई दिल्ली। दुनिया के नंबर-2 टेनिस खिलाड़ी स्पेन के कार्लोस अल्कराज ने आगामी विंबलडन 2026 से हटने का फैसला किया है। अल्कराज ने बताया कि वह कलाई की चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं, जिसके कारण वह घास के कोर्ट सीजन में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। अल्कराज ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा, मेरी रिकवरी अच्छी चल रही है और मैं पहले से बेहतर महसूस कर रहा हूं, लेकिन दुर्भाग्य से मैं अभी खेलने के लिए पूरी तरह तैयार नहीं हूं। इसी वजह से मुझे क्वींस और विंबलडन से हटना पड़ रहा है। ये दोनों टूर्नामेंट मेरे लिए बेहद खास हैं और मैं इन्हें बहुत मिस करूंगा। हम जल्द वापसी के लिए लगातार मेहनत कर रहे हैं। 23 वर्षीय अल्कराज इससे पहले फ्रेंच ओपन 2026 से भी हट चुके हैं, जहां वह गत चैंपियन थे। उन्हें पिछले महीने बार्सिलोना ओपन के पहले दौर के मुकाबले के दौरान कलाई में चोट लगी थी। उन्होंने उस मैच में ओटो विर्टानेन को हराया था, लेकिन बाद में टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया। अल्कराज ने इसी साल जनवरी में आस्ट्रेलियन ओपन जीतकर करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे युवा पुरुष खिलाड़ी बनने का रिकार्ड बनाया था। इस सीजन में उनका रिकार्ड 22-3 का रहा है और उन्होंने दोहा में भी खिताब अपने नाम किया। मोंटे कार्लो मास्टर्स फाइनल में यानिक सिनर से हारने के बाद अल्कराज ने विश्व नंबर-1 की रैंकिंग भी गंवा दी थी ।

आईपीएल 2026 : वैभव सूर्यवंशी की विस्फोटक पारी से जीता राजस्थान, लखनऊ को 7 विकेट से हराया

जयपुर। राजस्थान रायल्स ने तीन मैचों की हार का सिलसिला तोड़ते हुए लखनऊ सुपर जायंट्स को 7 विकेट से हराकर शानदार वापसी की। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में राजस्थान ने 221 रन के बड़े लक्ष्य को 19.1 ओवर में हासिल कर लिया। मैच के सबसे बड़े हीरो युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी रहे, जिन्होंने सिर्फ 38 गेंदों पर 93 रन की विस्फोटक पारी खेली। उनकी बल्लेबाजी में 7 चौके और 10 छक्के शामिल रहे। उन्होंने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और लखनऊ के गेंदबाजों पर लगातार दबाव बनाए रखा। कप्तान यशस्वी जायसवाल ने भी तेज शुरुआत करते हुए 23 गेंदों में 43 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 75 रन जोड़कर राजस्थान की जीत की नींव रखी। सूर्यवंशी के आउट होने के बाद ध्रुव जुरेल ने पारी को संभाला और नाबाद 53 रन बनाकर टीम को जीत तक पहुंचाया। अंतिम चरण में डोनोवन फरेरा ने भी तेज 16 रन जोड़कर जीत आसान बना दी। इससे पहले, टास हारकर बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ की ओर से मिचेल मार्श शतक से चूक गए और 57 गेंदों में 96 रन बनाकर रन आउट हुए। जाश इंग्लिश ने 29 गेंदों में 60 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। दोनों ने पहले विकेट के लिए 109 रन की बड़ी साझेदारी की। कप्तान ऋषभ पंत ने भी 35 रन का योगदान दिया, जिससे टीम 20 ओवर में 220 रन तक पहुंच सकी। हालांकि, लखनऊ की गेंदबाजी निराशाजनक रही। राजस्थान के बल्लेबाजों के सामने गेंदबाज लगातार संघर्ष करते दिखे। वहीं गेंदबाजी में राजस्थान के लिए जोफ्रा आर्चर और यश राज पुंजा ने महत्वपूर्ण सफलता हासिल की।

भारतीय अंडर-18 महिला हाकी टीम ने आस्ट्रेलिया को 4-1 से हराकर सीरीज का किया शानदार समापन

भोपाल। भारतीय अंडर-18 महिला हाकी टीम ने बुधवार को भोपाल स्थित उधव दास मेहता (भाई जी) सेंट्रल साई सेंटर में खेले गए चार मैचों की श्रृंखला के अंतिम मुकाबले में आस्ट्रेलिया अंडर-18 महिला हाकी टीम को 4-1 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। मुकाबले की शुरुआत में आस्ट्रेलिया ने आक्रामक खेल दिखाया और पहले क्वार्टर के 8वें मिनट में आरोरा कोवासेविच ने गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। हालांकि भारतीय टीम ने जल्द ही वापसी करते हुए कप्तान स्वीटी कुजूर ने 13वें मिनट में गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। दूसरे क्वार्टर में भारत ने अपना दबदबा बनाए रखा। 25वें मिनट में दिया ने शानदार गोल कर भारत को 2-1 की बढ़त दिलाई, जो हाफटाइम तक कायम रही। दूसरे हाफ में भी भारतीय खिलाड़ियों ने मैच पर पूरा नियंत्रण बनाए रखा। तीसरे क्वार्टर के 44वें मिनट में प्रियंका मिंज ने गोल कर बढ़त 3-1 कर दी। इसके बाद अंतिम क्वार्टर में नौशीन नाज ने 50वें मिनट में गोल दागकर भारत की 4-1 की शानदार जीत सुनिश्चित कर दी।

केकेआर की 7 मैचों में छठी जीत, मुंबई इंडियंस को हराया, प्लेऑफ की रेस में बरकरार

कोलकाता: आईपीएल 2026 के 65वें मुकाबले को कोलकाता नाइट राइडर्स ने जीत लिया है। अपने घरेलू मैदान पर केकेआर ने मुंबई को 4 विकेट से हराया। इस जीत के साथ केकेआर की टीम प्लेऑफ की रेस में बनी हुई है। पहले खेलते हुए मुंबई की टीम ने 8 विकेट पर 147 रन बनाए। जवाब में केकेआर ने 19वें ओवर में मैच को 6 विकेट खोकर अपने नाम कर लिया।

13 मैचों में 6 जीत के साथ केकेआर के 13 पॉइंट हो गए हैं। टीम पॉइंट्स टेबल में छठे नंबर पर है। अपने शुरुआती 6 मैचों में टीम को एक भी जीत नहीं मिली थी। इसमें एक मैच बारिश की वजह से रद्द रहा था।

आखिरी 7 मैचों में कोलकाता नाइट राइडर्स ने 6 जीत हासिल की है।

मुंबई इंडियंस के 13 मैचों के बाद सिर्फ 8 पॉइंट हैं और टीम 9वें नंबर पर है।

पावरप्ले में ही मुंबई इंडियंस के चार विकेट गिरे

टॉस हारने के बाद पहले खेलते हुए मुंबई इंडियंस को तीसरे ओवर की तीसरी गेंद पर रयान रिकेल्टन के रूप में महज 17 के स्कोर पर पहला झटका लगा। रिकेल्टन 6 रन बनाकर पवेलियन लौटे। तीसरे ओवर की अंतिम गेंद पर नमन धीर (0) भी आउट हो गए। एमआई ने 41 के स्कोर तक रोहित शर्मा (15) और सूर्यकुमार यादव (15) के विकेट भी गंवा दिए। मुंबई इंडियंस ने 8 ओवरों में 4 विकेट खोकर 57 रन बना लिए थे, जिसके बाद बारिश के चलते खेल रुका। जब फिर से मैच शुरू हुआ, तो ओवरों में किसी भी तरह की कटौती नहीं की गई।

हार्दिक पांड्या ने तिलक वर्मा के साथ पांचवें विकेट के लिए 49 गेंदों में 43 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 84 के स्कोर तक पहुंचाया। तिलक 32 गेंदों में 20 रन बनाकर आउट हुए, जबकि कप्तान हार्दिक पंड्या ने 26 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। कॉर्बिन बॉश 18 गेंदों में 2 छक्कों और 3 चौकों के साथ 32 रन बनाकर नाबाद रहे। सौरभ दुबे, कैमरून ग्रीन और कार्तिक त्यागी ने 2-2 विकेट हासिल किए। सुनील नरेन को 1 विकेट हाथ लगा।

केकेआर ने समझदारी से बैटिंग की

केकेआर की शुरुआत खराब रही। दीपक चाहर ने पहले ही ओवर में फिन एलन को आउट कर दिया। तीसरे नंबर पर उतरे मनीष पांडे ने कप्तान अजिंक्य रहाणे के साथ संभलकर बैटिंग की। 28 गेंदों में दोनों के बीच 38 रनों की साझेदारी ही। 21 रन बनाकर रहाणे पावरप्ले के आखिरी ओवर में कॉर्बिन बॉश का शिकार बने। कैमरून ग्रीन कुछ खास नहीं कर सकते और 8 गेंद पर 4 रन ही बना पाए। 8वें ओवर में 54 रन पर केकेआर के तीन विकेट गिर गए थे।

मनीष पांडे को रोवमैन पावेल का साथ मिला। पावेल को दो जीवनदान मिले और इसका फायदा उठाते हुए दोनों ने अर्धशतकीय साझेदारी बनाई। केकेआर की टीम इस दौरान 100 के पार भी पहुंच गई। मनीष पांडे फिफ्टी की तरफ बढ़ रहे थे लेकिन जसप्रीत बुमराह ने उन्हें बोल्ड कर दिया। 33 गेंदों पर 6 चौकों की मदद से पांडे ने 45 रन बना। अल्लाह गजनफर की गेंद पर आउट होने से पहले रोवमैन पॉवेल ने 30 गेंद पर 40 रन बनाए।

डब्ल्यूडब्लयई रेसलर भी बना बुमराह का प्रशंसक

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमाराह के प्रशंसक केवल भारत में नहीं अन्य देशों में भी हैं। बुमराह के प्रशंसकों में स्काटलैंड के डब्ल्यूडब्लयई रेसलर ड्रू मैकइंटायर भी शामिल हैं। मैकइंटायर ने सोशल मीडिया पर बुमराह की जमकर प्रशंसा करते हुए उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया है। इस दिग्गज रेसलर ने अपने सोशल मीडिया पर पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें वह जिम में अपने बाइसेप्स की एक्सरसाइज करते हुए दिख रहे हैं। इस वीडियो में सबसे खास बात ये रही कि इसमें मैकइंटायर ने भारतीय क्रिकेट टीम की जर्सी पहनी हुई थी। वीडियो के अंत में, जब वह पीछे मुड़ते हैं, तो उनकी जर्सी पर जसप्रीत बुमराह का नाम और उनका प्रतिष्ठित 93 नंबर स्पष्ट रूप से नजर आता है। इस वीडियो के साथ उन्होंने लिखा, बाइसेप्स बना रहा हूं, गो बूम, जो उनके बुमराह के प्रति प्रेम और उनकी शैली को दर्शाता है। यह एक अनोखा फैन मोमेंट था जिसने क्रिकेट और रेसलिंग दोनों के प्रशंसकों का ध्यान खींचा। एक सफल और नामी रेसलर का इस प्रकार बुमराह के प्रति यह सम्मान निश्चित रूप से भारतीय गेंदबाज की वैश्विक अपील और खेल के प्रति उनकी निरंतर लग्न का एक और प्रमाण है।

मैकइंटायर स्काटलैंड के नामी पेशेवर रेसलर हैं, जिन्हें डब्ल्यूडब्लयई की दुनिया में द स्काटिश वारियर के नाम से जाना जाता है। 6 फीट 5 इंच के कद और फौलादी शरीर वाले मैकइंटायर अपनी ताकत और रिंग में आक्रामक शैली के लिए पहचाने जाते हैं। वह डब्ल्यूडब्लयई के मेन रोस्टर के सबसे प्रमुख चेहरों में से एक हैं! उन्होंने डब्ल्यूडब्लयई इतिहास में कई बड़े मुकाम हासिल किए हैं। वह डब्ल्यूडब्लयई इतिहास के पहले ब्रिटिश वर्ल्ड चैंपियन बनकर उभरे थे, जो अपने आप में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। अपने करियर में उन्होंने तीन बार डब्ल्यूडब्लयई चैंपियन और एक बार वर्ल्ड हैवीवेट चैंपियन का खिताब जीता है। मैकइंटायर उन्होंने साल 2020 का रायल रंबल मैच जीतकर रेसलमेनिया में अपनी जगह बनाई थी, और हाल ही में 2024 का मनी इन द बैंक लैडर मैच भी अपने नाम किया। वह रेसलमेनिया, समरस्लैम और रायल रंबल जैसे डब्ल्यूडब्लयई के सबसे बड़े इवेंट्स के मुख्य आकर्षणों में से एक रहे हैं।

अमेच्योर और सरताज एकेडमी में विशेष बैडमिंटन प्रशिक्षण शिविर शुरू

इंदौर। शहर के उभरते बैडमिंटन खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने और उन्हें भविष्य का चैंपियन बनाने के उद्देश्य से अमेच्योर बैडमिंटन एकेडमी और सरताज अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में विशेष बैडमिंटन प्रशिक्षण शिविरों का आगाज हो गया है। खंडवा रोड स्थित अमेच्योर बैडमिंटन एकेडमी पर शुरू हुए इस विशेष शिविर में चुनिंदा और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को राष्ट्रीय बैडमिंटन रैफरी व प्रशिक्षक धर्मेश यशलहा द्वारा कड़ा अभ्यास कराया जा रहा है। शिविर का मुख्य उद्देश्य बच्चों को न केवल एक बेहतर खिलाड़ी बनाना है, बल्कि उनमें एक जिम्मेदार नागरिक के गुण भी विकसित करना है। इसके साथ ही, अमेच्योर बैडमिंटन एकेडमी में नियमित ग्रीष्मकालीन जूनियर बैडमिंटन प्रशिक्षण शिविर भी शाम के सत्र में सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है। इस शिविर में मुख्य प्रशिक्षक हर्ष सरग बच्चों को बैडमिंटन की बारीकियां सिखा रहे हैं।

आर्सेनल ने जीता प्रीमियर लीग 2025-26 का खिताब, मैनचेस्टर सिटी की ड्रा के बाद हुई पुष्टि

नई दिल्ली

आर्सेनल ने प्रीमियर लीग 2025-26 का खिताब अपने नाम कर लिया है। बुधवार को मैनचेस्टर सिटी और बोर्नमाउथ के बीच मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त होने के बाद आर्सेनल की ट्राफी जीत पक्की हो गई।

इस ड्रा के बाद पेप गार्डियोला की टीम मैनचेस्टर सिटी के 78 अंक हो गए हैं, जबकि आर्सेनल के 82 अंक हैं। लीग में अब सिर्फ एक मुकाबला बचा है, ऐसे में सिटी अब आर्सेनल को पीछे नहीं छोड़ सकती।

आर्सेनल ने पिछली बार 2003-04 सीजन में प्रीमियर लीग का खिताब जीता था। उस ऐतिहासिक इनविंसिबल सीजन में टीम ने आर्सेन वेंगर की कोचिंग में पूरे सीजन में एक भी मैच नहीं गंवाया था।

इस सीजन आर्सेनल के लिए विक्टर ग्योकेरेस ने सबसे ज्यादा 14 गोल किए। वहीं मार्टिन ओडेगार्ड और लिएंड्रो ट्रोसार्ड ने छह-छह असिस्ट देकर टीम की सफलता में अहम योगदान दिया। गोलकीपर डेविड राया ने 19 क्लीन शीट के साथ लगातार तीसरी बार गोल्डन ग्लव अवार्ड अपने नाम किया।

यह आर्सेनल के मुख्य कोच मिकेल आर्टेटा का भी पहला लीग खिताब है। आर्टेटा ने 2019 में

क्लब की कमान संभाली थी। इससे पहले वह साढ़े तीन वर्षों तक पेप गार्डियोला के सहायक कोच रहे थे।

प्रीमियर लीग खिताब जीतने के बाद अब आर्सेनल की नजर यूईएफए चैंपियंस लीग 2025-26 के फाइनल पर होगी, जहां उसका सामना मौजूदा चैंपियन पेरिस सेंट-जर्मेन से होगा।

ट्रेवर बेली के नाम है सबसे धीमे अर्धशतक का रिकार्ड

लंदन

टी20 क्रिकेट लीग के इस दौर में जहां बल्लेबाज विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए कुछ ही गेंदों में अर्धशतक और शतक लगा रहे हैं। वहीं टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में इंग्लैंड के दिग्गज आलराउंडर ट्रेवर बेली के नाम धीमी बल्लेबाजी का एक ऐसा रिकार्ड भी दर्ज है जो अब टूटना असंभव है। इस बल्लेबाज ने दशकों पहले एक ऐसी पारी खेली थी जिसने बल्लेबाजी की परिभाषा ही बदल दी। उन्होंने 50 रन बनाने के लिए 350 गेंदें खेलीं। इस प्रकार बेली के नाम सबसे धीमें अर्धशतक का रिकार्ड दर्ज हो गया है। ये वाकया साल 1958 का है तब इंग्लैंड की टीम ब्रिस्बेन के गाबा मैदान पर आस्ट्रेलिया से खेल रही थी। दूसरी पारी में इंग्लैंड टीम मुश्किल में थी। ऐसे कठिन समय में, तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे ट्रेवर बेली ने रन

बनाने के जगह क्रीज पर टिके रहना तया किया। बेली ने आस्ट्रेलियाई आक्रमण का सामना करने को ही अपना एकमात्र लक्ष्य बना लिया। बेली ने आस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को बुरी तरह थकाते हुए, धैर्य और दृढ़ता की मिसाल पेश की।

उन्होंने महज 50 रन के आंकड़े तक पहुँचने के लिए रिकार्ड 350 गेंदें खेलीं। ये टेस्ट क्रिकेट के इतिहास का आज तक का सबसे धीमा अर्धशतक है। अपनी इस अविश्वसनीय पारी में बेली ने कुल 427 गेंदों का सामना किया और 68 रन बनाए। भले ही इंग्लैंड यह मैच 8 विकेट से हार गया, लेकिन बेली ने अपनी इस धैर्यपूर्ण और अविस्मरणीय पारी से सभी का दिल जीत लिया। एक आधुनिक क्रिकेट के तेज़-तर्रार स्वरूप को देखते हुए, यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि बेली द्वारा बनाया गया यह रिकार्ड अब कभी नहीं टूटेगा। आज के दौर में बल्लेबाज हर फार्मेट में तेजी से रन बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, और 15-20 गेंदों में अर्धशतक पूरा करना अब आम बात हो गई है। रन रेट और स्ट्राइक रेट का महत्व इतना बढ़ गया है कि कोई भी बल्लेबाज 350 गेंदों में 50 रन बनाने का जोखिम नहीं उठाएगा।

फीफा विश्व कप 2026 के लिए पुर्तगाल टीम का ऐलान, क्रिस्टियानो रोनाल्डो और ब्रूनो फर्नांडिस शामिल

नई दिल्ली। पुर्तगाल ने मंगलवार को आगामी फीफा विश्व कप 2026 के लिए अपनी टीम की घोषणा कर दी। अनुभवी स्टार फुटबालर क्रिस्टियानो रोनाल्डो एक बार फिर टीम की अगुवाई करेंगे। उनके साथ ब्रूनो फर्नांडिस, बर्नार्डो सिल्वा और वितिन्हा जैसे कई स्टार खिलाड़ी भी टीम में शामिल हैं। 41 वर्षीय रोनाल्डो अपने करियर का रिकार्ड छठा फीफा विश्व कप खेलने उतरेंगे। इस उपलब्धि के साथ वह अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी और मेक्सिको के गोलकीपर गिलर्मो ओचोआ की सूची में शामिल हो जाएंगे। यूरो 2016 चैंपियन पुर्तगाल को विश्व कप में ग्रुप-के में रखा गया है, जहां उसका सामना डीआर कांगो, कोलंबिया और उज्बेकिस्तान से होगा। विश्व कप अभियान शुरू होने से पहले पुर्तगाल की टीम चिली और नाइजीरिया के खिलाफ अभ्यास मैच खेलेगी। इसके बाद टीम 17 जून को डीआर कांगो के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। वहीं 23 जून को उज्बेकिस्तान और 27 जून को कोलंबिया से मुकाबला होगा।

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे — हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

निवेश के लिए खरीदा फिजिकल गोल्ड सबसे महंगा और घाटे वाला विकल्प

आज भी भारत के घरों में करीब पच्चीस हजार टन सोना पड़ा है

नई दिल्ली

भारतीय समाज और सोने का रिश्ता सदियों पुराना है। त्योहारों की रौनक हो या शादियों का उल्लास, सोना हर मोड़ पर भारतीय परिवारों के सुख-दुख का साथी रहा है। एक अनुमान के मुताबिक आज भी भारत के घरों में करीब पच्चीस हजार टन सोना पड़ा है, जो काफी हद तक निष्क्रिय है, अलमारियों में बंद है और जिसकी देश भर में कोई एक तय कीमत भी नहीं है, लेकिन बदलते समय के साथ सोने के बाजार की यह पूरी तस्वीर अब बदल रही है। साल 2024 से सरकार ने नए सावरेन गोल्ड बान्ड (एसजीबी) को जारी करना पूरी तरह बंद कर दिया था, जिसके बाद बजट 2026 के नए नियमों ने इसके टैक्स फायदों को भी सीमित कर दिया। दूसरी तरफ नवंबर 2025 में सेबी ने मोबाइल ऐप्स पर मिलने वाले अनरेगुलेटेड डिजिटल गोल्ड को लेकर कड़ी चेतावनी जारी की थी।

रिपोर्ट के मुताबिक इस बदलते सिस्टम के बीच नेशनल स्टाक एक्सचेंज (एनएसई) के इलेक्ट्रानिक गोल्ड रिसीट्स (ईजीआर) ने निवेश की दुनिया में कदम रखा। अब देश के आम निवेशकों के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि सोने में निवेश का सबसे व्यावहारिक, सुरक्षित और किफायती रास्ता कौन सा है। क्या हमें सुनार की दुकान से पारंपरिक सोना खरीदना चाहिए, सालों से चल रहे गोल्ड ईटीएफ में बने रहना चाहिए या फिर नए ईजीआर को अपनाना चाहिए।

पारंपरिक रूप से भारत में सोने की खरीद हमेशा से आभूषणों या सिक्कों के रूप में की जाती रही है, जिसे हम फिजिकल गोल्ड कहते हैं। सुनार की दुकान पर जाकर अपनी आंखों के सामने सोने को देखना और उसे छूकर महसूस करना हमेशा से भारतीयों की पसंद रही है। हंसा रिसर्च ग्रुप प्राइवेट लिमिटेड की एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट इस उपभोक्ता व्यवहार की गहराई को समझाते हुए कहती हैं कि भारत में गहनों और सोने का अपना एक सांस्कृतिक और भावनात्मक महत्व है, क्योंकि यह लोगों को टैन्जिबल ओनरशिप यानी संपत्ति को छूकर महसूस करने और खुद के पास सुरक्षित रखने की वास्तविक खुशी देता है। यही कारण है कि भारतीय परिवारों में इसकी मांग हमेशा बनी रहेगी।

उन्होंने कहा कि अगर आप इसे सिर्फ निवेश के नजरिए से देखें, तो फिजिकल गोल्ड सबसे महंगा और घाटे वाला विकल्प साबित होता है। सोना खरीदते ही सबसे पहले आपको 3फीसदी जीएसटी देना पड़ता है। इसके अलावा ज्वेलर्स 5फीसदी से लेकर 20फीसदी या उससे भी ज्यादा तक मेकिंग चार्ज वसूल लेते हैं, जिसका निवेश से कोई फायदा नहीं होता। फिर इसकी सुरक्षा की चिंता अलग रहती है। या तो घर में चोरी का डर बना रहता है, या बैंक लाकर के लिए हर साल मोटा किराया देना पड़ता है। सबसे बड़ा झटका तब लगता है जब आप सोना बेचने जाते हैं।

न्यूज ब्रीफ

टोयोटा इनोवा हाईक्रास और क्रिस्टा का जबर्दस्त क्रेज

नई दिल्ली। टोयोटा इनोवा हाईक्रास और टोयोटा इनोवा क्रिस्टा का क्रेज भारतीय ग्राहकों के बीच लगातार बढ़ता जा रहा है। अप्रैल माह में एक बार फिर इनोवा देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली 7-सीटर कार बनकर उभरी है। टोयोटा इंडिया द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, बीते महीने इनोवा की कुल 9,630 यूनिट्स की बिक्री हुई, जो पिछले साल अप्रैल की तुलना में 25 प्रतिशत अधिक है। टोयोटा की बिक्री सूची में दूसरे स्थान पर टोयोटा अर्बन क्रूजर हाईराइडर रही। इस एसयूवी की बिक्री में सालाना आधार पर 96 प्रतिशत की जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई और इसकी 9,115 यूनिट्स बिकीं। वहीं, कंपनी की लोकप्रिय एसयूवी टोयोटा फार्च्यूनर और प्रीमियम हैचबैक टोयोटा ग्लैंजा की बिक्री में गिरावट देखने को मिली, जो बाजार की बदलती प्राथमिकताओं का संकेत है इसके अलावा, टोयोटा रूमियन और टोयोटा ताईसोर ने भी स्थिर प्रदर्शन किया। वहीं, लग्जरी एमपीवी टोयोटा वेलफायर की बिक्री में 490 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई, जो प्रीमियम सेगमेंट में इसकी बढ़ती मांग को दर्शाता है। कंपनी की दमदार एसयूवी टोयोटा लैंड क्रूजर को भी ग्राहकों ने खूब पसंद किया। टोयोटा इंडिया ने अप्रैल माह में कुल 30,159 वाहनों की बिक्री की, जो पिछले साल के मुकाबले 21 प्रतिशत ज्यादा है। इनोवा हाईक्रास की लोकप्रियता का सबसे बड़ा कारण इसका प्रीमियम केबिन, शानदार माइलेज और दमदार हाइब्रिड इंजन माना जा रहा है।

मारुति सुजुकी ब्रेजा जल्द आएगी नए अवतार में

नई दिल्ली। सबसे लोकप्रिय काम्पैक्ट एसयूवी में शुमार मारुति सुजुकी ब्रेजा अब एक नए अवतार में आने की तैयारी कर रही है। हाल ही में दिल्ली के पास वेस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर ब्रेजा फेसलिफ्ट के टेस्ट माडल को देखा गया। टेस्टिंग के दौरान गाड़ी में एमिशन टेस्टिंग किट लगी दिखाई दी, जिससे संकेत मिल रहे हैं कि कंपनी इसमें नया इंजन विकल्प पेश कर सकती है। जानकारी के अनुसार, मारुति इस फेसलिफ्ट माडल में 1.2-लीटर नेचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन या फिर 1.0-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन दे सकती है। अगर ऐसा होता है, तो नई ब्रेजा की शुरुआती कीमत पहले से अधिक आकर्षक हो सकती है, क्योंकि वर्तमान में कंपनी इस एसयूवी में 1.5-लीटर पेट्रोल इंजन देती है। नई ब्रेजा फेसलिफ्ट के डिजाइन में भी कुछ बदलाव देखने को मिल सकते हैं। इसके फ्रंट ग्रिल को पहले से ज्यादा आधुनिक लुक दिया गया है, जबकि बंपर में रडार हाउसिंग दिखाई दी है, जिससे उम्मीद लगाई जा रही है कि इसमें एडवांस ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (एडीएएस) फीचर दिया जा सकता है। इसके अलावा, नए ट्राएंगल शेप फाग लैंप, सिल्वर स्किड प्लेट और 16-इंच के नए अलाय व्हील्स भी देखने को मिल सकते हैं, जो इसके लुक को और भी स्पोर्टी बनाएंगे। सीएनजी वैरिएंट में भी एक बड़ा बदलाव संभव है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंपनी सीएनजी टैंक को गाड़ी के नीचे शिफ्ट कर सकती है, जिससे बूट स्पेस पहले से ज्यादा मिलेगा।

वोक्सवैगन गोल्फ जीटीआई की सिर्फ 2 यूनिट बिकीं

नई दिल्ली। लग्जरी कार निर्माता कंपनी वोक्सवैगन इंडिया की वोक्सवैगन गोल्फ जीटीआई को खरीददार

नहीं मिल रहे है। यही वजह है कि अप्रैल में सिर्फ 2 यूनिट बिकीं। कंपनी द्वारा जारी हालिया आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल माह में कंपनी की यह हाई-परफार्मेंस कार सिर्फ 2 ग्राहकों तक ही पहुंच सकी। इससे पहले मार्च महीने में भी इसकी केवल 3 यूनिट्स बिकी थीं, जो इसकी बेहद सीमित बिक्री को दर्शाती है। 53 लाख रुपये की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत वाली यह कार कई प्रीमियम फीचर्स से लैस है। इसमें 12.9-इंच की बड़ी टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, 7-स्पीकर साउंड सिस्टम, पैनोरमिक सनरूफ, एम्बिएंट लाइटिंग, वायरलेस चार्जिंग और हीटेड फ्रंट सीट्स जैसे फीचर्स दिए गए हैं। कार को यूरो एनकैप से 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग भी मिल चुकी है, जो यात्रियों की सुरक्षा के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को उजागर करती है। परफार्मेंस की बात करें, तो इसमें 2.0-लीटर टीएसआई टर्बो पेट्रोल इंजन मिलता है, जो 261 बीएचपी की ताकत और 370 एनएम का टार्क पैदा करता है। यह कार महज 5.9 सेकंड में 0 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ सकती है, जो इसे एक सच्ची स्पोर्ट्स कार बनाती है। इसमें 7-स्पीड डीएसजी गियरबाक्स दिया गया है और इसकी टाप स्पीड 250 किलोमीटर प्रति घंटा तक सीमित रखी गई है।

सरकार ऊर्जा संकट के बीच अब इलेक्ट्रिक बस-ट्रकों को बढ़ावा देने की तैयारी में

1 अरब डालर की प्रोत्साहन योजना पर विचार कर रहा केंद्र

नई दिल्ली

भारत सरकार ऊर्जा संकट के बीच प्राइवेट सेक्टर में इलेक्ट्रिक बसों और ट्रकों को बढ़ावा देने के लिए 1 अरब डालर यानी करीब 8,300 करोड़ रुपए से ज्यादा की प्रोत्साहन योजना पर विचार कर रही है। इस योजना का मकसद कामर्शियल परिवहन क्षेत्र में जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करना है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक नाम न छापने की शर्त पर मामले से जुड़े लोगों ने बताया कि यह प्रोग्राम 10 सालों तक चलेगा और मुख्य रूप से भारत के प्राइवेट ओन्ड कामर्शियल फ्लीट को टारगेट करेगा। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा इंटर-सिटी बस आपरेटरों के लिए रखा जा सकता है। योजना को अंतिम रूप देने के लिए इस महीने प्रधानमंत्री कार्यालय और इंडस्ट्री से जुड़े पक्षों के साथ बैठकें हो सकती हैं। अंतिम बजट आवंटन, प्रोत्साहन पाने वाले वाहनों की श्रेणी और सब्सिडी ढांचे पर अभी काम चल रहा है और इसमें बदलाव संभव है।

रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम एशिया संकट के कारण ऊर्जा आपूर्ति में आई बाधाओं के बाद भारत सरकार पेट्रोल, डीजल आदि पर निर्भरता घटाने की कोशिश कर रही है। इससे ऊर्जा सुरक्षा और आयातित महंगाई को लेकर चिंताएं फिर बढ़ गई हैं। भारत अपनी कीरब 90 फीसदी कच्चे तेल की जरूरत आयात के जरिए पूरी करता है, जिससे वह वैश्विक भू-राजनीतिक संकट और कीमतों में उतार-चढ़ाव के प्रति संवेदनशील बना रहता है। कमर्शियल ट्रांसपोर्ट का

इलेक्ट्रिफिकेशन भारत में बढ़ते वायु प्रदूषण को कम करने में भी मदद करेगा। इंटरनेशनल काउंसिल आन क्लीन ट्रांसपोर्टेशन के मुताबिक नई दिल्ली जैसे शहरों में वाहनों से होने वाला उत्सर्जन सालाना सूक्ष्म कण प्रदूषण का लगभग 40 फीसदी तक योगदान देता है। पिछले पांच सालों में इलेक्ट्रिक बसों को अपनाने की रफ्तार तेजी से बढ़ी है, जिसमें सरकारी परिवहन कंपनियों की बड़ी भूमिका रही है। हालांकि भारत में अभी भी ज्यादातर नई बसें डीजल से चलती हैं।

हालांकि डीजल पर निर्भरता केवल भारत की समस्या नहीं है, चीन, अमेरिका और यूरोप जैसे क्षेत्र कमर्शियल वाहनों के इलेक्ट्रिफिकेशन में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। चीन में पहले से ही लाखों इलेक्ट्रिक ट्रक और बसें चल रही हैं, जबकि अमेरिका और यूरोप शहरी लाजिस्टिक्स और पब्लिक ट्रांसपोर्ट फ्लीट को तेजी से इलेक्ट्रिक बना रहे हैं। अनुमानों के मुताबिक भारत में 20 लाख से ज्यादा बसें हैं, लेकिन इनमें से केवल 5 फीसदी बसों पर सरकार का नियंत्रण है। वहीं देश में करीब सभी ट्रक निजी क्षेत्र द्वारा संचालित किए जाते हैं और यही डीजल की सबसे बड़ी खपत करते हैं। उन्होंने बताया कि अधिकारी छोटे कमर्शियल फ्लीट आपरेटरों को इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के उपायों पर विचार कर रहे हैं। ये आपरेटर ऊंची शुरुआती लागत और सीमित वित्तपोषण के कारण कठिनाई का सामना कर रहे हैं। विचाराधीन प्रोत्साहनों में वाहन की पूरी अवधि में प्रति वाहन 15 लाख रुपए तक का ब्याज सब्सिडी लाभ शामिल हो सकता है, जिसे समय के साथ धीरे-धीरे कम किया जाएगा। सरकार प्राइवेट कंपनियों को इलेक्ट्रिक कमर्शियल वाहन खरीदने के लिए वित्तपोषण उपलब्ध कराने के लिए आंशिक क्रेडिट गारंटी व्यवस्था पर भी विचार कर रही है।

ओमेक्स ने इंदौर-उज्जैन की आवासीय परियोजनाओं के लिए जुटाए 75 करोड़

निवेश फर्म डब्ल्यूएसबी पार्टनर्स के साथ हुआ करार; आवासीय प्लाट परियोजनाओं को मिलेगी नई गति

नई दिल्ली/इंदौर

रियल एस्टेट क्षेत्र की प्रमुख कंपनी ओमेक्स ने अपने विस्तार को नई दिशा देने के लिए एक महत्वपूर्ण वित्तीय उपलब्धि हासिल की है। कंपनी ने निवेश फर्म डब्ल्यूएसबी पार्टनर्स के साथ करार कर 75 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाई है। यह निवेश मुख्य रूप से कंपनी की इंदौर और उज्जैन में चल रही दो प्रमुख आवासीय परियोजनाओं के विकास के लिए किया गया है।

मंगलवार को जारी नियामक फाइलिंग में ओमेक्स समूह ने इस निवेश की पुष्टि करते हुए बताया कि यह फंडिंग विशेष रूप से इंदौर और उज्जैन में विकसित की जा रही आवासीय प्लाट परियोजनाओं के लिए है। कंपनी का कहना है कि प्राप्त पूंजी का उपयोग मुख्य रूप से ग्रोथ कैपिटल के तौर पर विकास कार्यों को गति देने में किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, एक हिस्सा कार्यशील पूंजी और भविष्य के रिजर्व के लिए आवंटित किया गया है।

रियल एस्टेट बाजार में बढ़ेगा भरोसा - वर्ष 1987 में स्थापित ओमेक्स भारत की अग्रणी रियल एस्टेट कंपनियों में से एक है। कंपनी अब तक देश के 8 राज्यों के 31 शहरों में लगभग 140.17 मिलियन वर्ग फीट का निर्माण कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर चुकी है।

इसमें पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश शामिल हैं। ओमेक्स आवासीय, वाणिज्यिक और एकीकृत टाउनशिप परियोजनाओं के निर्माण में विशेषज्ञता रखती है। इस निवेश से इंदौर और उज्जैन में ओमेक्स की आवासीय परियोजनाओं के निर्माण कार्य में तेजी आने की प्रबल संभावना है, जिससे स्थानीय रियल एस्टेट बाजार में ग्राहकों का भरोसा भी बढ़ेगा।

एसयूवी किआ सेल्टोस का बिक्री में शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली। हालिया बिक्री आंकड़ों पर नजर डाले तो किआ इंडिया की लोकप्रिय एसयूवी किआ सेल्टोस ने शानदार प्रदर्शन किया है। जारी आंकड़ों के अनुसार, नई सेल्टोस कंपनी की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार बन गई है, जिसके दम पर किआ इंडिया को सालाना आधार पर 15 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि हासिल हुई है। अप्रैल माह में सेल्टोस की कुल 10,566 यूनिट्स बिकीं, जबकि पिछले साल इसी महीने इसकी 6,135 यूनिट्स की बिक्री हुई थी। इस तरह इस माडल ने 72 प्रतिशत से अधिक की शानदार बढ़त दर्ज की, और कंपनी की कुल बिक्री में इसका हिस्सा करीब 39 प्रतिशत रहा, जो इसकी लोकप्रियता को दर्शाता है।दूसरी ओर, किआ सोनेट की बिक्री भी मजबूत रही, जिसकी अप्रैल माह में 10,537 यूनिट्स बिकीं, जो पिछले साल की तुलना में करीब 31 प्रतिशत ज्यादा है। वहीं, किआ कैरेंस क्लैविस की 5,465 यूनिट्स बिकीं, जिसमें मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई। हालांकि, किआ साइरोस की बिक्री में भारी गिरावट देखने को मिली और इसकी बिक्री 86 प्रतिशत तक घट गई। इसके बावजूद, कंपनी की कुल बिक्री 27,286 यूनिट्स तक पहुंच गई, जो पिछले साल की तुलना में 3,663 यूनिट्स ज्यादा है। नई सेल्टोस की सफलता का सबसे बड़ा कारण उसका नया डिजाइन, प्रीमियम फीचर्स और दमदार इंजन माना जा रहा है।

भारतीय बाजार में कई दमदार इलेक्ट्रिक एसयूवी हैं मौजूद

नई दिल्ली

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी ईंधन बचाने और वैकल्पिक ऊर्जा अपनाने की अपील की थी, जिसके बाद इलेक्ट्रिक कारों को लेकर लोगों की दिलचस्पी और बढ़ गई है। भारतीय बाजार में इस समय कई दमदार इलेक्ट्रिक एसयूवी मौजूद हैं, जो शानदार रेंज और आधुनिक फीचर्स के साथ ग्राहकों को आकर्षित कर रही हैं। मारुति सुजुकी ई विटारा, कंपनी की पहली इलेक्ट्रिक एसयूवी के तौर पर सामने आई है, जिसे 49 केडब्ल्यूएच और 61 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक के साथ लान्च किया गया है। बड़ी बैटरी के साथ यह कार 543 किलोमीटर तक की एआरएआई प्रमाणित रेंज देने का दावा करती है। इसकी शुरुआती कीमत बैटरी-एज-ए-सर्विस माडल के तहत 10.99 लाख रुपये रखी गई है।

वहीं, महिंद्रा बीई 6 अपनी स्पोर्टी डिजाइन और शानदार परफार्मेंस के कारण काफी चर्चा में है। यह एसयूवी केवल 6.7 सेकंड में 0 से 100 किमी प्रति घंटा की रफ्तार पकड़ सकती है और एक बार चार्ज करने पर 638 किलोमीटर तक की दूरी तय करने में सक्षम है। इसकी शुरुआती कीमत 18.90 लाख रुपये है। एमजी विंडसर प्रो पारिवारिक ग्राहकों के लिए एक व्यावहारिक विकल्प साबित हो रही है, जिसमें बड़े केबिन और आरामदायक सीटिंग के साथ 449 किलोमीटर तक की रेंज मिलती है। दूसरी ओर, टाटा पंच ईवी बजट ग्राहकों के लिए बेहतर विकल्प बनकर उभरी है, जिसकी शुरुआती कीमत 9.69 लाख रुपये है और यह करीब 355 किलोमीटर तक की रेंज देती है।

इसके अलावा, वियतनामी कंपनी की विनफास्ट वीएफ 7 भी भारतीय बाजार में तेजी से लोकप्रिय हो रही है। 70.7 केडब्ल्यूएच बैटरी से लैस यह एसयूवी एक बार चार्ज करने पर 510 किलोमीटर तक चल सकती है, जो इसे लंबी दूरी के लिए एक आकर्षक विकल्प बनाती है। मालूम हो कि देशभर में पेट्रोल और डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों ने आम लोगों के बजट को बुरी तरह प्रभावित किया है। ऐसे में अब ग्राहकों का रुझान तेजी से इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर बढ़ रहा है।

तेल की जंग: किसने छापे अरबों, कौन हुआ बेहाल, अमेरिका ने कमाए 4.81 लाख करोड़, रूस को 1.44 लाख करोड़ का लाभ

नई दिल्ली

मध्य-पूर्व में लंबे समय से जारी भू-राजनीतिक तनाव ने वैश्विक ऊर्जा बाजार में एक अभूतपूर्व उथल-पुथल मचा दी है। कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादन में भारी गिरावट तथा सामरिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य के बाधित होने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल व गैस की कीमतें आसमान छू गई हैं। इस गंभीर ऊर्जा संकट ने जहां कुछ देशों के लिए अप्रत्याशित अवसर खोले हैं, वहीं कई पारंपरिक तेल निर्यातक देशों को गहरे वित्तीय घाटे में धकेल दिया है। इस भूचाल का सबसे बड़ा फायदा अमेरिका और रूस को हुआ है, जबकि 5 प्रमुख खाड़ी देशों को भारी नुकसान झेलना पड़ा है। एक स्थानीय समाचार पत्र की रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक बाजार में कच्चे तेल और ईंधन की कमी का फायदा उठाते हुए अमेरिकी कंपनियों ने जमकर मुनाफा कमाया है। अमेरिकी तेल

कंपनियों ने इस दौरान करीब 14.50 करोड़ बैरल अतिरिक्त तेल की बिक्री की, जिससे देश को 4.81 लाख करोड़ रुपए की बंपर अतिरिक्त आय हुई है। अमेरिका लगातार बड़े पैमाने पर कच्चे तेल, डीजल और अन्य ईंधन का निर्यात बढ़ा रहा है। इसी तरह युद्ध और प्रतिबंधों के बावजूद रूस भी इस संकट का लाभ उठाने में सफल रहा है। युद्ध शुरू होने से पहले जिस रूसी तेल की कीमत महज 41 डालर प्रति बैरल थी, वह 120 डालर प्रति बैरल तक पहुंच गई। नतीजतन, रूस के कुल तेल निर्यात में 5.92 लाख बैरल की गिरावट के बावजूद, उसने 1.44 लाख करोड़ रुपए का अतिरिक्त मुनाफा बटोरा है। सऊदी अरब ने भी इस अवसर को भुनाया है। होर्मुज जलडमरूमध्य पर पूरी तरह निर्भर न होने और वैकल्पिक पाइपलाइनों के कारण वह नुकसान से बचा रहा। उसके तेल निर्यात में कमी के बावजूद, महंगे तेल ने आय में 88,538 करोड़ रुपए से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज कराई। हालांकि, जहां कुछ देशों ने आपदा को अवसर में बदला, वहीं ईरान से जुड़े संघर्ष और भौगोलिक बाधाओं के कारण 5 प्रमुख खाड़ी देशों को भारी आर्थिक चोट पहुंची है।

उनके तेल उत्पादन और निर्यात दोनों ही बुरी तरह प्रभावित हुए हैं:

कुवैत: तेल निर्यात में 15 करोड़ बैरल की भारी गिरावट के साथ 96,238 करोड़ का नुकसान।

कतर: 8.40 करोड़ बैरल की कमी से 55,818 करोड़ की राजस्व हानि।

ओमान: तेल कारोबार में गिरावट से आय 55,800 करोड़ घटी।

ईरान: संघर्ष के केंद्र में होने के कारण 4.30 करोड़ बैरल निर्यात घटा, 23,095 करोड़ का घाटा।

यूएई: निर्यात में 5.50 करोड़ बैरल की कमी से 15,405 करोड़ का नुकसान।

नए वैकल्पिक मार्गों की तलाश जरूरी: एसएंडपी ग्लोबल के वैश्विक तेल आपूर्ति प्रमुख जिम बर्कहार्ड के अनुसार यदि यह संकट लंबे समय तक खिंचता है तो वही देश मजबूत बनकर उभरेंगे जिनके पास तेल निकासी के वैकल्पिक मार्ग हैं। जो देश पूरी तरह से होर्मुज स्ट्रेट जैसे संवेदनशील जलमार्गों पर निर्भर हैं, उनकी आर्थिक मुश्किलें भविष्य में और बढ़ सकती हैं। यह संकट वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा के लिए नए और सुरक्षित रास्ते तलाशने की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 21 मई, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

श्रीमद् भागवत कथा में गूंजे राम और कृष्ण जन्मोत्सव के जयकारे

हरिराम जी महाराज ने सुनाया वामन अवतार, राम जन्मोत्सव एवं कृष्ण जन्मोत्सव का भावपूर्ण वर्णन

हैदराबाद, 20 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सांवरिया सेठ भक्त मंडल के तत्वावधान में श्री राधाकृष्ण धाम शृंग ऋषि भवन में आयोजित श्रीमद् भागवत सप्ताह के चतुर्थ दिवस पर विश्व विख्यात कथावाचक श्री हरिराम जी महाराज ने वामन अवतार, राम जन्मोत्सव एवं कृष्ण जन्मोत्सव के पावन प्रसंगों का अत्यंत भावपूर्ण वर्णन किया। कथा के दौरान महाराज श्री ने कहा कि भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण का अवतार केवल लीला या उत्सव के लिए नहीं, बल्कि मानव जीवन को सही दिशा देने तथा सनातन धर्म को संस्कारों से संचित करने के लिए हुआ है। उनके जीवन से आज के युग में भी आदर्श, मर्यादा और कर्मयोग की महत्वपूर्ण सीख प्राप्त होती है।

श्रीराम के जीवन से मिलती है मर्यादा और कर्तव्य की प्रेरणा

श्रीराम जन्मोत्सव के प्रसंग में महाराज श्री ने बताया कि भगवान श्रीराम मर्यादा पुरुषोत्तम हैं और उनका संपूर्ण जीवन सत्य, त्याग, कर्तव्य एवं अनुशासन का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि वनवास के समय माता-पिता की आज्ञा का पालन, राजपाट का त्याग, भाई-भाई के प्रेम का आदर्श तथा प्रजा के प्रति कर्तव्यभाव हमें यह सिखाता है कि जीवन में परिस्थितियाँ कैसी भी हों, धर्म और मर्यादा का मार्ग नहीं छोड़ना चाहिए।

महाराज श्री ने कहा कि आज के समय में जब परिवार और समाज में संस्कार कमजोर हो रहे हैं, तब श्रीराम का जीवन संयम, धैर्य और जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा देता है।

श्रीकृष्ण ने सिखाया कर्मयोग और जीवन जीने की कला

कथा में आगे कृष्ण जन्मोत्सव का वर्णन करते हुए महाराज श्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण प्रेम, करुणा, चतुराई और कर्मयोग के प्रतीक हैं। बाल लीलाओं से लेकर महाभारत के युद्ध तक श्रीकृष्ण ने हर परिस्थिति में जीवन जीने की कला सिखाई।

गीता के उपदेश का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि कर्म करते रहना ही मानव का कर्तव्य है तथा फल की चिंता ईश्वर पर छोड़ देनी चाहिए।

महाराज श्री ने कहा कि श्रीकृष्ण का जीवन बताता है कि बुद्धि, विवेक और प्रेम से बड़े से बड़े संकट का समाधान किया जा सकता है। श्रीराम और श्रीकृष्ण दोनों के जीवन से अलग-अलग लेकिन पूरक संदेश प्राप्त होते हैं। श्रीराम हमें आदर्श और मर्यादा सिखाते हैं, जबकि श्रीकृष्ण व्यवहारिक जीवन में संतुलन, प्रेम और कर्म की प्रेरणा देते हैं। यदि मानव अपने जीवन में राम की मर्यादा और कृष्ण की बुद्धि को अपना ले तो समाज की अनेक समस्याएँ स्वतः समाप्त हो सकती हैं।

चतुर्थ दिवस की कथा में श्रद्धालुओं ने राम और कृष्ण के जयकारों के साथ भाव-विभोर होकर धर्म, संस्कार और जीवन मूल्यों को अपनाने का संकल्प लिया। नन्द घर आनंद भयो भजन के दौरान पूरा पंडाल भक्तिमय वातावरण में झूम उठा।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए आयोजकों ने बताया कि गुरुवार, 21 मई 2026 को पंचम दिवस की कथा में श्रीकृष्ण बाल लीला, नंदोत्सव एवं छप्पन भोग का विशेष वर्णन किया जाएगा। आरती के पश्चात प्रसाद वितरण के साथ कथा को विश्राम दिया गया।

आवास समिति की बैठक संपन्न, चातुर्मास वर्षावास की तैयारियों पर हुआ विस्तृत मंथन

साधु-साध्वियों एवं श्रद्धालुओं की आवास व्यवस्था को लेकर हुई महत्वपूर्ण चर्चा

हैदराबाद, 20 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। आगामी संघ शास्ता वर्षावास एवं चातुर्मास 2026, त्रय नगर, हैदराबाद की तैयारियों के अंतर्गत प्रमुख सलाहकार संघवी अमरचंद श्रीश्रीमाल के मार्गदर्शन एवं देखरेख में बुधवार, 20 मई 2026 को उनके बशीरबाग स्थित निवास पर आवास समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई बैठक में चातुर्मास के दौरान साधु-साध्वियों एवं आगंतुक श्रद्धालुओं की आवास व्यवस्था से जुड़े विभिन्न विषयों पर गंभीरता एवं विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

बैठक में विशेष रूप से बड़ौदा से आए राहुल इवेंट के अभिषेक जैन ने कारवान स्थित श्री जिनकुशल दादावाड़ी की कुशल वाटिका का विस्तृत निरीक्षण करने के बाद अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की।

उन्होंने आवास व्यवस्था, उपलब्ध सुविधाओं, मरम्मत कार्य एवं आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर अपने सुझाव दिए तथा आगामी कार्य योजना पर विस्तार से जानकारी साझा की।

इस अवसर पर किशोरजी संचेती एवं विकासजी सोलंकी ने दादावाड़ी कुशल वाटिका में वर्तमान में चल रहे मरम्मत एवं सौंदर्यीकरण कार्यों के संबंध में अपने अनुभव साझा किए तथा सदस्यों को कार्यों की प्रगति से अवगत कराया।

उन्होंने बताया कि समिति द्वारा सभी व्यवस्थाओं को समयबद्ध एवं व्यवस्थित ढंग से पूर्ण करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

बैठक में आतिश श्रीश्रीमाल, पदम कोठारी, जसराज बाफना एवं राजीव समदड़िया ने भी अपने बहुमूल्य सुझाव प्रस्तुत किए तथा विभिन्न व्यवस्थाओं की जिम्मेदारियां स्वीकार करते हुए आयोजन को सफल बनाने हेतु पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

संपूर्ण बैठक सकारात्मक एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। अंत में पदमजी कोठारी ने सभी उपस्थित सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया।

अग्रवाल समाज तेलंगाना ग्रीष्मकालीन शिविर जारी

हैदराबाद, 20 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)

अग्रवाल समाज तेलंगाना ग्रीष्मकालीन शिविर चेयरपर्सन श्रीमती मोनिका अग्रवाल के नेतृत्व में छठे दिन की शुरुआत सबसे पहले हनुमान चालीसा और बच्चों द्वारा श्लोक पाठ से की गई। आज की मेंटर प्रीति अग्रवाल जी द्वारा टिशू आर्ट सिखाया गया। चेयरपर्सन श्रीमती मोनिका अग्रवाल के नेतृत्व में आज शिविर के छठे दिन की शुरुआत सबसे पहले हनुमान चालीसा और बच्चों द्वारा श्लोक पाठ से की गई। आज की मेंटर प्रीति अग्रवाल जी द्वारा टिशू आर्ट सिखाया गया। मुख्य अतिथि श्रीमती ममता अग्रवाल जी ने बच्चों को प्रोत्साहित किया। आज हमारे साथ सेंट्रल मंत्री श्रीमती सीमा जैन जी भी उपस्थित रहीं। आज का नाश्ता श्रीमती सीमा जैन जी द्वारा रखा गया। सफल बनाने में हमारी टीम सेंट्रल ऑफिस शीतल अग्रवाल, साथ में शीतल रूंगटा, रानी मित्तल, सुमन गुप्ता, सीमा अग्रवाल, संगीता अग्रवाल, सांची, पायल, काशवी और भूमि का विशेष सहयोग रहा।

पंच कुण्डीय महायज्ञ आज से

श्री जगन्नाथ सेवा समिति द्वारा तैयारियां पूर्ण

निर्माणाधीन यज्ञशाला में आयोजित हुई समिति की महत्वपूर्ण बैठक

हैदराबाद, 20 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री जगन्नाथ सेवा समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक निर्माणाधीन यज्ञशाला, गोल्डन टेम्पल, बंजारा हिल्स में आयोजित की गई।

समिति के मानद मंत्री एवं प्रेस व विज्ञापन संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि श्री जगन्नाथ सेवा समिति द्वारा 21 से 27 मई 2026 तक आयोजित होने वाले श्री पंच कुण्डीय लक्ष्मी नारायण महायज्ञ की तैयारियां पूर्ण हो गई।

बैठक के दौरान गोल्डन टेम्पल में निर्माणाधीन यज्ञ कुंड एवं यज्ञशाला के कार्यों का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर समिति के मुख्य यजमान बजरंग प्रसाद गुप्ता, अध्यक्ष मुन्ना लाल अग्रवाल, उपाध्यक्ष सुभाष कुमार अग्रवाल, मानद मंत्री मुकुंद लाल अग्रवाल, सह मंत्री गुलाब चंद अग्रवाल, कोषाध्यक्ष रविंद्र कुमार अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजक शंकर लाल अग्रवाल एवं सुरेश कुमार अग्रवाल उपस्थित रहे।

इसके साथ ही यज्ञ स्थल संयोजक माणक गुप्ता, भूमि पूजन संयोजक राजेन्द्र कुमार अग्रवाल, कलश यात्रा संयोजक सुनील कुमार गुप्ता, परामर्शदाता सुरेंद्र कुमार गोयल, सुरेश कुमार अग्रवाल टी. रामा तथा दिनेश पांचाल ने भी निर्माण कार्य का निरीक्षण करते हुए आवश्यक जानकारी प्राप्त की।

समिति के अनुसार गुरुवार, 21 मई को प्रातः 8:31 बजे 108 कलशों की भव्य यात्रा श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर, गोल्डन टेम्पल से प्रस्थान कर यज्ञशाला पहुंचेगी। वहां वैदिक विधि-विधान के साथ कलश पूजन एवं स्थापना की जाएगी।

समिति ने बताया कि महायज्ञ की पूर्णाहुति के पश्चात कलश धारकों को विधिवत कलश सौंपे जाएंगे। श्री जगन्नाथ सेवा समिति के संयोजक सुरेश कुमार अग्रवाल एवं शंकरलाल अग्रवाल ने सभी सनातन धर्म प्रेमियों से महायज्ञ में पहुंचकर दर्शन करने तथा प्रसाद ग्रहण करने का आग्रह किया है।

राधे-राधे ग्रुप की सेवा भावना समाज के लिए प्रेरणादायक : रेनू शर्मा

हैदराबाद, 20 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बुधवार को बेगम बाजार स्थित बहु देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जरूरतमंदों को श्रद्धा और सम्मान के साथ भोजन वितरण किया गया तथा सेवा भाव का संदेश दिया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए रेनू शर्मा ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप आज समाज सेवा के क्षेत्र में अपनी एक नई पहचान बना चुका है। उन्होंने कहा कि यहां बिना किसी भेदभाव के निस्वार्थ भाव और पूर्ण समर्पण के साथ सेवा कार्य किया जा रहा है, जो समाज के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों की सहायता करना सबसे बड़ा मानव धर्म है और ऐसे सेवा कार्यों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, पन्नालाल अग्रवाल, जगन गुप्ता, नीलम विजयवर्गीय, लता गोयल, शर्मिला अग्रवाल, मीना अग्रवाल, रेनू गुप्ता, रेनू शर्मा, अर्चना शास्त्री, मोहित अग्रवाल एवं शिव भगवान अग्रवाल सहित अनेक सेवाभावी सदस्यों ने अपनी सहभागिता निभाई। सभी ने मिलकर जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया और सेवा कार्य को सफल बनाया।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सदस्यों ने भविष्य में भी इसी प्रकार नियमित रूप से सेवा कार्य जारी रखने का संकल्प लिया।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में सदस्यता कार्यक्रम आयोजित

अल्पसंख्यक समुदाय के कई लोगों ने ग्रहण की भाजपा की सदस्यता

हैदराबाद, 20 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में मुकेश चौहान ने बताया कि भाजपा प्रदेश कार्यालय में एक सदस्यता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें अल्पसंख्यक समुदाय के कई सदस्यों ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

यह कार्यक्रम भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा तेलंगाना के अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर सरदार जगमोहन सिंह ने सभी नए सदस्यों का भाजपा परिवार में स्वागत करते हुए उन्हें नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र निर्माण, विकास एवं सेवा के मार्ग को चुनने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि भाजपा समाज के हर वर्ग, विशेषकर अल्पसंख्यकों के कल्याण एवं सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। पार्टी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के विज़न को समर्थन देने के लिए अधिक से अधिक लोग आगे आ रहे हैं। कार्यक्रम में शामिल नए सदस्यों ने भाजपा के नेतृत्व एवं विचारधारा पर विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि वे जमीनी स्तर पर सक्रिय होकर पार्टी को मजबूत बनाने तथा जनता की सेवा करने का कार्य करेंगे।

अत्तापुर में केदारनाथ जमना देवी लाठी परिवार द्वारा भव्य श्याम कथा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कथावाचक श्री मुकेश महाराज का पगड़ी, मोती माला एवं केसरिया शाल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर श्रीनिवास सोमानी, राजस्थानियों के प्रतिनिधियों, सुरेश कुमार मोदी तथा केदारनाथ जमना देवी लाठी परिवार का भी शाल ओढ़ाकर सम्मान किया गया।

तुलजा भवानी माता मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना सम्पन्न

हैदराबाद, 20 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तुलजा भवानी माता मंदिर में जियागुड़ा के नगरसेवक (पूर्व) बोहिनी दर्शन, जीयागुड़ा इमामपुरा नव भारत संगम के पूर्व अध्यक्ष मधिरा सत्यनारायण, भाजपा नेता मुरली, निखिलेश, एन. जगदीश एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने विशेष पूजा-अर्चना एवं आरती में भाग लेकर देवी का आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर परिसर में आयोजित विशेष पूजा के दौरान सभी श्रद्धालुओं ने माता तुलजा भवानी की आराधना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की। पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं ने विधिवत आरती में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए जीयागुड़ा नगरसेवक (पूर्व) बोहिनी दर्शन ने कहा कि तुलजा भवानी माता की विशेष पूजा कर उन्हें अत्यंत प्रसन्नता हुई है। उन्होंने कहा कि माता का आशीर्वाद सदैव जीयागुड़ा क्षेत्र के लोगों पर बना रहे तथा सभी नागरिक सुखी और खुशहाल जीवन व्यतीत करें।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज शिव पंचाक्षर मंत्र का जप करें , सुहागन स्त्रियों को फल और मिष्ठान देवें । आय के स्रोतों में वृद्धि में होगी, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। सकारात्मक सोच व आत्मविश्वास कार्यों में सफलता दिलाएगा। प्रॉपर्टी में निवेश से लाभ होगा । परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजनों–मित्रों का भरपूर सहयोग मिलेगा, जिससे आपके अंदर एक नई ऊर्जा आएगी। सेहत का लेकर सावधानी बरतें। छात्रों के लिए समय कठिन परिश्रम वाला रहेगा परन्तु सफलता मिलेगी ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज सुबह कर दर्शन करें सूर्य नमस्कार करें आरोग्यता और शुभता मिलेगी । बुजुर्गों के आशीर्वाद से व्यापार अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति बनेगी। नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे। कार्यभार की अधिकता रहेगी, लेकिन अपनी योग्यता और क्षमताओं का भरपूर लाभ उठायेंगे। आय के स्रोत बढ़ेंगे और आकस्मिक धनलाभ की संभावना रहेगी। मित्रों से सहयोग प्राप्त होगा। परिवार का माहौल आपके अनुकूल रहेगा। शाम के वक्त चीटियों को शक्कर डालें

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज थोडी मुश्किलें आ सकती हैं परन्तु चिंता करने की आवश्यकता नही हैं ईष्टदेव का ध्यान करें और ब्राह्मण को शक्कर का दान करें । अनावश्यक खर्च बढ़ने से चिंतित रहेंगे, जिससे क्रोध की अधिकता रहेगी। बिना सोचे किसी कार्य की शुरुआत न करें, अन्यथा नुकसान की संभावना रहेगी। सामाजिक और धार्मिक कार्यों के प्रति रुझान बढ़ेगा। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। परिवार मे सन्तोष का माहौल रहेगा ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आर्थिक लाभ बनता हुआ दिख रहा हैं कारोबार में स्थिति अनुकूल रहेगी । आय के स्रोत बढ़ाने के प्रयास सफल होंगे। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी, लेकिन कड़ी मेहनत से कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। पुराने मित्रों से सुखद मिलन होगा। संतान के लिए कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेना पड़ सकता है। परिवार के साथ कुछ अच्छे पलों का आनंद उठा सकते हैं। सुख–सुविधाओं में वृद्धि होगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय बनाने के लिए संयम की आवश्यकता हैं ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज शरीर मे थकान ज्यादा रहेगी ध्यान और योग दिनचर्या मे शामिल करें । व्यापार–धंधा अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति रहेगी, लेकिन अनावश्यक खर्च की भी अधिकता रहेगी। सहयोगी कार्य में व्यवधान उत्पन्न कर सकते हैं, इसलिए संभलकर रहने की आवश्यकता है। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता और भागदौड़ की स्थिति रहेगी। किसी से विवाद होने की परिस्थिति मे अपने क्रोध पर नियंत्रण रखना बहुत आवश्यक हैं ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज कारोबार के लिए तो दिन अच्छा हैं घरेलू उलझनें रहेगी , बडे बुजुर्गो से मध्यस्था कराने से बाते सुलझ जांएगी आप को परिश्रम करना पडेगा तभी काम मनोकुल होगा , लेकिन अनावश्यक खर्च बढ़ने से आर्थिक स्थिति प्रतिकूल हो सकती है। लेन–देन में सावधानी बरतें। धर्म–कर्म के प्रति आस्था बढ़ेगी। दोस्तों से व्यवहार अच्छा रहेगा । नंदी महाराज को दलीया और गुड खिलाए , तुलसी का पौधा सींचे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन और माहौल दोनों बढीया हैं कामकाज में कमी रहेगी दूसरे स्रोत से धनलाभ की स्थिति रहेगी। व्यापारिक यात्रा के योग रहेंगे, जो लाभदायक रहेगी। विद्यार्थियों को अधिक परिश्रम करना होगा। वाहन या किसी तरह की संपत्ति भी खरीदने में रुचि ले सकते हैं। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजनों का भरपूर सहयोग मिलेगा। दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा। बेरोजगारी दूर होगी । चहलकदमी करें शरीर तंदरुस्त रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज परिश्रम ज्यादा करना कार्यक्षेत्र में मुश्किलें पैदा होंगी छोटी–छोटी परेशानियां आ सकती हैं, लेकिन अपने प्रयासों और कड़ी मेहनत से कार्यों में सफल होंगे, जिससे मनोबल बढ़ेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। जरूरी कार्य समय पर पूरे होंगे। सामाजिक कार्यों के प्रति रूझान बढ़ेगा। स्वास्थ्य की अनदेखी न करें। मित्रों से मुलाकात प्रसन्नता देगी। आपका पारिवारिक जीवन थोड़ा संघर्षमय रह सकता है। यात्रा का योग बन रहा हैं दूध का दान करके यात्रा आरंभ करें ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा । प्रॉपर्टी और शेयर बाजार में निवेश लाभदायक रहेगा। बुजुर्गों के आशीर्वाद से कार्यों में सफलता मिलेगी और सुख–समृद्धि में वृद्धि होगी। परिवार का माहौल आनंदमय रहेगा। काम की अधिकता से थकान का अनुभव कर सकते हैं। क्रोध पर नियंत्रण रखें। किसी मांगलिक आयोजन में शामिल हो सकते है शापिंग पर खर्चा होगा सुख सुविधाओं पर व्यय अधिक होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज का दिन बहतर सुविधाओं वाला रहेगा । किसी नये कार्य की शुरुआत कर सकते हैं। बेरोजगारों को नौकरी के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। परिवार में मंगल कार्यों का आयोजन हो सकता है। वाहन या किसी तरह की संपत्ति भी खरीदने के योग बन रहे हैं। घरेलू जीवन में प्रतिकूलता का सामना करना पड़ सकता है। परिवार में किसी सदस्य से अनबन हो सकती है। संबंधों में मधुरता बनाए रखने के लिए संयम रखना आवश्यक है। शाम को दूध का सेवन करें स्वास्थ्य अच्छा रहेगा ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज सुबह मंदिर दर्शन करें कार्यसिद्धि होगी विरोधी शान्त रहेंगे व्यापार में धन प्राप्ति के योग हैं। कारोबार में काम की अधिकता रहेगी लेकिन कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिल सकती है। परिवार के किसी उत्सव में खर्च की अधिकता रहेगी। परिवार में वाद–विवाद की स्थिति बन सकती है, इसलिए समझदारी का परिचय देते हुए परिवार समस्याओं को सुलझाने का प्रयास करें। शिवपार्वती का पूजन करें दाम्पत्यजीवन सुखमय रहेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज समय उलझनों मे बितेगा अनजान व्यक्ति पर भरोसा नही करें। अपनी मेहनत पर विश्वास करें और आगे बढ़ते रहें। अपने प्रयासों से कार्यों में सफलता मिलेगी। जीमन–जायदाद के सौदे करने से पहले बुजुर्गों की सलाह अवश्य लें। किसी नवीन कार्य की शुरुआत कर सकते हैं। धर्म–कर्म के प्रति आस्था बढ़ेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा। मित्रों के साथ यात्रा का समय बन रहा हैं संबंध मे मधुरता रहेगी स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 21 मई 2026 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2083
मास : अधिक ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : पंचमी प्रातः 08:29 तक
नक्षत्र : पुष्य रात्रि 02:50 तक
योग : गण्ड प्रातः 10:58 तक
करण : बालव प्रातः 08:29 तक
चन्द्रराशि : कर्क
सूर्योदय : 05:42, सूर्यास्त 06:43 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:39 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:33 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:35, सूर्यास्त 06:33 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल रात्रि 02:50 से, गुरु पुष्य अमृत सिद्धि योग प्रातः 05:42 से रात्रि 02:50 तक ,अधिक मास चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राधे–राधे ग्रुप की सेवा भावना वास्तव में अद्वितीय निराश्रितों के लिए बन रहा सहारा :भगत राम गोयल

हैदराबाद, 20 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान एवं सेवा कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, समर्पण और मानव सेवा की भावना के साथ किया गया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंद, निराश्रित एवं राहगीरों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरण किया गया। सेवा कार्य में ग्रुप के सदस्यों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लेते हुए मानवता का संदेश दिया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए भगत राम गोयल ने कहा कि राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद पिछले लंबे समय से जिस निस्वार्थ भाव, अनुशासन और समर्पण के साथ सेवा कार्य कर रहा है, वह वास्तव में अद्वितीय और अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में जहां अधिकांश लोग केवल अपने परिवार और स्वार्थ तक सीमित हो चुके हैं, वहीं राधे–राधे ग्रुप बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंदों तक भोजन और सहयोग पहुंचाकर समाज के सामने एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है।भगत राम गोयल ने कहा कि राधे–राधे ग्रुप की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां सेवा के कार्य पूरी विनम्रता और श्रद्धा के साथ किए जाते हैं। जरूरतमंदों की सहायता करते समय किसी प्रकार का दिखावा नहीं किया जाता, बल्कि उन्हें सम्मान और आत्मीयता के साथ भोजन एवं सहयोग प्रदान किया जाता है। यही कारण है कि आज यह ग्रुप समाज में अपनी अलग पहचान बना चुका है और अनेक लोग इससे प्रेरित होकर सेवा कार्यों से जुड़ रहे हैं।

उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा कि राधे–राधे ग्रुप का यह सेवा अभियान निरंतर आगे बढ़ता रहे तथा अधिक से अधिक लोग मानवता की इस मुहिम में सहभागी बनें, ताकि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाई जा सके।

कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, जगन गुप्ता, मनीष चिंडालिया, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, संजय गोयल, किरण गोयल, जय प्रकाश सारड़ा, गजराज श्री श्रीमाल जैन, भगत राम गोयल एवं नरेश बंसल सहित अनेक सेवाभावी सदस्य उपस्थित रहे।

आगम ग्रंथ वासक्षेप पूजा एवं जन्मोत्सव धार्मिक भावनाओं के साथ संपन्न

रसलपुरा आराधना भवन में श्रद्धा एवं भक्तिभाव से आयोजित हुए धार्मिक कार्यक्रम

हैदराबाद, 20 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। रसूलपुरा आराधना भवन में सिरोही निवासी श्रीमती पुष्पाबेन जैन रत्न रमेशजी तातेड परिवार द्वारा आगम ग्रंथ की वासक्षेप पूजा म.सा. एवं साध्वीवृंद की निश्रा में श्रद्धा एवं भक्तिभावपूर्वक संपन्न की गई।

इस अवसर पर धर्म आराधना एवं जिनशासन प्रभावना का सुंदर आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम के दौरान श्रीमती पुष्पाबेन रमेशजी तातेड का जन्मदिन भी धार्मिक वातावरण में हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया। जिनालय में स्नात्र पूजा एवं अन्य मंगलमय धार्मिक आयोजन संपन्न हुए। तातेड परिवार, कांकरिया परिवार एवं समस्त परिचितजनों द्वारा उन्हें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की गईं। इस अवसर पर पूनम–रितेश, रीना–तपन, हैय्या, जिन्ने, इटेंस, हरित एवं एतांश तातेड विशेष रूप से उपस्थित रहे।

वहीं, श्री भरतकुमारजी एवं विकासकुमारजी गोलेच्छा परिवार, गढ़सिवाना तथा सिकंदराबाद के भाणेज मुमुक्षु दर्शन कुमार द्वारा दीक्षा अंगीकार करने के निमित्त तातेड परिवार की ओर से शुभकामनाएं प्रेषित की गईं।

गौ हत्या रोकने के लिए सख्त राष्ट्रीय कानून बनाने की मांग

इंकलाब सेना पार्टी ने केंद्र सरकार से संसद में कानून लाने की अपील की

हैदराबाद, 20 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। इंकलाब सेना पार्टी ने देश में गौ हत्या रोकने के लिए केंद्र सरकार से संसद में सख्त राष्ट्रीय कानून लाने और उसे शीघ्र पारित करने की मांग की है।

पार्टी की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि भारत सरकार गाय को आधिकारिक रूप से भारत का पवित्र पशु घोषित करे, ताकि करोड़ों भारतीयों की धार्मिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक भावनाओं का सम्मान एवं संरक्षण हो सके।

पार्टी ने सभी गौ रक्षक संगठनों, हिंदू संगठनों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं देशवासियों से एकजुट होकर इस मुद्दे पर लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से संघर्ष करने की अपील की।

विज्ञप्ति में कहा गया कि जिस प्रकार संसद में जीएसटी, एनआरसी, संशोधन विधेयकों एवं भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं में बदलाव किए गए, उसी प्रकार गौ रक्षा के लिए भी एक मजबूत राष्ट्रीय कानून बनाया जाना चाहिए।

पार्टी ने कहा कि गौ माता का नाम लेकर राजनीति में सत्ता में आने के बावजूद अब तक इस विषय पर कोई स्थायी एवं ठोस कदम नहीं उठाया गया, जो चिंताजनक है।

विज्ञप्ति में कहा गया कि हिंदू समाज गाय को केवल एक पशु नहीं, बल्कि पवित्र, पूजनीय एवं

सम्माननीय मानता है। वर्तमान में गायों की हत्या एवं कटाई से करोड़ों लोगों की भावनाएं आहत हो रही हैं। इंकलाब सेना पार्टी ने अपनी प्रमुख मांगों में संसद में राष्ट्रीय गौ हत्या निषेध कानून लाने, गाय को भारत का पवित्र पशु घोषित करने, अवैध गौ हत्या पर सख्त कानूनी कार्रवाई एवं कठोर सजा देने, शांतिपूर्ण तरीके से कार्य कर रहे गौ रक्षक संगठनों को संरक्षण प्रदान करने तथा गौ रक्षा के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एकजुट आंदोलन चलाने की मांग शामिल की है। पार्टी के प्रवक्ता राजेश मुदिराज ने भारत सरकार से देशवासियों की भावनाओं का सम्मान करते हुए इस विषय पर तत्काल कार्रवाई करने की अपील की।

जवईनिया गांव के पास कटाव निरोधक कार्य का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

भोजपुर, 20 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तनय सुल्तानिया द्वारा बुधवार को भोजपुर जिले के शाहपुर प्रखंड अंतर्गत दामोदरपुर पंचायत में बक्सर–कोइलवर गंगा तटबंध के जवईनिया गांव के पास चल रहे कटाव निरोधक कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों एवं कार्य एजेंसियों से कटाव निरोधक कार्यों की प्रगति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता बनाए रखते हुए सभी कार्यों को युद्धस्तर पर शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया।

जिलाधिकारी ने कहा कि गंगा तटबंध की सुरक्षा एवं आसपास के गांवों को कटाव से बचाने के लिए प्रशासन पूरी गंभीरता के साथ कार्य कर रहा है।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को आवश्यक तकनीकी एवं प्रशासनिक दिशा–निर्देश भी दिए गए, ताकि आगामी मानसून को ध्यान में रखते हुए कार्य समय पर पूरा किया जा सके।

प्रथम पृष्ठ का शेष

भक्तों की...

श्रद्धालुओं को आकर्षित करती रही हैं। कोई सोने–चांदी के मुकुट चढ़ाता है तो कोई अपनी मनोकामना पूर्ण होने पर विशेष भेंट अर्पित करता है। लेकिन इस बार एक भक्त परिवार ने भगवान श्री सांवलिया सेठ के चरणों में ऐसा उपहार चढ़ाया, जिसने हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है।

197 ग्राम चांदी का हार्ट भेंट

सांवलिया जी निवासी बालमुकुंद तिवारी के परिवार ने ठाकुरजी को 197 ग्राम वजनी चांदी से निर्मित हार्ट (दिल) भेंट किया है। यह भेंट केवल चांदी का एक प्रतीक नहीं बल्कि आस्था, विश्वास और भगवान के प्रति अटूट श्रद्धा का भावनात्मक प्रतीक भी बन गई है।

जानकारी के अनुसार, करीब दो साल पहले बालमुकुंद तिवारी की अचानक तबियत बिगड़ गई थी। हार्ट अटैक आने के बाद परिजन उन्हें उपचार के लिए पहले उदयपुर और फिर गुजरात के अहमदाबाद शहर लेकर पहुंचे, जहां उनका हार्ट बाईपास ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के दौरान परिवार ने भगवान श्री सांवलिया सेठ से मन्नत मांगी थी कि यदि सर्जरी सफल रही तो ठाकुरजी को चांदी का दिल अर्पित करेंगे।

भगवान की कृपा से ऑपरेशन सफल होने के बाद परिवार ने अपनी मन्नत पूरी की। श्रद्धा और उत्साह से भरे परिवारजन और रिश्तेदार बैंड–बाजों के साथ घर से चांदी का हार्ट लेकर मंदिर के लिए रवाना हुए। पूरे रास्ते भक्तजन जय श्री सांवलिया सेठ के जयकारों और भजनों पर नाचते–झूमते नजर आए। मंदिर पहुंचने पर परिवार ने भेंट कक्ष कार्यालय में 197 ग्राम वजनी चांदी का दिल भगवान को समर्पित किया और विधिवत रसीद प्राप्त की।

इस अवसर पर मंदिर मंडल की ओर से परिवार का उपरना ओढ़ाकर सम्मान किया गया और ठाकुरजी का प्रसाद भेंट किया गया। भगवान श्री सांवलिया सेठ को अर्पित किया गया यह अनोखा चांदी का हार्ट अब पूरे इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है। श्रद्धालु इसे भगवान के प्रति अटूट विश्वास और मनोकामना पूर्ण होने की जीवंत मिसाल के रूप में देख रहे हैं।

मेलोनी को ...

दोनों नेताओं के बीच हल्का–फुल्का और दोस्ताना अंदाज लोगों को काफी पसंद आ रहा है। यही वजह है कि यह वीडियो इंस्टाग्राम, एक्स और यूट्यूब पर तेजी से शेयर किया जाने लगा। असल में मेलोडी और मेलोनी को जोड़कर सोशल मीडिया पर पहले से ही मेलोडी नाम काफी वायरल रहा है। 2023 जी 20 शिखर सम्मेलन के दौरान भी दोनों नेताओं की सेल्फी और वीडियो इंटरनेट पर खूब वायरल हुए थे। अब जब पीएम मोदी ने मेलोनी को मेलोडी टॉफी गिफ्ट की, तो इंटरनेट को एक नया मीम कंटेंट मिल गया। लोगों ने इसे मेलोडी मोमेंट कहना शुरू कर दिया।

मीम्स की बाढ़, पार्ले टॉफी हुई ट्रेंड

इस वीडियो के वायरल होते ही सोशल मीडिया पर मीम्स की बाढ़ आ गई। कई यूजर्स मजाक में लिखने लगे मेलोडी इतनी चॉकलेटी क्यों है?, वहीं कुछ लोग पार्ले कंपनी को सबसे बड़ा फायदा होने की बात कह रहे हैं। गूगल और एक्स पर मेलोडी, मेलोडी और पार्ले जैसे शब्द भी तेजी से ट्रेंड करने लगे।

इतना ही नहीं, क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स जैसे ब्लिंकिट पर भी मेलोडी टॉफी की सर्च अचानक बढ़ गई। कई ब्रांड्स ने भी इस ट्रेंड को पकड़कर मजेदार पोस्ट डालनी शुरू कर दीं। यहां तक कि कुछ निवेशकों ने कन्फ्यूजन में पार्ले इंडस्ट्रीज के शेयर खरीद लिए, जिसके बाद कंपनी के शेयर में उछाल तक देखने को मिला।

राहुल गांधी ने कसा तंज

हालांकि इस वायरल वीडियो पर राजनीति भी शुरू हो गई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस पर तंज कसते हुए इसे नौटंकी बताया और कहा कि देश आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहा है, ऐसे समय में इस तरह की चीजों पर ध्यान दिया जा रहा है।

लेकिन सोशल मीडिया पर ज्यादातर लोग इस मोमेंट को हल्के और मजेदार अंदाज में देख रहे हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि आज के समय में इंटरनेट पर वही चीज सबसे तेजी से वायरल होती है जिसमें राजनीति, ह्यूमर और ह्यूमन कनेक्शन तीनों मौजूद हों। मोदी और मेलोनी के इस वीडियो में यही तीनों चीजें देखने को मिलीं।

59 साल बाद ...

दोनों नए मंत्री तमिलनाडु की जनता की उम्मीदों पर खरे उतरेंगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के जन–कल्याणकारी और प्रगतिशील विज़न को लागू करने के लिए काम करेंगे। पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम ने भी इस फैसले पर खुशी जताते हुए दोनों विधायकों को बधाई दी।

बता दें कि हाल ही में संपन्न हुए तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने द्रमुक के साथ चुनाव–पूर्व गठबंधन में चुनाव लड़ा था और उसके 5 विधायक जीते थे। हालांकि, चुनाव नतीजों (4 मई) के बाद जब सीएम विजय की पार्टी टीवीके 234 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के आंकड़े से थोड़ा पीछे रह गई, तो कांग्रेस ने द्रमुक का साथ छोड़ दिया और विजय सरकार को समर्थन देने का फैसला किया।

क्यों टूटा द्रमुक –कांग्रेस का पुराना रिश्ता?

यह कूटनीतिक बदलाव अचानक नहीं हुआ है। दरअसल, 2026 के विधानसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस के भीतर से सत्ता में हिस्सेदारी की मांग उठ रही थी। तत्कालीन मुख्यमंत्री और द्रमुक अध्यक्ष एम.के. स्टालिन ने साफ कह दिया था कि तमिलनाडु की राजनीति में 'पावर शेयरिंग फॉर्मूला' (गठबंधन सरकार) काम नहीं करेगा।

दूसरी ओर, साल 2024 में अपनी पार्टी लॉन्च करने वाले विजय ने शुरुआत से ही अपने सहयोगियों को सत्ता में उचित हिस्सेदारी देने का वादा किया था। डीएमके के कड़े रुख के कारण उसके और कांग्रेस के रिश्तों में खटास आ गई थी, जिसके चलते चुनाव प्रचार के दौरान भी राहुल गांधी और स्टालिन एक साथ मंच पर नजर नहीं आए थे।

तमिलनाडु की सत्ता का इतिहास (1952 से 2026)

तमिलनाडु में कांग्रेस की यह वापसी इसलिए भी खास मानी जा रही है क्योंकि 1967 के बाद पहली बार पार्टी सीधे सत्ता का हिस्सा बनेगी। 1952 से 1967 तक तमिलनाडु में कांग्रेस की सरकार रही थी। उस दौर में सी राज गोपालाचारी, के कामराज और एम भक्तवत्सलम जैसे दिग्गज नेताओं ने राज्य की कमान संभाली थी। लेकिन 1967 में द्रमुक के सत्ता में आने के बाद कांग्रेस कभी सरकार का हिस्सा नहीं बन सकी।

हालांकि कांग्रेस ने अलग–अलग समय पर डीएमके और एआईएडीएमके दोनों के साथ गठबंधन किया, लेकिन उसे कभी सत्ता में हिस्सेदारी नहीं मिली। 2006 से 2011 के बीच द्रमुक सरकार के दौरान भी कांग्रेस ने सरकार में हिस्सेदारी की मांग उठाई थी, लेकिन वह सफल नहीं हो सकी।

टीवीके के शीर्ष नेता और लोक निर्माण व खेल विकास मंत्री आदव अर्जुन ने बुधवार को स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री विजय का विजन सभी सहयोगी दलों को साथ लेकर चलने का है। कांग्रेस के अलावा वीसीके और आईयूएमएल के प्रतिनिधियों के भी विजय कैबिनेट में शामिल होने की पूरी संभावना है। वहीं, पार्टी ने पहले ही साफ कर दिया है कि अन्नाद्रमुक के बागी विधायकों को कैबिनेट में कोई जगह नहीं दी जाएगी।

तमिलनाडु कांग्रेस के अध्यक्ष के. सेल्वपेरुन्थागाई ने कहा कि कैबिनेट विस्तार और सरकार के कामकाज को लेकर सभी फैसले सामूहिक सहमति से लिए जा रहे हैं। गुरुवार सुबह होने वाला यह शपथ ग्रहण समारोह तमिलनाडु की राजनीति में गठबंधन सरकारों के एक नए युग की शुरुआत करने जा रहा है।

सीसीआरयूएम स्नातकोत्तर छात्रों ने किया एनआईआईएमएच का भ्रमण, दुर्लभ यूनानी पांडुलिपियों का किया अवलोकन

हैदराबाद, 20 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)

सीसीआरयूएम– राष्ट्रीय त्वचा रोग यूनानी चिकित्सा पद्धति अनुसंधान संस्थान (एनआरआईयूएमएसडी), हैदराबाद के स्नातकोत्तर छात्रों ने अपने संकाय सदस्यों के साथ सीसीआरएएस–राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा विरासत संस्थान (एनआईआईएमएच), हैदराबाद का भ्रमण किया।

भ्रमण के दौरान छात्रों ने संस्थान के पुस्तकालय का दौरा किया, जहां लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन ऑफिसर (एलआईओ) श्री के. श्रीनिवास राव ने उन्हें संग्रहों का मार्गदर्शन किया। छात्रों को मूल्यवान यूनानी पांडुलिपियों, नवप्रकाशित यूनानी पुस्तकों तथा यूनानी चिकित्सा पर दुर्लभ पुस्तकों को देखने का अवसर मिला। तत्पश्चात् छात्रों ने संग्रहालय का भ्रमण किया, जहां संग्रहालय क्यूरेटर श्री मुरली मनोहर ने उन्हें प्रदर्शनियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने संग्रहालय में संरक्षित आयुष प्रणालियों से संबंधित कई दुर्लभ कलाकृतियों को देखा।

इसके बाद डॉ. जी. पी. प्रसाद, सहायक निदेशक (प्रभारी) के मार्गदर्शन में एक बैठक आयोजित की गई। अपने उद्घाटन भाषण में डॉ. प्रसाद ने संस्थान के महत्व पर जोर दिया तथा पांडुलिपि संरक्षण, ई-बुक निर्माण, अमर परियोजनाओं, आयुष रिसर्च पोर्टल तथा यूनानी पांडुलिपियों के अनुवाद व संरक्षण से संबंधित चल रही गतिविधियों पर प्रकाश डाला।

इसके उपरांत डॉ. अशफाक अहमद, रिसर्च ऑफिसर (यूनानी) ने संस्थान में संरक्षित यूनानी पांडुलिपियों के बड़े संग्रह पर एक जानकारीपूर्ण व्याख्यान दिया। उन्होंने पांडुलिपियों के संपादन व अनुवाद की प्रक्रियाओं तथा एनआईआईएमएच द्वारा यूनानी पुस्तकों के प्रकाशन के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने छात्रों व संकाय सदस्यों को प्रोत्साहित किया कि वे एक या दो पांडुलिपियों का संपादन व आधुनिक भाषाओं में अनुवाद कर व्यापक शैक्षणिक लाभ के लिए कार्य करें। बैठक में संस्थान के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का समापन डॉ. गोविंद रेड्डी, सहायक निदेशक (आयुर्वेद) द्वारा प्रस्तावित धन्यवाद के साथ हुआ।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की संयुक्त बैठक आयोजित

रोजगार एवं व्यापार को बढ़ावा देने हेतु बनाई गई भविष्य की रूपरेखा

हैदराबाद, 20 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की कॉरपोरेट जॉब कमेटी एवं अग्रवाल से अग्रवाल बिजनेस कमेटी की संयुक्त बैठक समाज के कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल की अध्यक्षता में समाज कार्यालय में संपन्न हुई।

बैठक की शुरुआत महाराजा अग्रसेन जी को नमन के साथ की गई। इस अवसर पर नरेंद्र कुमार गोयल ने सभी उपस्थित सदस्यों का परिचय कराया तथा दोनों समितियों के भविष्य के कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की।

उन्होंने बताया कि व्यापारियों के व्यवसाय को बढ़ावा देने तथा समाज के युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं।

कॉरपोरेट जॉब कमेटी की चर्चा में निम्न प्रमुख बिंदुओं पर सहमति बनी

राजकुमार जी द्वारा दो गूगल फॉर्म तैयार किए जाएंगे, जिनमें एक नौकरी खोजने वालों तथा दूसरा नौकरी देने वालों के लिए होगा।

निकट भविष्य में जॉब मेले का आयोजन किया जाएगा।

सदस्यों को विभिन्न नौकरियों के लिए प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा।

एमओयू एवं संगठन के निर्माण तथा प्रचार-प्रसार पर कार्य किया जाएगा।

अग्रवाल कॉर्पोरेट कंपनियों से संपर्क स्थापित किया जाएगा।

सदस्यों को स्टार्टअप एवं उद्यमिता के लिए प्रेरित किया जाएगा, ताकि समाज में अधिक रोजगार के अवसर उत्पन्न हो सकें।

अग्रवाल से अग्रवाल बिजनेस कमेटी के चेयरमैन उदय गुप्ता ने बैठक में व्यापार विस्तार से जुड़े मुख्य बिंदुओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अग्रवाल से अग्रवाल व्यापार के लिए गूगल फॉर्म पहले ही तैयार किया जा चुका है, जिसे सभी अग्रबंधुओं तक पहुंचाया जाएगा। इसके माध्यम से समाज के लोग एक-दूसरे के व्यवसाय एवं सेवाओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे तथा व्यापार को आगे बढ़ाने में सहयोग मिलेगा।

उन्होंने कहा कि एक विशेष बिजनेस डायरेक्टरी भी तैयार की जाएगी, जिसे तेलंगाना सहित भारत एवं विदेश के प्रमुख व्यापारियों तक डिजिटल एवं हार्ड कॉपी दोनों रूपों में भेजा जाएगा। इसके अलावा अग्रबंधु अपने विभिन्न उत्पादों एवं सेवाओं पर विशेष छूट भी प्रदान कर सकेंगे, जिसकी जानकारी गूगल फॉर्म में सम्मिलित की जाएगी। आने वाले दिनों में हाइब्रिड बिजनेस मीटिंग आयोजित करने की भी योजना बनाई गई है।

बैठक में कॉरपोरेट जॉब कमेटी के चेयरमैन नवल किशोर बंसल, बिजनेस कमेटी के चेयरमैन उदय गुप्ता, राजकुमार अग्रवाल, श्रीमती सीनू बंसल, मुकेश कुमार केडिया, राजकिशोर अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। अंत में राजकिशोर अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

शकील सुल्तान की 1955 विलीज जीप ने हैदराबाद की विंटेज ऑटोमोबाइल विरासत को किया पुनर्जीवित

हैदराबाद, 20 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)

विलीज-ओवरलैंड मोटर्स की स्थापना तब हुई थी जब जॉन विलीज ने सन् 1908 में स्टैंडर्ड व्हील कंपनी के ओवरलैंड ऑटोमोबाइल डिवीजन को खरीद लिया था। सन् 1912 में कंपनी का नाम बदलकर विलीज-ओवरलैंड मोटर कंपनी रख दिया गया। 1912 से 1918 के बीच, विलीज-ओवरलैंड फोर्ड मोटर कंपनी के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका की दूसरी सबसे बड़ी ऑटोमोबाइल निर्माता कंपनी बन गई।

मूल 1955 विलीज जीप, जो अमेरिकी निर्माता द्वारा विकसित प्रतिष्ठित हरिकेन पेट्रोल इंजन से संचालित है और अपनी वास्तविक राइट-हैंड-ड्राइव स्थिति में संरक्षित है, ऑटोमोबाइल विरासत और विंटेज इंजीनियरिंग इतिहास का एक महत्वपूर्ण अंग है।

क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण सोमाजीगुडा के अधिकारी, जिनमें श्री पुरुषोत्तम रेड्डी क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी और श्री सुदर्शन रेड्डी (एमवीआई) शामिल हैं, इस ऐतिहासिक वाहन के पुनर्पंजीकरण प्रक्रिया में सहायता प्रदान करके अपना सहयोग बढ़ा रहे हैं, ताकि यह वाहन आधिकारिक रूप से भारत भर में प्राचीन और विंटेज ऑटोमोबाइल प्रदर्शनियों में भाग ले सके। इस दुर्लभ क्लासिक वाहन के पुनर्स्थापन और संरक्षण से हैदराबाद की समृद्ध ऑटोमोबाइल इतिहास का प्रतिबिंब दिखाई देता है और भावी पीढ़ियों के लिए विरासत ऑटोमोबाइलों के संरक्षण में बढ़ती रुचि को उजागर करता है।

हैदराबाद साउथवेस्ट एयरलाइंस के लिए एक प्रमुख वैश्विक प्रौद्योगिकी बनेगा: लॉरेन

हैदराबाद, 20 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

साउथवेस्ट एयरलाइंस की कार्यकारी उपाध्यक्ष एवं मुख्य सूचना अधिकारी (सीआईओ) लॉरेन वुड्स ने बुधवार को कहा कि हैदराबाद में एयरलाइन का शुरू किया गया नया वैश्विक नवाचार केंद्र (जीआईसी) उसके ग्लोबल नेटवर्क में एक अहम केंद्र के तौर पर काम करेगा। उन्होंने कहा कि इसका मकसद व्यापार एवं तकनीक की क्षमताओं को मज़बूत करना और भविष्य के लिए तैयार विमानन समाधानों को बढ़ावा देना है।

गाचीबोवली के नॉलेज सिटी में साउथवेस्ट एयरलाइंस के वैश्विक नवाचार केंद्र के उद्घाटन के मौके पर मीडिया से बात करते हुए श्री लॉरेन ने कहा कि कंपनी का लक्ष्य हैदराबाद सेंटर को अपने अमेरिकी ऑपरेशन्स का विस्तार केंद्र बनाना है और साथ ही स्थानीय प्रतिभा एवं तकनीकी अवसंरचना में भारी निवेश करना है। उन्होंने बताया कि इस केंद्र में अभी करीब 170 कर्मचारियों के बैठने की क्षमता है, और भविष्य में धीरे-धीरे इसका विस्तार करके कर्मचारियों की संख्या करीब 1,000 तक पहुंचाने की योजना है।

श्री लॉरेन ने कहा कि कंपनी शुरू में मुख्य तकनीकी संचालन पर ध्यान देगी, जिसमें नेटवर्क इंजीनियरिंग और विकास संचालन के काम शामिल हैं। इसके बाद वह कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) , डेटा एनालिटिक्स, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, प्रोडक्ट मैनेजमेंट और बिज़नेस क्षमताओं के क्षेत्रों में विस्तार करेगी।

हैदराबाद के शैक्षिक माहौल की अहमियत बताते हुए, उन्होंने कहा कि हैदराबाद को चुनने की एक बड़ी वजह यहाँ के विश्वविद्यालय की गुणवत्ता एवं कुशल प्रतिभा पूल है। उन्होंने कहा कि कंपनी स्थानीय विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर काम करने और हैदराबाद के साथ-साथ पूरे भारत से प्रतिभा में निवेश करने को लेकर काफी उत्सुक है। उन्होंने साफ किया कि साउथवेस्ट एयरलाइंस अभी विदेश से लोगों को यहाँ लाने का कोई योजना नहीं बना रही है, और हैदराबाद केंद्र के लिए मुख्य रूप से स्थानीय पेशेवरों को ही नौकरी पर रखेगी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बारे में बात करते हुए श्री लॉरेन ने कहा कि एयरलाइन एक दशक से भी ज़्यादा समय से अपनी परिचालन दक्षता और सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए मशीन लर्निंग और एडवांस्ड एनालिटिक्स का इस्तेमाल कर रही है।

उन्होंने कहा कि कंपनी अब उपभोक्ता अनुभव और ऑपरेशनल क्षमताओं को और बेहतर बनाने के लिए जेनरेटिव एआई और नयी उभरती टेक्नोलॉजीज़ पर काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि हैदराबाद सेंटर शुरू में एयरलाइन के अमेरिका केंद्रित ऑपरेशन्स और कैरिबियन तथा आस-पास के इलाकों में मौजूद अंतरराष्ट्रीय गंतव्य को मदद प्रदान करेगा और साथ ही कंपनी को अपनी टेक्नोलॉजी और इनोवेशन क्षमताओं को मज़बूत करने में भी मदद करेगा।

कुत्बुल्लापुर विधायक प्रत्याशी डॉ. के. रंगाराव को मिला यूनियन पंजीकरण, 90,000 श्रमिक हुए सदस्य

हैदराबाद, 20 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)

डॉ. के. रंगाराव आईडीपीएल कुत्बुल्लापुर निर्वाचन क्षेत्र के चुनावी विधायक प्रत्याशी ने कहा कि मैं पिछले 30 वर्षों से असंगठित और संगठित श्रमिकों के अधिकारों तथा समस्याओं पर संघर्ष करते हुए कई लोगों को हर्जाना दिलवाया और कई उद्योगों में यूनियनों की स्थापना की। श्रमिकों की भलाई के लिए लेबर कमिश्नर और मालिकों से संघर्ष करते हुए, आज भारतीय मजदूर संघ में उपाध्यक्ष के रूप में और कॉन्ट्रैक्ट लेबर यूनियन के उपाध्यक्ष के रूप में भी सेवाएं दे रहा हूं। और तेलंगाना राज्य कॉन्ट्रैक्ट एंड माई ग्रेट वर्कर्स यूनियन का पंजीकरण संख्या H/128/TG सफलतापूर्वक हुआ है। वर्ष 2022 में आवेदन देकर, उस पर काम करते हुए और संघर्ष करते हुए, असंगठित श्रमिक क्षेत्र में सेवाएं देते हुए, वर्ष 2026 में जनवरी-फरवरी के महीनों में भरतनाद नामक लेबर ऑफिसर को कमिश्नर ने तेलंगाना लेबर विभाग की ओर से जांच के लिए नियुक्त किया।

5-6 जिलों में वारंगल, संगारेड्डी, मल्काजगिरि, मेडचल, अदिलाबाद, रंगारेड्डी जिलों में लेबर ऑफिसरों ने जांच की और कमिश्नर को रिपोर्ट देने के बाद, इस यूनियन के नाम पर लगभग 90,000 असंगठित श्रमिक सदस्य बने हुए हैं। और कल सोमवार को अतिरिक्त लेबर कमिश्नर, चंद्रशेखर और जिला डीसीआई नीलम्मा के हाथों से हमने इस पंजीकरण प्रमाण पत्र प्राप्त किया। लेबर कमिश्नर को और श्रमिकों को, इसमें भाग लेने वाले और मुझे सहयोग देने वाले प्रत्येक व्यक्ति को, मेरे साथ-साथ हजारों असंगठित श्रमिकों को हृदयपूर्वक धन्यवाद प्रेषित करते हुए, आने वाले समय में भी तेलंगाना में असंगठित क्षेत्र में हर समस्या पर संघर्ष करके प्रत्येक श्रमिक को न्याय दिलाने की दिशा में हम आगे बढ़ेंगे, इसकी भी मैं इस सभा के समक्ष वचन देते हुए विदा ले रहा हूं।

इस कार्यक्रम में मेरे साथ भाग लेने वाले मेरे सहयोगी पदाधिकारी, श्रमिक, किसान श्री रामेंद्रनाथ, श्री विजय यादव, श्री कोटेश्वर राव, श्री नरसिंहुलु, श्री रमेश मोदी, इन सभी को भी हृदयपूर्वक धन्यवाद प्रेषित करते हुए, और यह पंजीकरण प्रमाण पत्र प्रदान करने वाले श्री चंद्रशेखर, श्रीमती नीलम्मा मैडम और कमिश्नर साहब को सभी को हृदयपूर्वक नमस्कार और धन्यवाद प्रेषित करते हुए मैं विदा ले रहा हूं। जय हिंद। इस प्रकार, आपके डॉ. के. रंगाराव, तेलंगाना राज्य कॉन्ट्रैक्ट एंड माई ग्रेट यूनियन के अध्यक्ष।

एयरपोर्ट पर 3.05 करोड़ रुपये की हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद, दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 20 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की हैदराबाद जोनल इकाई के अधिकारियों ने यहां राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर 3.05 करोड़ रुपये मूल्य की 8.705 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा जब्त कर बैंकॉक से आए दो भारतीय यात्रियों को गिरफ्तार किया है।

डीआरआई की ओर से बुधवार को जारी बयान के अनुसार विशेष खुफिया सूचना के आधार पर 19 मई को बैंकॉक से हैदराबाद पहुंचे दोनों यात्रियों को हवाई अड्डे पर रोका गया।

यात्रियों के चेक-इन सामान की गहन जांच के दौरान अधिकारियों को 24 काले रंग के पैकेट मिले, जिनमें तीखी गंध वाला हरे रंग का गांठदार पदार्थ भरा हुआ था। इन पैकेटों को इंसुलेटेड पानी की बोतलों, आलू चिप्स के डिब्बों, विभिन्न खाद्य पदार्थों के डिब्बों, प्लास्टिक कंटेनरों और कार्डबोर्ड बक्सों में बेहद चालाकी से छिपाया गया था। बरामद पदार्थ का कुल वजन 8.705 किलोग्राम पाया गया, जिसकी नारकोटिक ड्रग डिटेक्शन किट से जांच करने पर यह गांजा/मारिजुआना निकला।

डीआरआई के अनुसार जब्त नशीला पदार्थ उच्च गुणवत्ता वाली कैनबिस है, जिसे आमतौर पर हाइड्रोपोनिक गांजा कहा जाता है और अंतरराष्ट्रीय अवैध बाजार में इसकी अनुमानित कीमत करीब 3.05 करोड़ रुपये है। दोनों आरोपियों को नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्स्टांसेज (एनडीपीएस) अधिनियम, 1985 के तहत गिरफ्तार किया गया है। मामले में आगे की जांच जारी है और नशीले पदार्थों के स्रोत तथा तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान की जा रही है।

एसीबी ने एचएमडब्ल्यूएस एंड एसबी के महाप्रबंधक के ठिकानों पर मारा छापा

हैदराबाद, 20 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड (एचएमडब्ल्यूएस एंड एसबी) के एक अधिकारी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में की गयी तलाशी के दौरान 5.88 करोड़ रुपये की संपत्ति का पता लगाया है। इस संपत्ति में 18 एकड़ कृषि भूमि, छह खाली प्लॉट, तीन फ्लैट, हैदराबाद में एक घर, 1.10 करोड़ रुपये नकद, 2.1 किलोग्राम सोने के आभूषण और 9.2 किलोग्राम चांदी के बर्तन शामिल हैं। एसीबी ने हैदराबाद के रेड हिल्स स्थित एचएमडब्ल्यूएस एंड एसबी के परियोजना संभाग -8 में महाप्रबंधक (इंजीनियरिंग) के पद पर कार्यरत एस.ए.एल. कुमार के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एसीबी की ओर से बुधवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार अधिकारी की पहचान सग्गम अनंत लक्ष्मी कुमार के रूप में हुई है। उसने कथित तौर पर अपनी सेवा अवधि के दौरान भ्रष्ट तरीकों और संदिग्ध माध्यमों से अपनी ज्ञात आय के स्रोतों से कहीं अधिक संपत्ति अर्जित की है। यह मामला भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 13(1)(बी) और 13(2) के तहत दर्ज किया गया है, जिसमें 2018 में संशोधन किया गया था।

भाजपा ने की किसानों के विरोध प्रदर्शन के आह्वान के दौरान नेताओं की गिरफ्तारियों की निंदा

हैदराबाद, 20 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को अपने कई पार्टी नेताओं की एहतियातन गिरफ्तारियों की कड़ी निंदा की।

ये गिरफ्तारियां तेलंगाना भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एन रामचंद्र राव के किसानों को समर्थन देने और खाद्यान्न की खरीद की मांग को लेकर जिला कलेक्टरों और नायब तहसीलदारों को ज्ञापन सौंपने के आह्वान के बाद की गयीं।

यहां जारी बयान में प्रदेश भाजपा के मुख्य आधिकारिक प्रवक्ता और मीडिया प्रभारी एन वी सुभाष ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार लोकतांत्रिक विरोध प्रदर्शनों को दबाने के लिए गिरफ्तारियों का सहारा ले रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा के प्रदेश महासचिव एन गौतम राव और कई अन्य पार्टी नेताओं को विभिन्न जिलों में एहतियाती उपाय के तहत हिरासत में लिया गया, जो 'अत्यंत निंदनीय' है।

श्री सुभाष ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार किसानों से जुड़े मुद्दों पर विपक्षी नेताओं के सौंपे जाने वाले ज्ञापनों को स्वीकार करने के लिए भी तैयार नहीं दिख रही है। उन्होंने कहा, लोकतंत्र में विपक्षी दलों की यह जिम्मेदारी है कि वे विरोध प्रदर्शन करें और जनता की शिकायतों को सरकार के संज्ञान में लायें। इसके साथ ही उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार एहतियाती हिरासत के नाम पर भाजपा नेताओं को गिरफ्तार करना तुरंत बंद करे।

इस बीच, तेलंगाना भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एन रामचंद्र राव के आवास पर भारी पुलिस बल की तैनाती की खबर है। वह इन दिनों नयी दिल्ली में हैं।

ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में देशभर के दवा विक्रेताओं की हड़ताल

हैदराबाद, 20 मई (शुभ लाभ ब्यूरो):

ऑनलाइन फार्मेसी (दवाओं की ऑनलाइन बिक्री) और खुदरा दवा व्यापारियों को प्रभावित करने वाले अन्य मुद्दों के विरोध में ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स (एआईओसीडी) के आह्वान पर बुधवार को मेडिकल स्टोरों की देशव्यापी हड़ताल जारी रही।

बंद के इस आह्वान के समर्थन में तेलंगाना के कई हिस्सों में मेडिकल दुकानें पूरी तरह बंद रहीं, हालांकि कुछ चुनिंदा क्षेत्रों में कुछ आउटलेट खुले रहे और वहां कामकाज चलता रहा।

'तेलंगाना चैंबर ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स' के प्रतिनिधियों ने कहा कि इस विरोध प्रदर्शन का मुख्य उद्देश्य दवाओं की ऑनलाइन बिक्री पर प्रतिबंध लगाना, कॉर्पोरेट संस्थाओं द्वारा दी जाने वाली अत्यधिक छूट को विनियमित करना और नकली दवाओं की बिक्री को रोकना है।

दवा विक्रेताओं के प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया कि हड़ताल के दौरान जनता को होने वाली असुविधा से बचाने के लिए उचित इंतजाम किए गए थे। सरकारी और निजी अस्पतालों से संबद्ध फार्मेसियां (मेडिकल स्टोर) चौबीसों घंटे चालू रहीं, जबकि अपोलो और मेडप्लस जैसी प्रमुख कॉर्पोरेट फार्मेसी श्रृंखलाओं ने भी चुनिंदा क्षेत्रों में अपनी सेवाएं जारी रखीं।

आपातकाल के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी तेलंगाना ड्रग कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन ने आम जनता को सलाह दी है कि आपातकालीन स्थिति में दवाओं की आवश्यकता होने पर वे विभाग के टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1800-599-6969 पर संपर्क कर सकते हैं।

कुनाराम अनुसंधान केंद्र में बीज सप्ताह समारोह 23 से

पेद्दापल्ली, 20 मई **(शुभ लाभ ब्यूरो)।** प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित बीज मेले के अंतर्गत, कुनाराम कृषि अनुसंधान केंद्र में इस माह की 23 से 30 तारीख तक बीज सप्ताह समारोह आयोजित किया जाएगा। कुनाराम अनुसंधान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. बी. सतीश चंद्र ने बुधवार को एक वक्तव्य में यह जानकारी दी। कुनाराम अनुसंधान केंद्र में विकसित सर्वोत्तम किस्म कुनाराम सन्नालू के.एन.एम 1638 फाउंडेशन बीज की लगभग 250 क्विंटल मात्रा वर्तमान में उपलब्ध है, और 10 किलो बीज के एक बैग की कीमत 250 रुपये है। डॉ. बी. सतीश चंद्र ने घोषणा में बताया कि 750 रुपये प्रति बीज की दर से बीज खरीदने के इच्छुक किसानों को इस महीने की 22 तारीख से अग्रिम बुकिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

हैदराबाद से बाहर भी स्थापित होंगे जीसीसी, रेवंत रेड्डी ने बनाया मेगा प्लान

भारत फ्यूचर सिटी का खाका तैयार

हैदराबाद, 20 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) स्थापित करने में बहुराष्ट्रीय कंपनियों (एमएनसी) की बढ़ती रुचि को देखते हुए, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को अधिकारियों को एक नई नीति तैयार करने का निर्देश दिया है। इस नीति का मुख्य उद्देश्य कंपनियों को हैदराबाद कोर अर्बन रीजनल इकोनॉमी क्षेत्र से बाहर कदम बढ़ाने और राज्य के अन्य हिस्सों में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे हैदराबाद महानगर के बाहरी रिंग रोड के पार, उत्तरी और पूर्वी हिस्सों में निजामबाद, करीमनगर और वारंगल राजमार्गों के किनारे वाले क्षेत्रों को जीसीसी और डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए प्रमोट करें। सरकार का यह कदम निवेश के विकेंद्रीकरण और राज्य के संतुलित क्षेत्रीय विकास को सुनिश्चित करने के प्रयासों का एक हिस्सा है।

रेवंत रेड्डी ने संभावित निवेशकों को हैदराबाद आगमन से लेकर उनके संचालन शुरू होने तक एंड-टू-एंड (शुरुआत से अंत तक) सहायता प्रदान करने के लिए एक 'एस्कॉर्ट ऑफिसर' प्रणाली शुरू करने का प्रस्ताव दिया। उन्होंने इस काम के लिए ग्रुप-1 स्तर के अधिकारियों की नियुक्ति पर विचार करने का सुझाव दिया। इसके अलावा, उन्होंने अधिकारियों को औद्योगिक संवर्धन और सुशासन में सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने के लिए तमिलनाडु और गुजरात की औद्योगिक नीतियों का अध्ययन करने का भी निर्देश दिया।

यह निर्णय मुख्यमंत्री और उद्योग एवं आईटी मंत्री डी. श्रीधर बाबू की अध्यक्षता में आयोजित एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में लिया गया। इस बैठक में मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव, मुख्यमंत्री के विशेष सचिव बी. अजीत रेड्डी, तेलंगाना औद्योगिक अवसंरचना निगम (टीजीआईआईसी) के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के. शशांक, आईटी और संचार संयुक्त सचिव अनुदीप दुरीशेट्टी, उद्योग आयुक्त निखिल चक्रवर्ती और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। समीक्षा के दौरान, मुख्यमंत्री ने सिफारिश की कि टियर-2 और टियर-3 शहरों में जीसीसी के विकेंद्रीकरण को बढ़ावा देने के लिए उणठए क्षेत्र से परे विशिष्ट क्लस्टरों की पहचान की जाए। रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि महत्वाकांक्षी 'भारत फ्यूचर सिटी' को नेट-जीरो) सिद्धांतों पर विकसित किया जाए, जिसमें इंजीनियरिंग और बुनियादी ढांचे के उच्चतम वैश्विक मानकों का पालन हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि गुण-वत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए और इस परियोजना के मास्टर प्लान को तैयार करते समय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध शहरों का अध्ययन किया जाए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किसी भी भूमि आवंटन से पहले प्रस्तावित क्षेत्रों में ट्रंक इंफ्रास्ट्रक्चर (बुनियादी ढांचा) को प्राथमिकता के आधार पर विकसित किया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दुनिया भर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े बुनियादी ढांचे का अध्ययन करने और भारत फ्यूचर सिटी में प्रस्तावित 'एआई सिटी' से संबंधित कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने बीएफसी के सभी कार्यों में तेजी लाने को कहा ताकि जून के दौरान फ्यूचर सिटी इंडस्ट्रियल पार्क में प्रस्तावित औद्योगिक इकाइयों सहित औद्योगिक गलियारे में विभिन्न सुविधाओं के लिए जल्द से जल्द शिलान्यास समारोह आयोजित किया जा सके।

रेवंत रेड्डी ने कहा कि भारत फ्यूचर सिटी में भूमि आवंटन प्राप्त करने वाली कंपनियों को अपनी भविष्य की कार्यबल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कौशल विकास और प्रमाणन कार्यक्रमों के लिए समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को फ्यूचर सिटी परियोजना में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित कंपनियों और संस्थानों को आकर्षित करने का भी निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को भारत फ्यूचर सिटी के विकास और निवेशकों को आकर्षित करने के लिए कई दूरगामी प्रस्ताव रखे:-

-प्रतिनिधियों व पत्रकारों के लिए भूमि: फ्यूचर सिटी में जनप्रतिनिधियों, सिविल सेवा अधिकारियों और पत्रकारों के लिए 500 एकड़ भूमि आरक्षित की जाएगी।

-क्षेत्रीय चिकित्सा हब के लिए पैरवी: केंद्रीय बजट में घोषित पांच क्षेत्रीय चिकित्सा हबों में से एक को भारत फ्यूचर सिटी में प्रस्तावित 'हेल्थ सिटी' के लिए आवंटित कराने के लिए केंद्र सरकार से पैरवी की जाएगी। इस स्वास्थ्य क्लस्टर को तेलंगाना के लिए सुनिश्चित करने हेतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष मामला उठाया जाएगा।

-इन्वेस्ट तेलंगाना : निवेश प्रोत्साहन गतिविधियों को मजबूत करने के लिए एक समर्पित एजेंसी 'इन्-वेस्ट तेलंगाना' बनाई जाएगी।

-बेहतर प्रशासनिक ढांचा: निवेशकों और कंपनियों को एंड-टू-एंड सहायता प्रदान करने में सक्षम शासन संरचना बनाने के लिए अन्य राज्यों की सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाया जाएगा।

-त्वरित मंजूरी: तेजी से मंजूरी और परिचालन सहायता के लिए ऊर्जा और वित्त जैसे विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को विशेष आमंत्रितों के रूप में नामित किया जाएगा।

-नियमित नियुक्तियां: आईटी और उद्योग विभाग के अधिकारी 'इन्वेस्ट तेलंगाना' में नियमित नियुक्तियों के रूप में कार्य करेंगे। आक्रामक निवेश प्रोत्साहन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए इन्वेस्ट तेलंगाना के लिए एक 'सोसाइटी' का गठन किया जाएगा, जो एक जीवंत और गतिशील एजेंसी होगी।

-बुलेट ट्रेन और डेटा सिटी: प्रस्तावित बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण किया जाएगा। साथ ही, 1,500 एकड़ में 'डेटा सिटी' की स्थापना की जाएगी, और इस परियोजना की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट से उपचारित पानी का उपयोग किया जाएगा।

तेलंगाना में भीषण लू का अलर्ट

मुख्यमंत्री ने जनता से सतर्क रहने की अपील की

हैदराबाद, 20 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): मौसम विभाग द्वारा जारी भीषण लू की चेतावनियों के मद्देनजर, तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने राज्यभर में आम जनता से सतर्क रहने और भीषण गर्मी से बचाव के लिए सभी आवश्यक सावधानियां बरतने की अपील की है।

मुख्यमंत्री ने रेखांकित किया कि उत्तरी तेलंगाना के जिलों में विशेष रूप से गंभीर लू की स्थिति बनने की संभावना है। इसे देखते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जनस्वास्थ्य की रक्षा के लिए सभी एहतियाती कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

रेवंत रेड्डी ने प्रशासन को निर्देश दिया है कि प्रभावित क्षेत्रों में ओआरएस पैकेटों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों को उन क्षेत्रों में निर्बाध पेयजल और बिजली की आपूर्ति पर विशेष ध्यान देने को कहा है जहाँ गर्मी का प्रकोप सबसे अधिक है।

मुख्यमंत्री ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों से लेकर जिला अस्पतालों तक, हाई अलर्ट पर रहने का आदेश दिया है ताकि हीटस्ट्रोक (लू लगना) और गर्मी से संबंधित अन्य बीमारियों से पीड़ित लोगों को तुरंत इलाज मिल सके।

गर्मी के इस मौसम में जनता को राहत पहुंचाने के लिए मुख्यमंत्री ने शहरी क्षेत्रों में ''चली वेंद्रालु'' (मुफ्त पेयजल केंद्र या प्याऊ) स्थापित करने का सुझाव दिया है।

दोपहर में यात्रा से बचने की सलाह मुख्यमंत्री ने नागरिकों को सलाह दी है कि वे दोपहर के समय, जब तापमान अत्यधिक उच्च रहने की आशंका होती है, अनावश्यक यात्रा करने से बचें।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने राज्य के मुख्य सचिव रामकृष्ण राव को जिलों की स्थिति पर निरंतर नजर रखने और लू की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए जिला कलेक्टरों को आवश्यक दिशानिर्देश जारी करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से एमसीआर एचआरडी के बोधि पवेलियन में फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफटीसीसीआई) के अध्यक्ष आर. रवि कुमार, सुरेश शेटकर, एफटीसीसीआई की डायरेक्टर श्रीमती संगीता तथा एफटीसीसीआई एक्सीलेंस अवॉर्ड्स के चेयरमैन श्री भास्कर रेड्डी ने शिष्टाचार मुलाकात की।इस अवसर पर एफटीसीसीआई के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को आगामी एफटीसीसीआई एक्सीलेंस अवॉर्ड्स कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए औपचारिक आमंत्रण दिया।

मेरी अंतिम इच्छा है कि मेरे पार्थिव शरीर पर बीजेपी का भगवा झंडा लपेटा जाए: बंडी संजय

हैदराबाद, 20 मई (शुभ लाभ ब्यूरो) : केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने बुधवार को एक नई राजनीतिक पार्टी बनाने की तमाम अटकलों को पूरी तरह से खारिज कर दिया है। उन्होंने भावुक होते हुए बड़ा बयान दिया और घोषणा की कि उनकी अंतिम इच्छा यही है कि मृत्यु के बाद उनके पार्थिव शरीर पर भाजपा का भगवा झंडा लपेटा जाए।

हैदराबाद स्थित भाजपा राज्य मुख्यालय में मीडिया से बातचीत करते हुए बंदी संजय ने मीडिया के कुछ हलकों में नई राजनीतिक पार्टी के गठन को लेकर चल रही खबरों को सिरे से खारिज कर दिया।

यदि आप भाजपा के किसी भी समर्पित कार्यकर्ता से पूछेंगे कि उसकी अंतिम इच्छा क्या होगी, तो वह यही कहेगा कि मृत्यु के बाद उसके शरीर पर भगवा झंडा लपेटा जाए। मेरी भी यही अंतिम इच्छा है।

केंद्रीय मंत्री आज भाजपा कार्यालय पहुंचे थे, जहां बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एकत्र हुए थे। कार्यकर्ताओं ने भाजपा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बंदी संजय के समर्थन में जमकर नारेबाजी की। इस दौरान समर्थकों ने चल रही राजनीतिक अटकलों के बीच उनके प्रति अपनी एकजुटता भी व्यक्त की।

केंद्रीय मंत्रिमंडल से हटाए जाने की संभावना वाली खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए बंदी संजय ने भारत राष्ट्र समिति के नेताओं पर तीखा तंज कसा। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि यह फैसला शायद पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव और उनके बेटे के.टी. रामा राव द्वारा पहले ही लिया जा चुका है।

अपनी संभावित गिरफ्तारी के दावों वाली रिपोर्टों पर भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि तेलंगाना में बीआरएस सरकार को हराने में भाजपा की भूमिका से बौखलाए राजनीतिक विरोधियों के इशारे पर कुछ मीडिया चैनल मनगढ़ंत कहानियां फैला रहे हैं।

अपने बेटे से जुड़े एक मामले के आरोपों का जिक्र करते हुए बंदी संजय ने कहा कि यह मामला फिलहाल कोर्ट में (विचाराधीन) है और उन्होंने पुलिस जांच में पूरी तरह से सहयोग किया है। उन्होंने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों पर अपनी और भाजपा की छवि खराब करने के लिए फेक न्यूज फैक्ट्री चलाने का आरोप लगाया, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि इस तरह के दुष्प्रचार के बावजूद जनता का समर्थन लगातार पार्टी के साथ बना हुआ है।

डीआरडीओ ने यूएवी से लॉन्च होने वाली मिसाइल-वी3 के परीक्षण पूरे किए

हैदराबाद, 20 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने रक्षा क्षेत्र में देश की आत्मनिर्भर भारत पहल को बढ़ावा देते हुए मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) से लॉन्च होने वाली सटीक गाइडेड मिसाइल (यूएलपीजीएम)-वी 3 के अंतिम परीक्षण हवा से ज़मीन और हवा से हवा दोनों तरीकों में पूरे कर लिए हैं।

ये परीक्षण आंध्र प्रदेश के कुरनूल के पास डीआरडीओ की परीक्षण रेंज में एक एकीकृत ग्राउंड कंट्रोल सिस्टम (जीसीएस) का उपयोग करके किए गए। इस जीसीएस को यूएलपीजीएम हथियार प्रणाली को कमांड और कंट्रोल करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस उन्नत प्रणाली में अत्याधुनिक तकनीकें शामिल हैं, जो मिसाइल की तैयारी और लॉन्च ऑपरेशन्स को स्वचालित बनाती हैं।

यह जानकारी मंगलवार देर रात जारी डीआरडीओ की एक विज्ञप्ति में दी गयी है। विज्ञप्ति के अनुसार मिसाइल प्रणाली के विकास और निर्माण के लिए संगठन ने हैदराबाद स्थित भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल) और अडानी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के साथ साझेदारी की थी। मौजूदा परीक्षण के लिए यूएलपीजीएम-वी3 को बेंगलुरु स्थित न्यूस्पेस रिसर्च एंड टेक्नोलॉजीज द्वारा विकसित यूएवी के साथ एकीकृत किया गया था।

इस मिसाइल को हैदराबाद स्थित रिसर्च सेंटर इमारत (आर-सीआई) द्वारा विकसित किया गया था, जिसने मुख्य प्रयो-गशाला (नोडल लैब) के रूप में काम किया। इसमें डीआरडीओ की अन्य प्रयोगशालाओं, जैसे हैदराबाद स्थित 'रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल), चंडीगढ़ स्थित टर्मिनल बैलिस्टिक्स रिसर्च लैबोरेटरी (टीबीआरएल), और पुणे स्थित उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल) का भी सहयोग रहा।

इस मिसाइल को पूरी तरह से भारतीय रक्षा इकोसिस्टम के माध्यम से विकसित किया गया है, जिसमें कई एमएसएमई और उद्योगों की भागीदारी रही है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मिसाइल के सफल विकास परी-क्षणों के लिए डीआरडीओ , सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, रक्षा उत्पादन भागीदारों और उद्योग के हितधारकों को बधाई दी। ये परीक्षण हवा से ज़मीन मोड में टैंक-रोधी भूमिका के साथ-साथ 'हवा से हवा' मोड में ड्रोन, हेलीकॉप्टर और अन्य हवाई खतरों को निशाना बनाने के लिए किए गए थे। उन्होंने इस उपलब्धि को रक्षा निर्माण के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक रणनीतिक मील का पत्थर बताया।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष समीर वी. कामत ने भी इस परियोजना से जुड़ी टीमों को उनकी सफल उपलब्धि के लिए बधाई दी।

सबको साथ लेकर सेवा कार्य करना ही राधे-राधे ग्रुप की सबसे बड़ी पहचान : खुशी अग्रवाल

हैदराबाद, 20 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बुधवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क पर नियमित अनुदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंद एवं निराश्रित लोगों की सेवा करते हुए सभी सदस्यों ने मानवता और सेवा भावना का परिचय दिया।

इस अवसर पर अपने विचार साझा करते हुए खुशी अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप बिना किसी भेदभाव, ऊंच-नीच या छोटे-बड़े के भाव के सभी को साथ लेकर सेवा कार्य करता है। यही कारण है कि ग्रुप से जुड़ने वाले नए सदस्यों में भी सेवा के प्रति ऊर्जा, उत्साह और सकारात्मक भावना का संचार होता है।

उन्होंने कहा कि सेवा केवल दान देने का माध्यम नहीं बल्कि समाज को जोड़ने और मानवता को मजबूत करने का सबसे सुंदर मार्ग है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप लगातार जरूरतमंदों के बीच पहुंचकर जिस समर्पण और अपनत्व के साथ कार्य कर रहा है, वह समाज के लिए प्रेरणादायी है। ग्रुप के सदस्य पूरी निष्ठा और सहयोग की भावना से हर सेवा कार्य में भाग लेते हैं, जिससे जरूरतमंद लोगों को राहत और आत्मीयता का अनुभव होता है।

कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, उमाकांतजी गुप्ता, उर्मिला गुप्ता, उमा डालमिया, तेजप्रकाश अग्रवाल, खुशी अग्रवाल, हरीश टोलाराम हिंदुजा एवं जयप्रकाश सारड़ा सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों की विशेष उपस्थिति रही। सभी सदस्यों ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए समाज सेवा के संकल्प को और अधिक मजबूत बनाने का संदेश दिया।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 38^0
न्यूनतम : 27^0

उप मुख्यमंत्री मल्लू ने सीतारमण से मुलाकात की

नई दिल्ली/हैदराबाद, 20 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के उप मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने बुधवार को नयी दिल्ली में केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की और राज्य के विकास , शैक्षिक अवसंरचना तथा पूंजीगत व्यय से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा की।

श्री मल्लू ने मुलाकात के दौरान केन्द्र से स्कीम फॉर स्पेशल असिस्टेंस टू स्टेट्स फॉर कैपिटल इन्वेस्टमेंट (एसएएससीआई) के तहत तेलंगाना को 5,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त विशेष वित्तीय मदद देने का आग्रह किया।

उन्होंने श्रीमती सीतारमण को तेलंगाना सरकार द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, ग्रामीण अवसंचना और मानव संसाधन विकास जैसे सेक्टर में किए जा रहे बड़े निवेश और कल्याणकारी पहलों के बारे में बताया।

श्री भट्टी विक्रमार्क ने शिक्षा क्षेत्र में राज्य सरकार के बड़े निवेश, खासकर यंग इंडिया इंटीग्रेटेड रेजिडेंशियल स्कूल (वाईआईआईआरएस) की स्थापना के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने इस बारे में केंद्र से आर्थिक विभाग (डीईए) से मंज़ूर बाहरी वित्त पोषित परियोजनाएं (ईएपी) के लिए एफआरबीएम लिमिट से छूट देने की अपील की। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, उप मुख्यमंत्री ने ज़ोर देकर कहा कि केंद्र से अतिरिक्त वित्तीय समर्थन और पॉलिसी में छूट से तेलंगाना को आधारभूत संरचनाओं के विकास में तेज़ी लाने और पूरे राज्य में सार्वजनिक कल्याण पहलों को मज़बूत करने में मदद मिलेगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.